SHIKSHAN
THE POWER OF KNOWLEDGE

NEP Edition

व्याकरण संसार

6



Competency Based Learning

व्याकरण संसार

५

Name:

Roll N

Class:

School : Podar international School
Name : YASh Baukrushna kadale
Roll No. : Last
Class : 5Th Sec. : C
Subject : Hindi

SHIKSHAN
THE POWER OF KNOWLEDGE

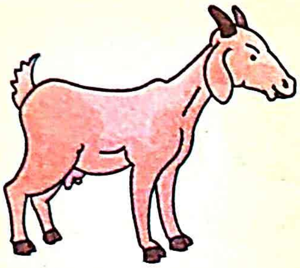
विषय-सूची

१ भाषा तथा व्याकरण

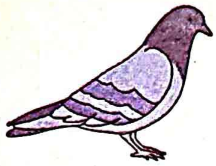


उचित आवाज़ें चुनकर चित्रों से संबंधित वाक्य पूरे कीजिए–

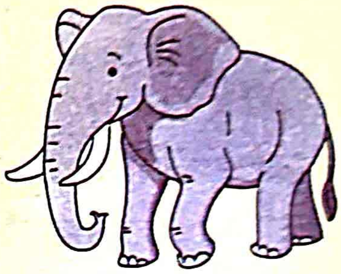
मिमियाकर, चिंघाड़कर, गुटरगूकर



बकरी ....मिमियाकर.... कुछ कहती है।



कबूतर ....चिघांड़ कर.... कुछ कहता है।



हाथी ....चिंघाड़कर.... कुछ कहता है।

उपर्युक्त चित्रों से संबंधित वाक्यों में हमने देखा कि सभी जीव, चाहे वे पशु हों या पक्षी, अलग-अलग ध्वनियों के माध्यम से अपने मन के भावों की अभिव्यक्ति करते हैं। यही इनकी **'बोलियाँ'** हैं।

निम्नलिखित चित्रों को ध्यान से देखिए और हो रही बातचीत को समझिए–







दिए गए चित्र के माध्यम से हमने जाना कि विवेक ने हाथ से इशारा करके सर को प्यास लगने की जानकारी दी। सर ने उसके संकेत को समझकर उसे पीने के लिए पानी दिया।

शशांक ने बोलकर अपने सर से कुछ पूछा। सर ने सुनकर उत्तर दिया।



चित्र में लड़की कविता लिखकर दिखा रही है। माता-पिता कविता को पढ़कर समझ रहे हैं।

इसी तरह से हम कई बार अपने भावों-विचारों को संकेतों में समझाते हैं, बोलकर कहते हैं और पढ़कर समझते हैं। लेकिन कई बार हमारा संकेत गलत भी हो जाता है, इसलिए भाषा का यह रूप (सांकेतिक भाषा) मान्य नहीं है।

भाषा

जिस साधन के द्वारा हम अपने भावों और विचारों को बोलकर या लिखकर एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं, वह 'भाषा' कहलाती है।

हम अपने भावों-विचारों को लिखकर और बोलकर अलग-अलग प्रकार से प्रकट करते हैं। इस आधार पर भाषा के दो रूप होते हैं–

मौखिक रूप

हम आपस में बातचीत करते हुए एक-दूसरे से जो कहते-सुनते हैं, वही 'मौखिक भाषा' है।

लिखित रूप

लिखकर-पढ़कर जब हम विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तो उसे 'लिखित भाषा' कहते हैं।

ये भी जानें

- घर-परिवार में बोली जाने वाली भाषा 'मातृभाषा' कहलाती है।
- भाषा का क्षेत्रीय रूप 'बोली' कहलाता है। इसका प्रयोग बोल-चाल में ही किया जाता है। इसमें प्राय: साहित्य रचना नहीं की जाती। इसे स्थानीय स्तर पर बोला जाता है। भारत में अवधी, ब्रज, कोंकणी आदि कई बोलियाँ हैं।
- भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं, लेकिन स्वतंत्रता के बाद १४ सितंबर १९४९ को संविधान में हिंदी को 'राजभाषा' का दर्जा दिया गया। सभी सरकारी काम-काज राजभाषा में ही होते हैं।
- पूरे भारत में हिंदी भाषा सबसे अधिक बोली जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा छह भाषाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कामकाज की भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। इनमें अरबी, चीनी (मंदारिन), अंग्रेज़ी, फ्रेंच, रशियन और स्पेनिश शामिल हैं। दुनिया में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली तीन प्रमुख भाषाओं का क्रम कुछ इस प्रकार है– पहली अंग्रेज़ी, दूसरी मंदारिन तथा तीसरी हिंदी। अंग्रेज़ी को संपर्क भाषा माना जाता है।
- भारत के हर राज्य की अपनी अलग-अलग भाषा है।

कुछ राज्यों की भाषाएँ इस प्रकार हैं–

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
पंजाब	पंजाबी	असम	असमिया	कर्नाटक	कन्नड़
केरल	मलयालम	कश्मीर	डोगरी	तमिलनाडु	तमिल
गुजरात	गुजराती	मणिपुर	मणिपुरी	महाराष्ट्र	मराठी
आंध्रप्रदेश	तेलुगु	बंगाल	बंगाली	उड़ीसा	उड़िया
हिमाचल प्रदेश	हिंदी	उत्तरी बिहार	मैथिली		

ये भी जानें

- हिंदी के अंतर्गत १८ बोलियाँ हैं। इनमें खड़ी बोली, ब्रज, अवधि, मारवाड़ी आदि प्रमुख हैं। भाषा के क्षेत्रीय रूप को ही बोली कहा जाता है।
- संस्कृत भारत की प्राचीन भाषा है, जो कि विद्यालयों में भी पढ़ाई जाती है।

➤ जिस प्रकार भारत के हर राज्य की अपनी अलग भाषा है, उसी प्रकार हर देश की अपनी-अपनी अलग भाषाएँ हैं–

देश	भाषा
जापान	जापानी
रूस	रूसी
चीन	चीनी/मंदारिन

देश	भाषा
इंग्लैंड	अंग्रेज़ी
फ्रांस	फ्रांसीसी/फ्रेंच
नेपाल	नेपाली

लिपि

➤ भाषा को जिन चिह्नों के द्वारा लिखा जाता है, उन चिह्नों को 'लिपि' कहते हैं।

➤ भारत और विश्व की जितनी भाषाएँ हैं, उन सबकी अपनी अलग-अलग लिपि है।

➤ हिंदी, मराठी व संस्कृत भाषा की लिपि देवनागरी है। पंजाबी भाषा गुरुमुखी लिपि में लिखी जाती है। उर्दू भाषा की लिपि फ़ारसी है। अंग्रेज़ी, जर्मन तथा फ्रेंच भाषा की लिपि रोमन है।

जैसे– मुंबई (देवनागरी लिपि)

ਮੁੰਬਈ (गुरुमुखी लिपि)

Mumbai (रोमन लिपि)

व्याकरण

➤ भाषा को सही रूप में बोलने, लिखने और पढ़ने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। इन नियमों को 'व्याकरण' कहते हैं।

➤ व्याकरण द्वारा ही हम भाषा को सही रूप दे पाते हैं।

जैसे– रक्षिता बाज़ार जा रहा है।

मोहन गाड़ी चला रही है।

➤ व्याकरण की दृष्टि से ये दोनों वाक्य गलत हैं, क्योंकि इसमें लिंग संबंधी अशुद्धियाँ हैं। जैसे– 'रक्षिता' शब्द से 'स्त्रीलिंग' का पता चल रहा है। फिर भी इसके लिए पुल्लिंग 'रहा है' का प्रयोग किया जा रहा है। इसी प्रकार 'मोहन' शब्द से 'पुल्लिंग' का पता चल रहा है। फिर भी इसके लिए स्त्रीलिंग 'रही है' प्रयोग किया जा रहा है।

➤ दोनों वाक्यों का सही रूप होगा–

रक्षिता बाज़ार जा रही है।

मोहन गाड़ी चला रहा है।

➤ इसी प्रकार व्याकरण में वर्तनी को भी ठीक रखना आवश्यक होता है। अर्थात् शब्दों पर मात्राएँ ठीक लगी हों और वर्ण ठीक क्रम में लिखे गए हों।

जैसे– गलत वर्तनी	सही वर्तनी
शितल	शीतल
मेरे को घर जाना है।	मुझे घर जाना है।



अभ्यास-कार्य

17.06.2025

प्रश्न १. भाषा किसे कहते हैं?

अपने मन के विचार और भावों लिखकर या बोलकर ... दूसरे तक पहुँचना भाषा कहलाता है।

प्रश्न २. हम अपने मन के भावों और विचारों को कैसे प्रकट कर सकते हैं?

जिस साधन के द्वरा हम अपने भावो और विचोरो को बोलकार या लिखकर एक - दूसरे तक पहुच सकते है।

प्रश्न ३. चित्रों को देखकर बताइए, ये भाषा के कौन-से रूप हैं?



~~बोलकर~~ मौखिक भाषा।



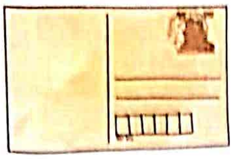
लिखित भाषा।



~~बोलकर~~ मौखिक भाषा



मौखिक भाषा।



लिखित भाषा



मौखिक भाषा

प्रश्न ४. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

(क) घर-परिवार में बोली जाने वाली भाषा ......मातृभाषा...... कहलाती है।

(ख) भाषा का क्षेत्रीय रूप ......बोली...... कहलाता है।

(ग) दुनिया में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में ......अंग्रेजी...... भाषा पहले स्थान पर है।

प्रश्न ५. राज्यों के सामने उनकी भाषाओं के नाम लिखिए–

(क) कर्नाटक – ......कन्नड़......

(ख) आंध्रप्रदेश – ......तेलुगू......

(ग) उत्तरी बिहार – ......मैथिली......

(घ) हिमाचल प्रदेश – ......हिन्दी......

(ङ) पश्चिम बंगाल – ......बंगाली......

प्रश्न ६. भाषाओं के सामने उनकी लिपियों के नाम लिखिए–

(क) हिंदी – ......देवनागरी......

(ख) उर्दू – ......फारसी......

(ग) जर्मन – ......रोमन......

(घ) संस्कृत – ......देवनागरी......

प्रश्न ७. व्याकरण किसे कहते हैं?

भाषा को सही रूप में बोलना लिखना और पढ़ने के लिए कुछ नियम का ध्यान करना पड़ते है।

प्रश्न ८. शब्दों और वाक्यों को सही करके लिखिए–

(क) जिवन ......सब एक जीवन मीलता है......

(ख) काग्र ......मेरे काम करने के बहुत......

(ग) वयाकरन ....

(घ) दीकप लज रहा है। ......तितली की दीपक रहा है......

(ङ) मैं मेरा काम खुद करती है। ......मेरी ~~एक~~ करती है मेरा काम......

प्रश्न ९. सही या गलत लिखिए–

(क) मौखिक रूप में भाषा लिखी जाती है। .... गलत

(ख) व्याकरण भाषा का शुद्ध रूप बताता है। .... सही

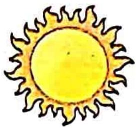
(ग) फ्रेंच भाषा की लिपि रोमन है। .... सही

(घ) जापान की भाषा जापानी है। .... सही

(ङ) बोली में साहित्य रचना होती है। .... गलत

(च) पंजाब में पंजाबी बोली जाती है। .... सही

प्रश्न १०. चित्रों को देखकर उनके नाम जितनी भाषाओं में लिख सकते हैं, लिखिए–

	हिंदी	नेपाली	मराठी	बंगाली	तमिल	अंग्रेज़ी
	सूर्य	घाम	सूर्य	सूरज	सूर्यन	Sun
	आम	....	....	....	....	....
	दो	....	....	....	....	....
	....	....	....	....	....	....
	बटाटा आलू	....	....	....	....	....

प्रश्न ११. आपका जन्म किस राज्य में हुआ है? वहाँ की भाषा और बोलियों के बारे में लिखिए।

....

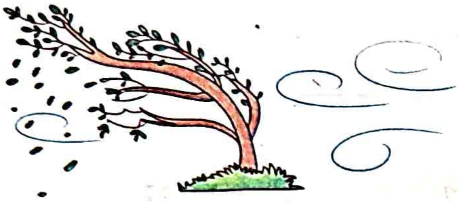
....

....



२ वर्ण-विचार

उचित जोड़ियाँ मिलाइए–





छुक-छुक

सर-सर

गड़-गड़

टिप-टिप





उपर्युक्त चित्रों से संबंधित कुछ ध्वनियाँ दी गई हैं। जैसे– हवा, बादल, बारिश तथा ट्रेन से क्रमश: सर-सर, गड़-गड़, टिप-टिप तथा छुक-छुक की ध्वनियाँ निकलती हैं। जिनका कोई अर्थ तो नहीं है, परंतु ये ध्वनियाँ हैं।

उसी तरह बोलते समय हमारे मुख से भी कई ध्वनियाँ निकलती हैं। जैसे– खिलौना। यह शब्द बोलते समय हमारे मुख से ख् + इ + ल् + औ + न् + आ ध्वनियाँ निकलीं। यह ध्वनियाँ 'वर्ण' कहलाती हैं।

बोलते समय हमारे मुख से निकली हुई ध्वनियों के लिखित रूप को 'वर्ण' या 'अक्षर' कहते हैं।

ये भी जानें

- वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है। इसके और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते।
- वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर और व्यंजन।
- वर्णों का क्रमबद्ध व्यवस्थित समूह 'वर्णमाला' कहलाता है।
- हिंदी भाषा की वर्णमाला में कुल पचपन (५५) वर्ण हैं।

वर्णमाला

- स्वर– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अ:
- आगत स्वर– ऑ
- व्यंजन– क, ख, ग, घ, ङ
  च, छ, ज, झ, ञ
  ट, ठ, ड, ढ, ण
  त, थ, द, ध, न
  प, फ, ब, भ, म
  य, र, ल, व
  श, ष, स, ह

कुछ विशेष बातें–

- ङ, ञ, ण, न और म वर्णमाला में 'पंचम वर्ण' के नाम से जाने जाते हैं।
- अं, अँ और अ: क्रमश: 'अनुस्वार', 'अनुनासिक/चंद्रबिंदु' और 'विसर्ग' कहलाते हैं।
- ऑ अंग्रेज़ी भाषा से हिंदी में आया है। अत: यह 'आगत स्वर' के नाम से जाना जाता है।
- ड़ और ढ़ 'अतिरिक्त व्यंजन' कहलाते हैं।
- ज़ और फ़ 'आगत व्यंजन' हैं, जो कि फ़ारसी भाषा से हिंदी भाषा में आए हैं।

- संयुक्त व्यंजन– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र
- अतिरिक्त व्यंजन– ड़, ढ़
- आगत व्यंजन– ज़, फ़

ये भी जानें

- स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से किया जाता है।
- अनुस्वार का उच्चारण नाक से होता है।
  जैसे– जंगल, मंगल आदि।
- अनुनासिक का उच्चारण नाक और मुख दोनों से होता है।
  जैसे– काँटा, दाँत आदि।
- विसर्ग का उच्चारण गले से होता है।
  जैसे– अत:, स्वत: आदि।
- स्वरों के लिए जो चिह्न निर्धारित किए गए हैं, वे उनकी 'मात्रा' कहलाते हैं।
- सिर्फ़ 'अ' को छोड़कर बाकी सभी स्वरों की अपनी मात्राएँ होती हैं।

स्वर	मात्रा	मात्रा के साथ वर्ण	प्रयोग	मात्रा वाले अन्य शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं होती	क् + अ = क	कल	शहर, महल
आ	ा	ज् + आ = जा	जाल	बाल, काम

स्वर	मात्रा	मात्रा के साथ वर्ण	प्रयोग	मात्रा वाले अन्य शब्द
इ	ि	ब् + इ = बि	बिल	किला, गिलास
ई	ी	च् + ई = ची	चील	कील, जीभ
उ	ु	प् + उ = पु	पुल	गुलाब, बुलबुल
ऊ	ू	भ् + ऊ = भू	भूख	मूली, चूड़ी
ऋ	ृ	व + ऋ = वृ	वृक्ष	कृषि, गृह
ए	े	त् + ए = ते	तेल	मेला, पेड़
ऐ	ै	ग् + ऐ = गै	गैस	थैला, पैर
ओ	ो	ढ + ओ = ढो	ढोल	टोपी, घोड़ा
औ	ौ	क् + औ = कौ	कौआ	नौकर, सौरभ

स्वर के प्रकार

ह्रस्व स्वर

ह्रस्व स्वर का उच्चारण करने में सबसे कम समय लगता है। अ, इ, उ और ऋ ह्रस्व के अंतर्गत आते हैं।

दीर्घ स्वर

दीर्घ स्वर का उच्चारण करने में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ और औ दीर्घ स्वर के अंतर्गत आते हैं।

प्लुत स्वर

प्लुत स्वर के उच्चारण में ह्रस्व और दीर्घ स्वरों की तुलना में तीन गुना या उससे भी अधिक समय लगता है।

जैसे– ओऽम्, अरेऽ

संयुक्त व्यंजन

संयुक्त व्यंजन में दो भिन्न व्यंजनों के मेल से एक नया व्यंजन बनता है।

जैसे–

क् + ष् + अ = क्ष (क्षत्रिय)

त् + र् + अ = त्र (त्रिशूल)

ज् + ञ् + अ = ज्ञ (ज्ञानी)

श् + र् + अ = श्र (श्रमिक)

द्वित्व व्यंजन

द्वित्व व्यंजन दो समान व्यंजनों के मेल से बनता है।

जैसे–

प् + प = प्प (चप्पल)

ट् + ट = ट्ट (मिट्टी)

ल् + ल = ल्ल (बिल्ली)

संयुक्ताक्षर

संयुक्ताक्षर दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बनता है।

जैसे–

क् + य = क्य (क्यारी)

च् + छ = च्छ (अच्छी)

त् + य = त्य (त्याग)

ये भी जानें

- संयुक्त व्यंजन में दोनों व्यंजन मिलकर एक नए अक्षर के रूप में बदल जाते हैं। संयुक्ताक्षर में दोनों व्यंजन अलग-अलग दिखाई देते हैं।
- व्यंजनों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से नहीं किया जा सकता।
- इनके उच्चारण में स्वर 'अ' मिला होता है।

'र' के विभिन्न रूप

☺ हिंदी वर्णमाला में 'र' के तीन तरह के रूप निर्धारित किए गए हैं।

१. स्वर रहित 'र्' अपने आगे आने वाले व्यंजन के ऊपर (र्‍) के रूप में लगाया जाता है। जैसे– प + र् + व = पर्व, न + र् + म = नर्म

२. स्वर रहित व्यंजन के बाद 'र' हो तो वह व्यंजन की खड़ी पाई के साथ (्र) पदेन के रूप में लगता है। जैसे– क् + र + म = क्रम, उ + ग् + र = उग्र

३. जिन स्वर रहित व्यंजनों में खड़ी पाई नहीं होती, वह उनमें पदेन (‸) के रूप में लगता है। जैसे– ट् + र + क = ट्रक, ड् + र + म = ड्रम

वर्ण-विच्छेद

'विच्छेद' शब्द का शाब्दिक अर्थ है– 'अलग करना'। इस तरह 'वर्ण-विच्छेद' का अर्थ हुआ– 'प्रत्येक वर्ण को अलग करना'। जब शब्द में से उसके सभी वर्णों को अलग कर दिया जाता है, तो वह 'वर्ण-विच्छेद' कहलाता है। जैसे–

लड़की = ल् + अ + ड़् + अ + क् + ई

मैदान = म् + ऐ + द् + आ + न् + अ

चाँद = च् + आँ + द् + अ

सड़क = स् + अ + ड़् + अ + क् + अ

कक्ष = क् + अ + क् + ष् + अ

अज्ञान = अ + ज् + ञ् + आ + न् + अ



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. शब्दों में सही जगह पर अनुनासिक, अनुस्वार और विसर्ग चिह्न लगाकर उचित स्थान पर लिखिए–

प्रात, दिसबर, काच, पुन, पडित, पखा, चाद, बदर, प्राय, चादी, बासुरी

अनुनासिक – ~~प्रांत, चाँदी, बाँसुरी~~ काँच, चाँद, बाँसुरी चाँदी

अनुस्वार – दिसंबर, ~~काँच~~ ~~पंडित~~, पंखा, पंखा, बंदर, पंडित

विसर्ग – प्रातः प्रायः पुनः

प्रश्न २. आगत वर्ण 'ऑ' तथा उसकी मात्रा वाले एक-एक शब्द लिखकर वाक्य बनाइए–

जैसे– ऑर्किड– मुझे ऑर्किड का फूल बहुत पसंद है।

डॉक्टर– अवनी को पढ़-लिखकर डॉक्टर बनना है।

मुझे ऑक्टोपस पसंद है। मैं डॉक्टर बनना चाहती हूँ।

प्रश्न ३. ह्रस्व और दीर्घ स्वरों को छाँटकर लिखिए–

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

ह्रस्व स्वर– ....

दीर्घ स्वर– ....

प्रश्न ४. संयुक्त व्यंजन, द्वित्व व्यंजन और संयुक्ताक्षर से बने चार-चार शब्द लिखिए–

संयुक्त व्यंजन वाले शब्द	द्वित्व व्यंजन वाले शब्द	संयुक्ताक्षर वाले शब्द
क्षत्रिय	चप्पल	अच्छा
त्रिशूल	चम्मच	स्वच्छ
ज्ञानी	पक्का	संख्या
क्रामिक	कच्चा	त्याग

प्रश्न ५. 'र' के विभिन्न रूपों के कोई दो-दो शब्द लिखिए। जैसे– भ्रम, वर्ष, ट्रॉली

क्रम ड्रम .... मर्दा क्रम .... क्रक पर्व ....

उत्त्रे ट्रेन .... पर्म नम्र .... ट्रेन गर्व ....

प्रश्न ६. नीचे दिए गए वर्णों को जोड़कर सही शब्द लिखिए–

(क) ब् + अ + न् + आ + व् + अ + ट् + अ = बनावट

(ख) भ् + अ + क् + त् + इ = भकति

(ग) क् + अ + न् + इ + ष् + ठ् + अ = कनिषठ

प्रश्न ७. आप अपने घर के सदस्यों के नाम लिखकर उनका वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) दादीजी = द् + आ + प + इ + त् + आ + ज् + ई

(ख) पिताजी माताजी = म + आ + त् + आ + ई

(ग) दादाजी = द + आ + द् + आ + ज् + ई

(घ) भाई = भ + आ + ई

(ङ) बहन = ब + अ + ह अ + न् + अ

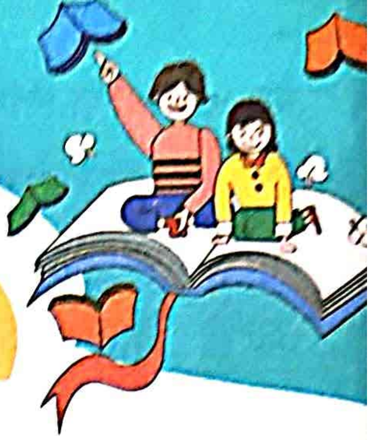
प्रश्न ८. दिए गए स्थान पर उचित शब्द लिखिए–

(क) ऐसे शब्द जिनके अंत में 'मा' आता है–

- एक दाल/अनाज ....
- एक दक्षिण भारतीय आहार ....
- एक पोशाक ....
- मनोरंजन का एक साधन ....

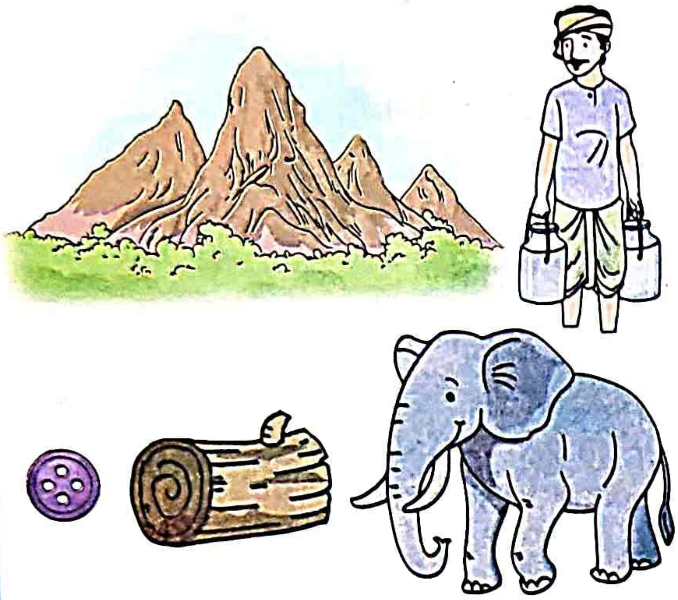
(ख) ऐसे शब्द जिनके अंत में 'ई' आता है–

- खाने में खट्टी ....
- खाने में मीठी ....
- खाते हैं रोगी ....
- शैतानी करने पर होती है ....



३ शब्द-विचार

वर्ग-पहेली में चित्रों के नाम ढूँढ़कर गोला बनाइए–



ल	क	ड़ी		दू
डो	ब	च	ह	ध
प		ट	मा	वा
हा	थी		न	ला
ड़	ल	य	अ	ने

उपर्युक्त वर्ग-पहेली के दिए गए वर्णों में पाँच शब्द (चित्रों के नाम) छिपे हैं; जैसे– बटन।

यह शब्द विभिन्न वर्णों के मेल से बना है। जो कुछ इस प्रकार से हैं– बटन = ब + ट + न

अन्य चार शब्द किन वर्णों के मेल से बने हैं? लिखिए–

.... = ... + ... + ...

.... = ... + ... + ...

.... = ... + ... + ...

.... = ... + ... + ... + ...

अगर हम इन शब्दों के वर्णों को आगे-पीछे कर उसका क्रम बदल देते हैं, तो इनका कोई अर्थ नहीं निकलेगा।

जैसे– ट + ब + न = टबन (कोई अर्थ नहीं)

थी + हा = थीहा (कोई अर्थ नहीं)

ऐसे ही अन्य शब्दों के भी कोई अर्थ नहीं निकलेंगे। इस तरह से हम कह सकते हैं कि वर्णों को सही क्रम में रखकर उसका अर्थपूर्ण मेल ही 'शब्द' कहलाता है।

वर्णों के सार्थक मेल को 'शब्द' कहते हैं।

हिंदी भाषा में शब्दों को चार आधार पर बाँटा गया है–

शब्द

- १.उत्पत्ति के आधार पर
- २.रचना के आधार पर
- ३.प्रयोग के आधार पर
- ४.अर्थ के आधार पर

उत्पत्ति के आधार पर
शब्द के चार प्रकार

(१) **तत्सम शब्द–** ऐसे शब्द जो मूल रूप से संस्कृत भाषा से आए हैं, लेकिन हिंदी में ज्यों-के-त्यों प्रयोग किए जाते हैं, वे 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं। जैसे– अंगुली, जिह्वा, एकत्र, उच्च, अर्ध आदि।

(२) **तद्भव शब्द–** ऐसे शब्द जो मूल रूप से संस्कृत भाषा से आए हैं, लेकिन हिंदी में कुछ बदलाव के साथ प्रयोग किए जाते हैं, वे 'तद्भव शब्द' कहलाते हैं। जैसे– उँगली, जीभ, इकट्ठा, ऊँचा, आधा आदि।

(३) **देशज शब्द–** ऐसे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव व ज़रूरत के आधार पर आम बोलचाल की भाषा में प्रचलित हो गए हों, वे 'देशज शब्द' कहलाते हैं। ये शब्द क्षेत्रीय बोलियों से आकर हिंदी में प्रचलित हो गए। जैसे– भोंपू, घुड़की, खुरचन, इडली आदि।

(४) **विदेशी शब्द–** ऐसे शब्द जो अन्य देशों की भाषा से आकर हिंदी में प्रचलित हो गए हैं, वे 'विदेशी शब्द' कहलाते हैं। जैसे– दफ़्तर, इंजन, कोट, साफ़, टायर आदि।

रचना के आधार पर
शब्द के तीन प्रकार

(१) **रूढ़ शब्द–** जिन शब्दों के सार्थक खंड नहीं किए जा सकते, वे 'रूढ़ शब्द' कहलाते हैं। जैसे– मेज़, चाँद, घोड़ा, छत, सेवा आदि।

- अगर 'मेज़' शब्द का खंड करें तो, 'मे' और 'ज़' वर्ण का कोई अर्थ नहीं निकलता है।

(२) **यौगिक शब्द–** दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बने सार्थक शब्द को 'यौगिक शब्द' कहते हैं। इन शब्दों के सार्थक खंड भी किए जा सकते हैं।

जैसे– स्नान + गृह = स्नानगृह, राज + पुरुष = राजपुरुष, आराम + घर = आरामघर,
सह + पाठी = सहपाठी, कृपा + आलु = कृपालु आदि।

- अगर 'स्नानगृह' शब्द का खंड करें तो, 'स्नान' शब्द का अर्थ है 'नहाना' और 'गृह' शब्द का अर्थ है 'घर'। इन दोनों खंडों का सार्थक अर्थ निकलता है।

(३) **योगरूढ़ शब्द–** जो शब्द यौगिक होते हुए भी किसी विशेष अर्थ के लिए रूढ़ हो जाते हैं, वे 'योगरूढ़ शब्द' कहलाते हैं।

जैसे–

योगरूढ़ शब्द	**शाब्दिक अर्थ**	**विशेष अर्थ**
दिनकर	दिन करने वाला	सूरज
जलज	जल में पैदा होने वाला	कमल
चारपाई	चार पैरों वाली	खाट/खटिया
निशाचर	रात में घूमने वाला	राक्षस

- 'दिनकर' शब्द केवल 'सूरज' के लिए ही प्रयोग किया जाता है।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. शब्द किसे कहते हैं? शब्द के कोई दो उदाहरण लिखिए–

वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते है।
जैसे - शहर, नगर - सूरज आदि।

प्रश्न २. तत्सम व तद्भव शब्द के कोई दो-दो उदाहरण लिखिए–

तत्सम– [illegible] उच्च

तद्भव– ....

प्रश्न ३. विदेशी शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए–

....

....

प्रश्न ४. देशज शब्द के कोई दो उदाहरण लिखिए–

....

प्रश्न ५. किन शब्दों के सार्थक खंड हो सकते हैं?

....

प्रश्न ६. तत्सम शब्द लिखिए–

(क) उँगली– .... (ख) जीभ– ....

(ग) इकट्ठा– .... (घ) ऊँचा– ....

प्रश्न ७. रूढ़, यौगिक व योगरूढ़ शब्दों को पहचानकर सही स्थान में लिखिए–

आरामघर जलज घोड़ा कृपालु चाँद निशाचर

रूढ़ शब्द	यौगिक शब्द	योगरूढ़ शब्द
....	....	....
....	....	....

नोट– प्रयोग और अर्थ के आधार पर शब्द के प्रकारों के विषय में हम अगली कक्षाओं में विस्तार से जानेंगे।

४ वाक्य-विचार



बातचीत को पढ़िए और समझिए–



उपर्युक्त बातचीत में से आपको कौन-सी बातचीत समझ में आ रही है? ....

दूसरी बातचीत इसलिए समझ में आ रही है, क्योंकि उसमें शब्दों के क्रम सही तरीके से दिए गए हैं।

ध्वनि से वर्ण बनते हैं, वर्णों के मेल से शब्द और शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं।



हम आपस में जो बातचीत करते हैं, वह काफ़ी हद तक वाक्यों में ही करते हैं। वाक्य सार्थक शब्दों के व्यवस्थित और क्रमबद्ध समूह से बनते हैं, जो किसी के विचार को पूरी तरह से प्रकट करते हैं।

> किसी विचार या भाव को पूर्ण रूप से प्रकट करने वाले शब्दों के सार्थक समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

वाक्य में शब्दों का निश्चित क्रम होता है, तभी किसी के भाव या विचार को ठीक तरह से समझा जा सकता है।

हिंदी वाक्यों में शब्दों का क्रम कुछ इस प्रकार से होता है–

जैसे–

वाक्य = कर्ता + क्रिया			वाक्य = कर्ता + कर्म + क्रिया		
तन्वी	पढ़ रही है।		तन्वी	पुस्तक	पढ़ रही है।
(कर्ता)	(क्रिया)		(कर्ता)	(कर्म)	(क्रिया)

वाक्य के दो प्रमुख अंग होते हैं–

वाक्य के दो अंग

- **उद्देश्य** — वाक्य में जिसके बारे में कोई बात कही जाए, उसे 'उद्देश्य' कहते हैं।
- **विधेय** — उद्देश्य के बारे में जो बात कही जाए, उसे 'विधेय' कहते हैं।

मैंने सेब खाया।

घड़ी टिक-टिक बोलती है।

प्रिंस ने आम खाया।

चिराग बातें कर रहा है।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. वाक्य किसे कहते हैं?

....

....

प्रश्न २. उद्देश्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

....

....

प्रश्न ३. विधेय किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

....

....

प्रश्न ४. **वाक्यों से कर्ता, कर्म, क्रिया छाँटकर लिखिए–**

वाक्य	कर्ता	कर्म	क्रिया
राम मुझे बुला रहा है।			
मैंने पतंग उड़ाई।			
घोड़ा बोझ ढो रहा है।			
रागिनी गीत गा रही है।			
दिव्येश चित्र बना रहा है।			
प्रिंस पंजाब जा रहा है।			
हम स्कूल जा रहे हैं।			

प्रश्न ५. **उद्देश्य के लिए विधेय लिखकर सही वाक्य बनाइए–**

(क) अभिनव – ....

(ख) गाड़ी – ....

(ग) हवा – ....

(घ) हर्षल – ....

प्रश्न ६. **दिए गए वाक्यों के उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए–**

वाक्य	उद्देश्य	विधेय
(क) किताब हरे रंग की है।		
(ख) कुत्ता भौंक रहा है।		
(ग) चूहा टुकुर-टुकुर देख रहा है।		
(घ) कपड़ा हवा में लहरा रहा है।		
(ङ) दरवाज़ा खुल गया।		

प्रश्न ७. **दो वाक्य बनाइए और उनमें कर्ता, कर्म व क्रिया को रेखांकित कीजिए।**

....

....



५ पर्यायवाची शब्द

बातचीत को पढ़िए और समझिए–



उपर्युक्त बातचीत में 'आसमान' के लिए 'आकाश' तथा 'बादल' के लिए 'मेघ' जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया है, फिर भी वाक्य के अर्थ में कोई बदलाव नहीं आया है। ऐसे ही समान अर्थ देने वाले शब्द 'पर्यायवाची शब्द' कहलाते हैं।

> एक समान अर्थ बताने वाले शब्द को 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

ये भी जानें

- इसमें समान अर्थ के लिए अलग-अलग शब्दों का प्रयोग किया जाता है। अत: इन्हें 'समानार्थी शब्द' भी कहते हैं।
- **कुछ अन्य शब्द–**

१. राजा	नृप, नरेश, भूपति	१४. नदी	सरिता, तटिनी, वाहिनी
२. दल	समूह, टोली, झुंड	१५. मनुष्य	मानव, नर, आदमी
३. अहंकार	गर्व, घमंड, अभिमान	१६. तालाब	सर, ताल, सरोवर
४. प्रसन्नता	खुशी, हर्ष, आनंद	१७. वन	जंगल, विपिन, कानन
५. अध्यापक	शिक्षक, गुरु, आचार्य	१८. पृथ्वी	धरती, भूमि, वसुधा
६. समुद्र	सागर, जलधि, सिंधु	१९. अग्नि	आग, पावक, अनल
७. विद्यार्थी	शिक्षार्थी, शिष्य, छात्र	२०. संसार	जग, जगत, दुनिया
८. हिमालय	गिरिराज, हिमगिरि, गिरीश	२१. नारी	महिला, औरत, स्त्री
९. प्रयत्न	कोशिश, चेष्टा, प्रयास	२२. रात	रात्रि, निशा, रजनी
१०. मित्र	साथी, सखा, दोस्त	२३. पत्थर	पाषाण, प्रस्तर, शिला
११. इच्छा	चाह, कामना, अभिलाषा	२४. दीपक	दीया, दीप, प्रदीप
१२. शाम	सायं, संध्या, साँझ	२५. गंगा	सुरसरि, देवनदी, भागीरथी
१३. बेटा	पुत्र, तनय, सुत		



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं? कोई दो उदाहरण लिखिए।

....

....

....

प्रश्न २. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) दल – .... (ख) प्रयत्न– ____________ ____________

(ग) नारी – .... (घ) गंगा – ____________ ____________

(ङ) तालाब– .... (च) वन – ____________ ____________

प्रश्न ३. सही जोड़े मिलाइए–

(क) मित्र	(i) पाषाण, प्रस्तर, शिला
(ख) पृथ्वी	(ii) आग, पावक, अनल
(ग) अग्नि	(iii) धरती, भूमि, वसुधा
(घ) पत्थर	(iv) साथी, सखा, दोस्त



६ विलोम शब्द

दोनों चित्रों को ध्यान से देखिए। सही शब्द चुनकर चित्रों से संबंधित वाक्य पूर्ण कीजिए–

१



२



१. पहला चित्र .... का है और दूसरा .... का।
२. पहले चित्र में .... है, तो दूसरे में .... ।

अंधकार, दिन, रात, प्रकाश

उपर्युक्त वाक्यों को पूरा करने के लिए 'दिन' और 'रात' तथा 'प्रकाश' और 'अंधकार' जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया है। ये शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बता रहे हैं। ऐसे ही उलटे अर्थ बताने वाले शब्द 'विलोम शब्द' कहलाते हैं।

जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताते हैं, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं।

ये भी जानें

- इसमें विपरीत अर्थ के लिए अलग-अलग शब्दों का प्रयोग किया जाता है। अतः इन्हें 'विपरीतार्थक शब्द', 'विरुद्धार्थी शब्द' या 'उलटे अर्थ वाले शब्द' भी कहते हैं।
- वाक्यों में विलोम शब्दों का प्रयोग करने पर वाक्य का अर्थ पूरी तरह से बदल जाता है।

जैसे– वीभा कल सुबह से प्रसन्न होकर लोगों की भलाई करने में लगी है।

वीभा कल शाम से उदास होकर लोगों की बुराई करने में लगी है।

पहले तथा दूसरे वाक्य के अर्थ एक-दूसरे के विपरीत हैं। क्योंकि इनमें विलोम शब्दों का प्रयोग हुआ है।

➤ **कुछ अन्य शब्द–**

१. अमीर	x	गरीब
२. सुर	x	असुर
३. आय	x	व्यय
४. आज़ादी	x	गुलामी
५. मौखिक	x	लिखित
६. आदर	x	अनादर
७. शुभ	x	अशुभ
८. धर्म	x	अधर्म
९. यश	x	अपयश
१०. सजीव	x	निर्जीव
११. सुगंध	x	दुर्गंध
१२. एकता	x	अनेकता
१३. आस्तिक	x	नास्तिक
१४. दंडित	x	पुरस्कृत
१५. कठिन	x	सरल
१६. मीठा	x	खट्टा, कड़वा
१७. घृणा	x	प्रेम
१८. जन्म	x	मृत्यु
१९. तकलीफ़	x	आराम
२०. निकट	x	दूर
२१. सबल	x	निर्बल
२२. हर्ष	x	शोक
२३. निम्न	x	उच्च
२४. दयालु	x	निर्दयी
२५. पाप	x	पुण्य
२६. प्राचीन	x	नवीन



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

(क) प्राचीन काल में भारतवर्ष गरीब देशों में गिना जाता था।

....

(ख) देश की गुलामी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण तक गँवा दिए।

....

(ग) हमें अपने से बड़ों का अनादर करना चाहिए।

....

(घ) यह प्रश्न बड़ा सरल है।

....

प्रश्न २. शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

शब्द		विलोम
१. तकलीफ़	x	
३. सुर	x	
५. निम्न	x	

शब्द		विलोम
२. नास्तिक	x	
४. यश	x	
६. निर्बल	x	

प्रश्न ३. विलोम शब्द वर्ग-पहेली में से ढूँढ़कर लिखिए–

शो	म	र	ए	क	ता
क	च	नि	त	ल	म
ल	द	र्द	ट	पु	ण्य
द	क	यी	ज	स	श
स	नि	र्जी	व	प	न
प	ज	व	दु	र्ग	ध

हर्ष	x	
अनेकता	x	
दयालु	x	
पाप	x	
सजीव	x	
सुगंध	x	

प्रश्न ४. ऐसी कौन-सी दैनिक क्रियाएँ हैं, जिनकी विपरीत क्रियाएँ भी आप करते हैं?

जैसे– सोना x जागना

....

....

७ अनेकार्थी शब्द



नीचे दी गई बातचीत को पढ़िए और समझिए–



उपर्युक्त बातचीत में एक ही शब्द 'जल' का प्रयोग दो बार हुआ है, परंतु दोनों जगह इसका अर्थ बदल गया है। जैसे– पहला अर्थ 'पानी' है तो दूसरा 'जलना'। ऐसे ही शब्द 'अनेकार्थी शब्द' कहलाते हैं।

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

➤ **कुछ अन्य शब्द–**

१. अंबर	आकाश, वस्त्र
२. अरुण	सूर्य, सूर्य का सारथी
३. घट	शरीर, घड़ा
४. मधु	शहद, मीठा
५. मित्र	सूर्य, दोस्त

६. सारंग	मोर, मृग
७. गति	चाल, मोक्ष
८. घन	बादल, घना
९. लाल	एक रंग, बेटा
१०. पट	द्वार, कपड़ा

११. वर	दूल्हा, वरदान
१२. तात	पिता, पूज्य
१३. द्विज	दाँत, ब्राह्मण, पक्षी
१४. साल	वर्ष, एक वृक्ष
१५. बल	शक्ति, रस्सी के बल
१६. मगर	एक जानवर, लेकिन
१७. सुर	देवता, सुर-ताल
१८. मत	राय, संप्रदाय, वोट
१९. ताल	छोटा तालाब, संगीत का ताल
२०. धूप	सूर्य की धूप, पूजा में प्रयोग की जाने वाली धूप



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. दिए गए शब्दों के अलग-अलग अर्थ लिखिए–

(क) वर– ....

(ख) घन– ....

(ग) अंबर– ....

(घ) द्विज– ....

प्रश्न २. कोष्ठक में दिए गए अनेकार्थक शब्दों के सही अर्थ लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

जैसे– बारिश होते ही <u>मोर</u> नाचने लगा। (सारंग)

(क) माँ ने .... की साड़ी खरीदी। (लाल)

(ख) बच्चे .... के पास वाले मैदान में खेलने गए हैं। (ताल)

(ग) अनु घर का .... खोलो। (पट)

(घ) मैं आया .... तुमसे मिल न सका। (मगर)

प्रश्न ३. अनेकार्थी शब्द का वाक्य प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए–

जैसे– शरीर– ईश्वर घट-घट में निवास करता है।

घड़ा– धक्का लगते ही पानी का घट फूट गया।

(क) आकाश – ....

वस्त्र – ....

(ख) शक्ति – ....

रस्सी के बल – ....

(ग) वोट – ....

राय – ....

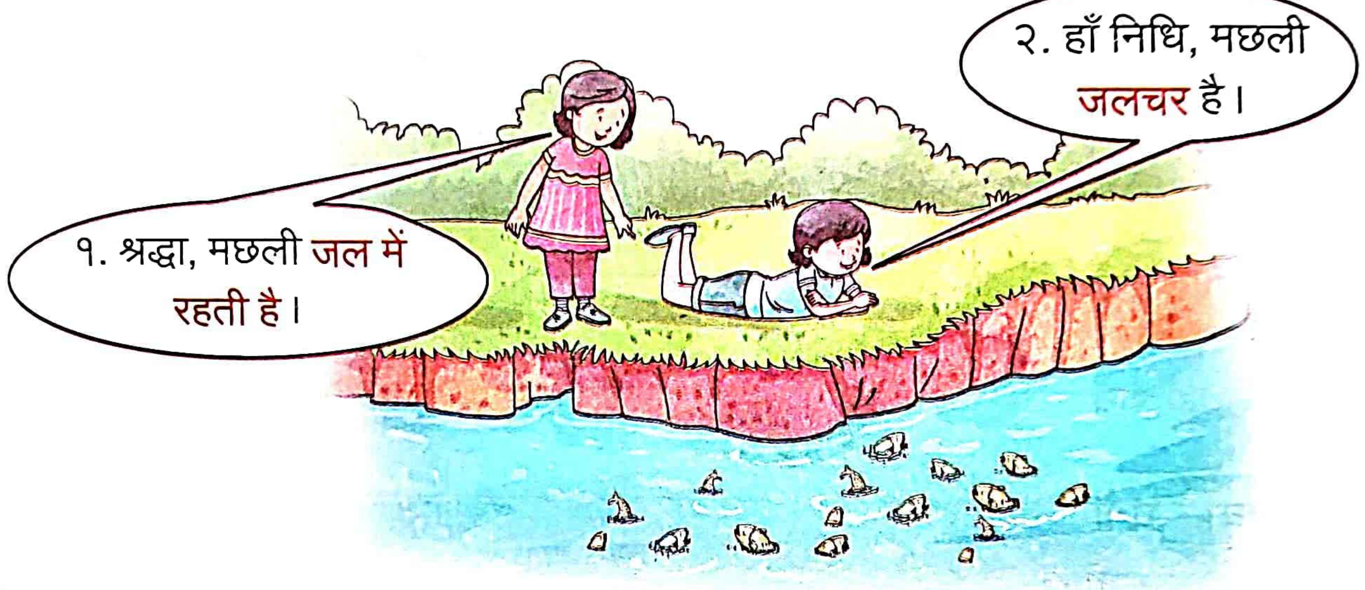
(घ) घना – ....

बादल – ....

८ अनेक शब्दों के लिए एक शब्द



नीचे दी गई बातचीत को पढ़िए और समझिए–



उपर्युक्त बातचीत में एक ही बात को अलग-अलग तरीके से कहा गया है। निधि ने मछली के लिए 'जल में रहने वाली' कहा है, वहीं श्रद्धा ने उसके लिए 'जलचर' शब्द का प्रयोग किया है। दोनों का अर्थ एक ही है। निधि द्वारा कहे गए वाक्य की अपेक्षा श्रद्धा द्वारा कहा गया वाक्य ज़्यादा प्रभावशाली लग रहा है। ऐसे ही वाक्यांशों की जगह प्रयुक्त होने वाले एक शब्द 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहलाते हैं।

> अपनी भाषा को सरल व प्रभावी बनाने के लिए अनेक शब्दों की जगह प्रयोग होने वाले एक शब्द को 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहते हैं।

ये भी जानें

- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के प्रयोग से भाषा में सरलता आती है, जिससे बात आसानी से समझ में आ जाती है।
- इनके प्रयोग से भाषा का सौंदर्य बढ़ता है और भाषा प्रभावशाली बनती है।

➤ अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के प्रयोग से उच्चारण में समय की बचत होती है।

जैसे–

कविता लिखने वाला कविता सुन रहा है।	कवि कविता सुन रहा है।
दिव्या का सुधांशी के साथ परिचय नहीं है।	दिव्या सुधांशी के लिए अपरिचित है।
मेरे पड़ोस में रहने वाले कपड़े सिलने का काम करते हैं।	मेरे पड़ोसी दरज़ी हैं।

➤ भाषा को अच्छा और सुगठित बनाने के लिए शब्दों का ऐसा ज्ञान होना आवश्यक है। अपने दैनिक जीवन की बोलचाल में भी हम अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करते हैं, लेकिन उनकी पहचान से अनजान रहते हैं। ऐसे शब्दों के प्रयोग की शुरुआत सुबह की बोलचाल से ही होने लगती है।

जैसे–

जो दूध बेचता है, क्या वह दूध देकर गया?	क्या दूधवाला दूध देकर गया?
जो अखबार बाँटता है, क्या वह अखबार देकर गया?	क्या अखबारवाला अखबार देकर गया?

कुछ शब्दों में वाला, कार, वान, ईय जोड़कर भी अनेक शब्दों के लिए एक शब्द बनाए जाते हैं।

१.	जो फल बेचता है	फलवाला
२.	जो पढ़ा जाए	पठनीय
३.	जो चित्र बनाता है	चित्रकार
४.	प्रशंसा करने लायक	प्रशंसनीय
५.	जो दया करता है	दयावान
६.	निंदा करने योग्य	निंदनीय

➤ **कुछ अन्य शब्द–**

१.	जो सिर्फ़ अपने लाभ के बारे में सोचे	स्वार्थी
२.	जिसमें रस न हो	नीरस
३.	ज़मीन पर चलने वाला	थलचर
४.	देश-विदेश घूमने वाला	पर्यटक
५.	निर्णय करने वाला	निर्णायक
६.	जो ईश्वर में विश्वास रखता हो	आस्तिक
७.	जिसका कोई आधार न हो	निराधार
८.	किसी चीज़ को भेजने वाला	प्रेषक
९.	जिसका कोई अंत न हो	अनंत
१०.	जो नष्ट होने वाला हो	नश्वर

११. जिसमें बल न हो	निर्बल	१३. जिनकी पूजा की जा सके	पूजनीय
१२. जो मीठा बोलता हो	मृदुभाषी	१४. नीचे लिखा हुआ	निम्नलिखित



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. सुबह से लेकर शाम तक आप कौन-कौन से अनेक शब्दों के लिए एक शब्दों का प्रयोग करते हैं? लिखिए।

....

....

प्रश्न २. 'नीय' लगाकर बनने वाले अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

....

प्रश्न ३. कोष्ठक में दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करके रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

(क) दीपक ने यह .... काम किया है। (निंदा करने योग्य)

(ख) .... प्रश्नों को हल कीजिए। (नीचे लिखा गया)

(ग) मोहन ने .... काम किया है। (प्रशंसा करने लायक)

(घ) स्नेहा बहुत ही .... है। (जो मीठा बोलता हो)

प्रश्न ४. एक शब्द के लिए अनेक शब्द लिखिए–

(क) फलवाला – ....

(ख) अनंत – ....

(ग) पूजनीय – ....

(घ) थलचर – ....



१ संज्ञा

निम्नलिखित बातचीत को पढ़िए तथा रंगीन शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए–



व्यक्ति	अवनी	प्रसन्नता	टिना	अभय	
प्राणी	शेर	चिता	भालु	हाथी	
स्थान					
वस्तु					
भाव					

अभी आपने उपर्युक्त बातचीत में आए हुए व्यक्ति, प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भाव के नामों को अलग-अलग करके लिखा।

इस संसार में सभी व्यक्ति, प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भावों का कोई-न-कोई नाम अवश्य है। इसी नाम का बोध कराने वाले शब्द 'संज्ञा' कहलाते हैं।

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

संज्ञा के भेद

१. व्यक्तिवाचक संज्ञा	२. जातिवाचक संज्ञा	३. भाववाचक संज्ञा
राम, गंगा, दिसंबर, कोलकाता, अमेरिका, राष्ट्रपति भवन	पहाड़, लड़की, मनुष्य, बगीचा, पशु-पक्षी, नदी	मिठास, बचपन, ईमानदारी, वीरता

व्यक्तिवाचक संज्ञा

- दीपू तेज़ चल रहा है।
- दिल्ली भारत की राजधानी है।
- मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है।
- पिंकी मेरी बहन है।
- गंगा पवित्र नदी है।

यहाँ दीपू, पिंकी, दिल्ली, भारत, गंगा, मुंबई किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम हैं।

जिस संज्ञा से एक ही व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का पता चले, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं।

जातिवाचक संज्ञा

जातिवाचक संज्ञा किसी व्यक्ति विशेष के नाम न होकर पूरे जाति के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं।

- लड़कियाँ भी बहादुर होती हैं।
- भारत की नदियाँ पूजनीय हैं।
- जंगल के पशु खतरनाक हो सकते हैं।
- पहाड़ बहुत ऊँचे होते हैं।
- बगीचा सुंदर होता है।

लड़कियाँ, पहाड़, नदियाँ, बगीचा, पशु एक जाति के सभी प्राणियों या वस्तुओं के लिए प्रयुक्त हुए हैं।

जो संज्ञा शब्द पूरी जाति के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं।

भाववाचक संज्ञा

- मुझे गाँव जाकर **प्रसन्नता** हुई।
- **वीरता** सैनिकों का गहना है।
- हमें **ईमानदारी** से काम करना चाहिए।
- मैं **बचपन** में शरारती थी।
- आम में बहुत **मिठास** है।

प्रसन्नता, **बचपन**, **वीरता**, **ईमानदारी**, **मिठास** किसी के **गुण**, **दोष** या **स्वभाव** हैं।

जो शब्द किसी के गुण, दोष, दशा, स्वभाव को प्रकट करते हैं, उन्हें '**भाववाचक संज्ञा**' कहते हैं।

कुछ विद्वानों ने संज्ञा के दो और भेद माने हैं, वैसे ये जातिवाचक संज्ञा के ही रूप माने जाते हैं।

द्रव्यवाचक संज्ञा

- मुझे एक लीटर **तेल** देना।
- रेखा ने ५ ग्राम **सोना** खरीदा।
- रूपम ने दस लीटर **पेट्रोल** गाड़ी में भरवाया।
- नौ किलो **चावल** लाओ।
- दो लीटर **दूध** ले आना।

तेल, **चावल**, **सोना**, **दूध**, **पेट्रोल** ये धातुएँ **पदार्थ** या **द्रव्य** हैं– इन्हें मापा-तौला जाता है।

जो शब्द किसी 'धातु', 'द्रव्य' या 'पदार्थ' का बोध कराते हैं, उन्हें '**द्रव्यवाचक संज्ञा**' कहते हैं।

समूहवाचक संज्ञा

- गवैयों की **टोली** आ गई।
- भेड़ों का **झुंड** आ रहा है।
- सभी विद्यार्थी **पंक्ति** में बैठे हैं।
- यह मेरी **कक्षा** है।
- **सेना** लड़ रही है।
- वे दो **गुटों** में बँट गए हैं।

टोली, **कक्षा**, **झुंड**, **सेना**, **पंक्ति**, **गुट** ये सभी शब्द एक समूह के बारे में बता रहे हैं।

जो शब्द प्राणियों और वस्तुओं के समूह के बारे में बताते हैं, उन्हें '**समूहवाचक संज्ञा**' कहते हैं।

H-W

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया से भी भाववाचक संज्ञा बनती है।

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया	भाववाचक संज्ञा	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया	भाववाचक संज्ञा
१. भाई	भाईचारा	८. विशाल	विशालता
२. मानव	मानवता	९. हँसना	हँसी
३. कवि	कवित्व	१०. उड़ना	उड़ान
४. बच्चा	बचपन	११. लिखना	लिखावट
५. मित्र	मित्रता	१२. पढ़ना	पढ़ाई
६. मीठा	मिठास	१३. ऊँचा	ऊँचाई
७. गोल	गोलाई	१४. अपना	अपनापन



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. आप जहाँ रहते हैं, उस स्थान का नाम लिखिए।

बारामती सतेसाई नगर के रेते है।

प्रश्न २. 'दुख', 'खुशी' इन भावों का प्रयोग करके एक-एक वाक्य बनाइए।

मुझे बोत दुक है।

मुझे आज बडी खुशी है।

प्रश्न ३. संज्ञा शब्दों में से जातिवाचक संज्ञा छाँटकर लिखिए–

श्यामू, गाय, लाइब्रेरी, कलम, अहिंसा, क्रूरता, कमल, मैदान, लड़का, पशु, मोर, पर्वत, नदी, स्त्री, मेज़, शहर

जातिवाचक संज्ञा– गाय कलम लडका पशु पर्वत नदी स्त्री शहर

H-W

प्रश्न ४. शब्दों में से वस्तु, स्थान, प्राणी के नामों को अलग करके लिखिए–

मशीन, आटा, चीनी, राम, दिल्ली, बाज़ार, सीता, विद्यालय, रसिका, दिव्यम, गली, भालू, बैंक, कटोरी, कलम

वस्तु	स्थान	प्राणी
मशीन	दिल्ली	भालू
आटा	बाजार	राम
चीनी	विद्यालय	सीता
कलम	गली	रसीका
कटोरी	बैंक	दिव्यम

प्रश्न ५. दिए गए शब्दों में से स्थान व व्यक्तियों के नाम अलग करके लिखिए–

दीपा, शिमला, रामनगर, सुलेखा, दिल्ली, कुतुबमीनार, लालकिला, रोहन, नरेश, कौशल्या, मैदान, पार्क, दिव्या, मुंबई, शुभम

स्थानों के नाम	व्यक्तियों के नाम
शिमला कुतुबमीनार	दिपा नरेश
रामनगर लालकीला	सुलेखा कौशल्या
दिल्ली मैदान पार्क	रोहन दिव्या शुभम

प्रश्न ६. वाक्यों के लिए सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) मिठाई में बहुत मिठास है। (मिठास, खट्टापन)

(ख) अर्जुन की विरता सराहनीय है। (वीरता, कायरता)

(ग) प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने से उसकी प्रसण्नता की सीमा नहीं है। (प्रसन्नता, दुख)

प्रश्न ७. अनुच्छेद में से व्यक्तिवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञा शब्द छाँटकर अलग लिखिए–

सीता कल अपनी बहन नीता के साथ सदर बाज़ार गई थी। वहाँ से उसने अपने लिए सोने का कंगन खरीदा। अपनी छोटी बहन गौरी के लिए चाँदी का हार खरीदी। आगे आकर एक किराने की दुकान से दो किलो चीनी, चायपत्ती, हींग, बिस्कुट और सुरभि के लिए ज्यूस का पैकेट भी खरीदा। फिर दोनों बहनें घर लौट आईं।

व्यक्तिवाचक	द्रव्यवाचक
सीता	सोना चान्दी
गौरी	ज्यूस चीनी
नीता सुरभि	चायपत्ती बिस्कुट

प्रश्न ८. शब्दों को पढ़िए और उन्हें संज्ञा के भेदों के अनुसार छाँटकर लिखिए–

स्त्री, गुलदस्ता, कक्षा, कपड़ा, मछली, शहर, सिंगापुर, पेंसिल, सिमरन, छात्र समूह, ईमानदारी, इंजीनियर, गेहूँ, गरीबी, अमीरी, प्रिया, दाल

व्यक्तिवाचक संज्ञा	सिंगापुर सिमरन
जातिवाचक संज्ञा	स्त्री शहर सिंगापुर पेंसिल
भाववाचक संज्ञा	मछली [struck out] इंजीनियर
द्रव्यवाचक संज्ञा	कपड़ा गरीब अमीर
समूहवाचक संज्ञा	गुलदस्ता कक्षा

प्रश्न ९. शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

शब्द	संज्ञा
मानव	....
गोल	....
हँसना	....
मित्र	....

शब्द	संज्ञा
बच्चा	....
ऊँचा	....
पढ़ना	....
विशाल	....

१० लिंग



चित्र से संबंधित वाक्यों को पढ़िए तथा समझिए–



धोबी और धोबिन कपड़े धो रहे हैं।



सुमन और अनु गुड्डा व गुड़िया से खेल रही हैं।

उपर्युक्त चित्रों से संबंधित वाक्यों में आपने देखा कि 'धोबी' तथा 'गुड्डा' शब्द पुरुष जाति के हैं। 'धोबिन' तथा 'गुड़िया' शब्द स्त्री जाति के हैं। ऐसे ही स्त्री या पुरुष जाति की पहचान कराने वाले शब्द 'लिंग' कहलाते हैं।

शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री होने का पता चलता है, उसे 'लिंग' कहते हैं।

लिंग
- पुल्लिंग
- स्त्रीलिंग

शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष होने का बोध होता है, उसे 'पुल्लिंग' कहते हैं।

जैसे– सेवक, बैल, नायक, चाचा, शिष्य, बकरा, सेठ, पुरुष आदि।

शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री होने का बोध होता है, उसे 'स्त्रीलिंग' कहते हैं।

जैसे– सेविका, गाय, नायिका, चाची, शिष्या, बकरी, सेठानी, स्त्री आदि।

ये भी जानें

➤ कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग या सदा पुल्लिंग होते हैं। उनके शुरुआत में 'नर' (पुरुष के लिए) या 'मादा' (स्त्री के लिए) शब्द का प्रयोग करने पर उनके लिंग का बोध होता है।

जैसे–

सदा स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
१. मछली	नर मछली
२. मक्खी	नर मक्खी
३. छिपकली	नर छिपकली
४. लोमड़ी	नर लोमड़ी
५. मैना	नर मैना
६. कोयल	नर कोयल
७. तितली	नर तितली

सदा पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
१. खरगोश	मादा खरगोश
२. तोता	मादा तोता
३. कौआ	मादा कौआ
४. उल्लू	मादा उल्लू
५. चीता	मादा चीता
६. भालू	मादा भालू
७. मच्छर	मादा मच्छर

➤ कुछ शब्द पुरुष तथा स्त्री के लिए समान रहते हैं, जैसे– प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति, डॉक्टर, मंत्री, खिलाड़ी आदि।

➤ मनुष्यों और पशु-पक्षियों के अतिरिक्त भी कुछ शब्द सदैव पुल्लिंग होते हैं।
जैसे– सदैव पुल्लिंग शब्द

१. कुछ समूहवाचक शब्द– झुंड, समूह, जत्था आदि।

२. दिनों के नाम– सोमवार, बुधवार आदि।

३. हिंदी महीनों के नाम– चैत्र, आषाढ़ आदि।

४. देशों के नाम– भारत, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान आदि।

५. पेड़ों के नाम– गुलमोहर, नीम, पीपल, अशोक आदि।

६. पर्वतों के नाम– हिमालय, विंध्याचल, सुमेरु आदि।

७. द्वीपों के नाम– लक्षद्वीप, अंदमान, निकोबार आदि।

८. सागरों के नाम– अरब सागर, हिंद महासागर, प्रशांत महासागर आदि।

९. धातुओं के नाम– लोहा, सोना, तांबा आदि।

१०. ग्रहों के नाम– सूर्य, मंगल, शनि, चंद्र आदि।

११. अनाजों के नाम– गेहूँ, जौ, चावल आदि।

➤ मनुष्यों और पशु-पक्षियों के अतिरिक्त भी कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे– सदैव स्त्रीलिंग शब्द

१. झीलों के नाम– नैनीताल, चिल्का, ऊटी आदि।

२. नदियों के नाम– गंगा, गोमती, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि।

३. तिथियों के नाम– एकादशी, पूर्णिमा, अमावस्या आदि।

४. नक्षत्रों के नाम– अश्विनी, कृतिका, रोहिणी, विशाखा, अनुराधा, फाल्गुनी आदि।

५. कुछ भाषा व बोलियों के नाम– हिंदी, गढ़वाली, छत्तीसगढ़ी, अंग्रेज़ी, तमिल आदि।

६. जिन शब्दों के अंत में 'ई' लगा रहता है– खटाई, मिठाई, चटाई, चक्की, पक्की आदि।

➤ हिंदी में शब्द के लिंग की पहचान आम तौर पर उसके उच्चारण से होती है।

जैसे– जिन शब्दों के अंत में 'आ', 'पा', 'आर', 'आय', 'आव', आस आदि आते हैं, वे सामान्य रूप से पुल्लिंग होते हैं।

उदाहरण– लोटा (आ), बुढ़ापा (पा), सुधार (आर), सहाय (आय), पुलाव (आव), पलाश (आस) आदि।

➤ जिन शब्दों के पीछे 'दान', 'वाला', 'खाना' और 'एरा' प्रत्यय या शब्दांश जोड़े जाते हैं, वे भी प्राय: पुल्लिंग होते हैं।

जैसे– खानदान (दान), डिब्बावाला, गाड़ीवाला (वाला), मुसाफ़िरखाना, जिमखाना (खाना), ममेरा, फुफेरा (एरा) आदि।

- जिन संज्ञा शब्दों के अंत में 'ई', 'इया', 'आवट', 'आनी', 'आइन', 'ता' एवं 'इन' जैसे शब्दांश जुड़े रहते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग समझा जाता है।

जैसे– धोती (ई), भलाई (ई), चिड़िया (इया), लिखावट (आवट), सेठानी, देवरानी (आनी), पंडिताइन, ठकुराइन (आइन), मनुष्यता, सुंदरता (ता), पुजारिन, मालिन (इन) आदि।

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
'आ' जोड़कर	छात्र	छात्रा
	शिष्य	शिष्या
'ई' जोड़कर	पुत्र	पुत्री
	मामा	मामी
'इन' जोड़कर	पुजारी	पुजारिन
	माली	मालिन

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
'इया' जोड़कर	बंदर	बंदरिया
	डिब्बा	डिबिया
'आइन' जोड़कर	ठाकुर	ठकुराइन
	पंडित	पंडिताइन
'आनी' जोड़कर	जेठ	जेठानी
	सेठ	सेठानी

कुछ शब्द अपवाद रूप में होते हैं, जो नियम के अनुसार नहीं बदलते। लिंग बदलने पर शब्द पूरी तरह बदल जाते हैं। जैसे– पुरुष - स्त्री, पिता - माता, बैल - गाय, राजा - रानी



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. दिए गए शब्दों में से सदैव पुल्लिंग और सदैव स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर लिखिए–

भारत, पूर्णिमा, ग्रंथ, हिमालय, किताब, सूर्य,
गोदावरी, चंद्र, कृतिका, मिठाई, गंगा, तमिल

सदैव पुल्लिंग– ....

सदैव स्त्रीलिंग– ....

प्रश्न २. पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर लिखिए–

लोटा, धोती, मनुष्यता, समुद्र, पर्वत, फुफेरा, रसोई, दवाई

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग

प्रश्न ३. शब्दों के जोड़े मिलाइए–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
(क) सेवक	(i) सेठानी
(ख) नायक	(ii) स्त्री
(ग) सेठ	(iii) सेविका
(घ) पुरुष	(iv) नायिका

प्रश्न ४. शब्दों के स्त्रीलिंग लिखिए– पिता, बैल, पुत्र, बंदर, पंडित

....

....

प्रश्न ५. पुल्लिंग से संबंधित वाक्य के सामने सही (✓) का निशान लगाइए–

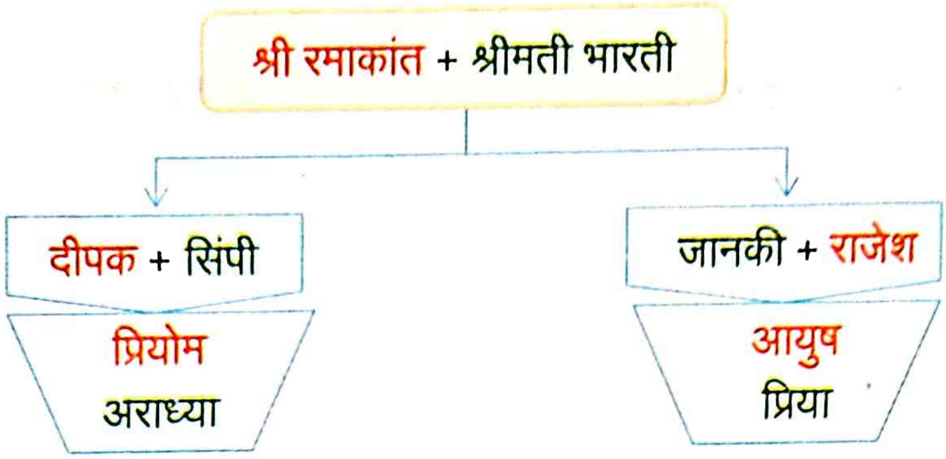
(क) उसने लुटिया डुबो दी। ( )

(ख) छात्रा पढ़ रही है। ( )

(ग) यह खाट बेकार है। ( )

(घ) आकाश में बादल छाए हैं। ( )

प्रश्न ६. नीचे एक परिवार का वंश-वृक्ष दिया गया है। उसकी सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–



(क) श्रीमती भारती श्री रमाकांत की .... हैं।

(ख) दीपक श्री रमाकांत का .... है।

(ग) ———————————— श्री रमाकांत की बेटी है।

(घ) श्रीमती भारती जानकी की .... हैं।

(ङ) ———————————— श्री रमाकांत का दामाद है।

(च) आयुष श्री रमाकांत का .... है।

(छ) श्रीमती भारती प्रियोम और अराध्या की .... हैं।

(ज) दीपक, प्रियोम और अराध्या के .... हैं।

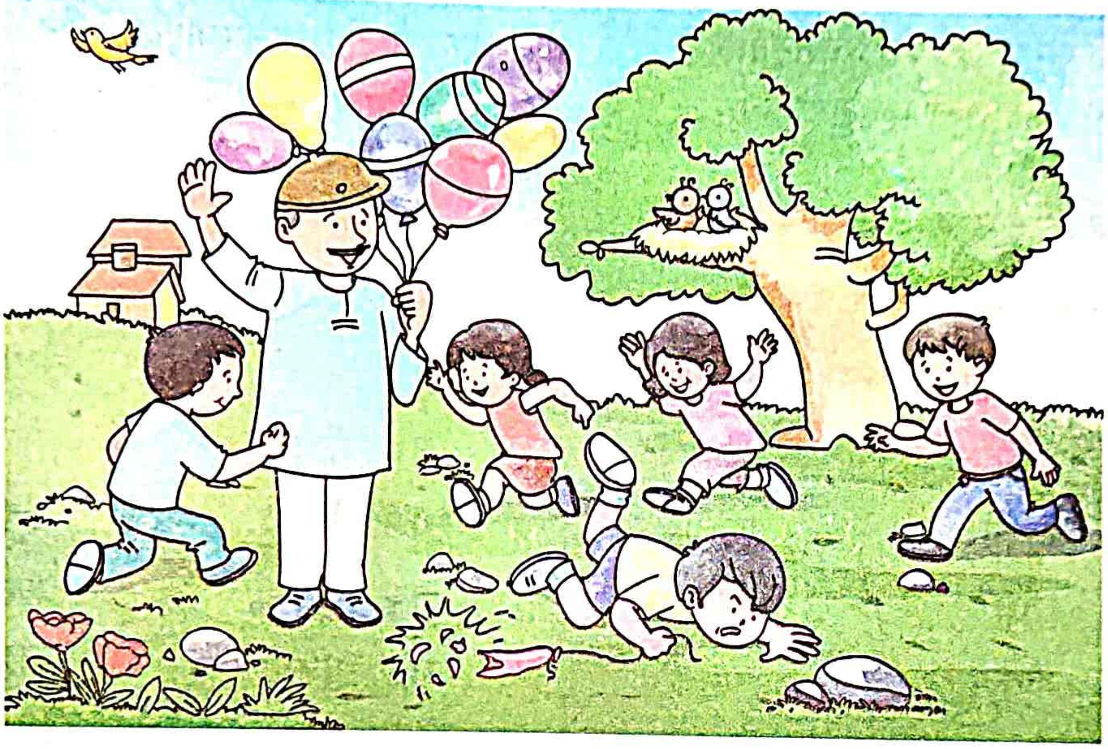
(झ) जानकी और राजेश प्रियोम व अराध्या के .... और ———————————— हैं।

(ञ) दीपक प्रिया के ———————————— हैं और सिंपी .... ।

११ वचन



चित्र से संबंधित वाक्यों को पढ़िए तथा समझिए–



देखो, गुब्बारेवाला आ गया। उसके पास रंग-बिरंगे **गुब्बारे** थे। **बच्चे गुब्बारा** खरीदने के लिए दौड़ पड़े। एक **बच्चा** ठोकर खाकर गिर पड़ा और उसका गुब्बारा फूट गया। पास ही पेड़ पर घोंसले में **चिड़ियाँ** बैठी हैं। आकाश में एक **चिड़िया** उड़ रही है।

उपर्युक्त चित्रों से संबंधित वाक्यों में आपने देखा कि एक ही चीज़ के लिए दो तरीके से शब्दों का इस्तेमाल हुआ है।

जैसे–

गुब्बारा	गुब्बारे	बच्चा	बच्चे	चिड़िया	चिड़ियाँ

इसमें '**गुब्बारा**', '**बच्चा**' तथा '**चिड़िया**' शब्द से उसके संख्या में एक होने का पता चल रहा है। वहीं '**गुब्बारे**', '**बच्चे**' तथा '**चिड़ियाँ**' शब्द से उसके संख्या में एक से अधिक होने का पता चल रहा है। ऐसे ही संख्या में एक या एक से अधिक होने की जानकारी देने वाले शब्द 'वचन' कहलाते हैं।

संख्या का बोध कराने वाले शब्द को 'वचन' कहते हैं।

वचन के दो प्रकार

एकवचन

फ्रेम, शीशी, कैंची, कमरा, मोती

एक संख्या का बोध करानेवाले शब्द 'एकवचन' कहलाते हैं।

बहुवचन

फ्रेमें, शीशियाँ, कैंचियाँ, कमरे, मोतियाँ

एक से अधिक संख्या का बोध करानेवाले शब्द 'बहुवचन' कहलाते हैं।

➤ **कुछ अन्य शब्द–**

एकवचन	बहुवचन
१. लड़का	लड़के
२. तसवीर	तसवीरें
३. सितारा	सितारे
४. पत्ता	पत्ते
५. बोतल	बोतलें
६. किताब	किताबें
७. कमीज़	कमीज़ें
८. सहेली	सहेलियाँ

एकवचन	बहुवचन
९. लड़की	लड़कियाँ
१०. रोटी	रोटियाँ
११. पंखुड़ी	पंखुड़ियाँ
१२. लता	लताएँ
१३. पुड़िया	पुड़ियाँ
१४. नदी	नदियाँ
१५. मिठाई	मिठाइयाँ
१६. गौरैया	गौरैयाँ

ये भी जानें

कुछ शब्द सदा बहुवचन में ही प्रयोग किए जाते हैं।

- उसके आँसू बह गए।
- उस व्यक्ति के प्राण पखेरू उड़ गए।

द्रव्यवाचक संज्ञाएँ एकवचन में ही प्रयोग की जाती हैं।

- मैंने पाँच किलो घी खरीदा।
- प्रीतम ने दो लीटर दूध खरीदा।

सम्मानित संबंध बताने वाले शब्द एकवचन और बहुवचन दोनों में समान रहते हैं।

- दादा जी रोज़ घूमने जाते हैं।
- मनप्रीत के चाचा जी अखबार पढ़ रहे हैं।

कारक चिह्न लगने पर बहुवचन का भी रूप बदल जाता है।

एकवचन	बहुवचन	कारक के साथ
• लड़का	लड़के	लड़कों ने
• महिला	महिलाएँ	महिलाओं ने

कुछ शब्द एकवचन व बहुवचन में एक समान होते हैं। परंतु कारक चिह्न लगाने पर उनका रूप बदल जाता है।

एकवचन	बहुवचन	कारक के साथ
• फूल	फूल	फूलों को
• पेड़	पेड़	पेड़ों पर
• सेब	सेब	सेबों में

कुछ शब्दों के एकवचन में 'गण' लगाकर बहुवचन बनाया जाता है।

एकवचन	बहुवचन	कारक के साथ
• छात्र	छात्र गण	छात्रों को
• शिक्षक	शिक्षक गण	शिक्षकों को

कुछ शब्द इस प्रकार भी एकवचन से बहुवचन में बदलते हैं–

'आ' का 'ए' में बदलना		'इ'/'ई' का 'इयाँ' में बदलना		'या' का 'याँ' में बदलना		'आ' के बाद 'एँ' का जुड़ना	
पैसा	पैसे	जाति	जातियाँ	चिड़िया	चिड़ियाँ	महिला	महिलाएँ
घोड़ा	घोड़े	स्त्री	स्त्रियाँ	गुड़िया	गुड़ियाँ	कविता	कविताएँ
मोज़ा	मोज़े	सीटी	सीटियाँ	चुहिया	चुहियाँ	कक्षा	कक्षाएँ
पत्ता	पत्ते	बेटी	बेटियाँ	डिबिया	डिबियाँ	घटा	घटाएँ
बेटा	बेटे	लकड़ी	लकड़ियाँ	बंदरिया	बंदरियाँ	शिला	शिलाएँ



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. वाक्यों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

(क) राम के कई भाई हैं। ....

(ख) रेखा ने रोटियाँ खाईं। ....

(ग) फूल खिला हुआ है। ....

(घ) बालक खेल रहा है। ....

(ङ) कागज़ों पर नाम लिखा है। ....

प्रश्न २. शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

	पत्ते	गुब्बारा	
लता			पुड़ियाँ
	नदियाँ	पंखुड़ी	

प्रश्न ३. उचित वचन चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) सीता और समीरा दोनों .... हैं। (सहेली, सहेलियाँ)

(ख) ये दोनों .... किसकी हैं? (किताब, किताबें)

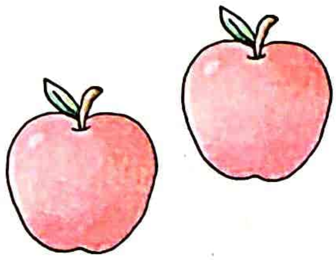
(ग) मेरी एक .... पीले रंग की है। (कमीज़, कमीज़ें)

(घ) सारी .... पर मक्खियाँ बैठी हुई हैं। (मिठाई, मिठाइयों)

(ङ) कई .... यहाँ से उड़ गईं। (गौरेया, गौरेयाँ)

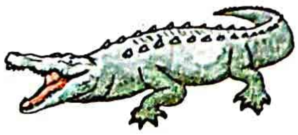
(च) माँ चार .... पका चुकी हैं। (रोटियाँ, रोटी)

प्रश्न ४. चित्रों की संख्या और वचन लिखिए। जैसे–



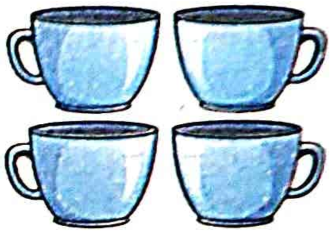
दो सेब

(बहुवचन)



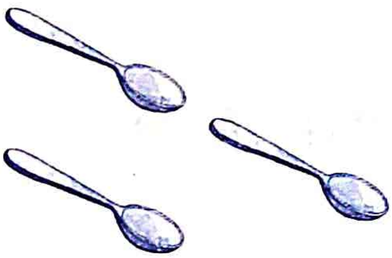
....

....



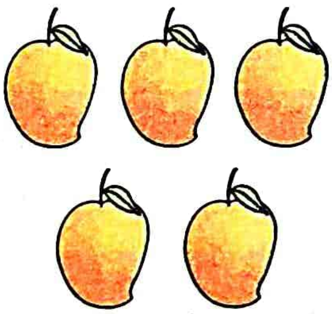
....

....



....

....



....

....



....

....

प्रश्न ५. शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए और उनके वचन लिखिए–

(क) कल्पना – ....

(ख) भौंरे – ....

(ग) सुबह – ....

(घ) कविताएँ – ....

(ङ) किताबें – ....

प्रश्न ६. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) .... पुस्तक पढ़ रहे हैं। (लड़का)

(ख) मेरी .... बहुत शांत है। (कक्षा)

(ग) .... को कटने से बचाएँ। (पेड़)

(घ) राजा दशरथ के चार .... थे। (बेटा)

(ङ) मेरे विद्यालय में सभी .... को सम्मानित किया गया। (शिक्षक)



१२ कारक

डॉली और उसकी माँ की बातचीत को सही शब्द चुनकर पूर्ण कीजिए–

के   ने   का   में   की   पर   से



१. डॉली, तुम यहाँ क्यों खड़ी हो? रिया .... तुम्हें अपने घर बुलाया है।

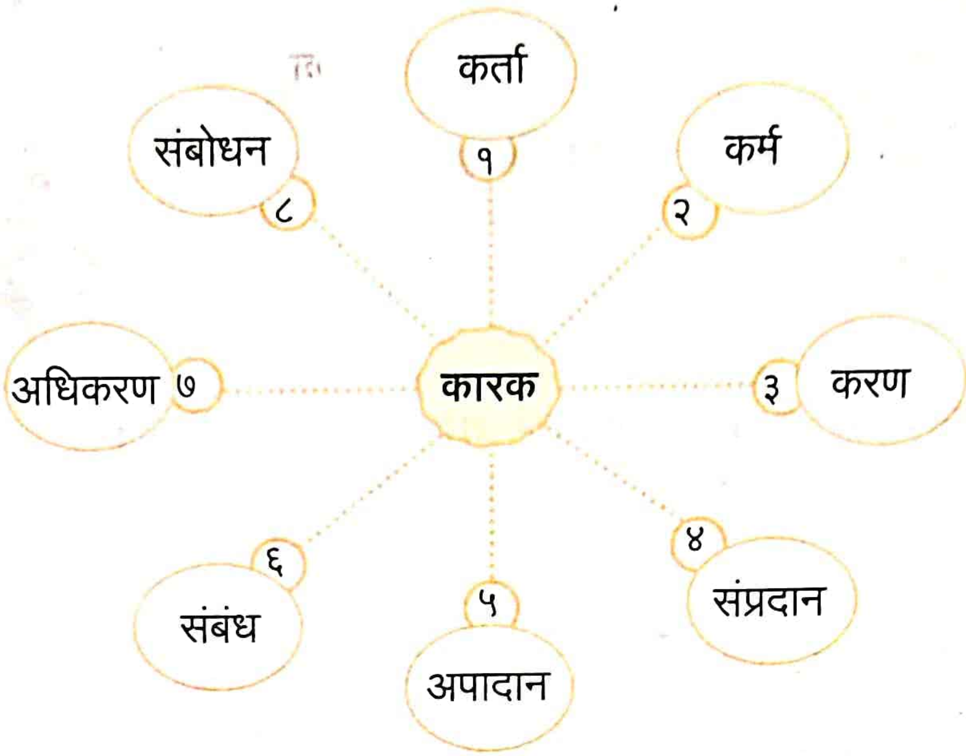
२. माँ, मैंने कल यहीं से घर .... छत .... दो बंदरों को बैठे देखा था। मैंने जेब .... चने निकाले और कागज़ .... लपेटकर बंदरों .... तरफ़ फेंका था। वे पुड़िया लेकर चले गए थे। मैं बंदरों .... ही इंतज़ार कर रही हूँ।

आपने अभी उपर्युक्त बातचीत को पूरा करने के लिए के, ने, का, में, की, पर, से जैसे शब्दों का प्रयोग किया। वाक्यों में शब्दों को आपस में जोड़ने वाले यही शब्द 'कारक' कहलाते हैं।

> संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से जाना जाता है, उसे 'कारक' कहते हैं।

ये भी जानें

- हिंदी में आठ कारक होते हैं।
- वाक्य में हर कारक शब्दों के आपसी संबंध का बोध कराते हैं।
- कारक को ही परसर्ग भी कहते हैं।



कारक	चिह्न	पहचान का तरीका	वाक्य
१. कर्ता कारक	ने	किसने, कौन	उषा ने गृहकार्य किया। डॉक्टर ने दवाई दी।
२. कर्म कारक	को	किसको, क्या	मम्मी ने बच्चे को बुलाया। शिक्षक छात्रों को पढ़ाते हैं।
३. करण कारक	से/के द्वारा	किससे, किसके द्वारा	पापा से खिलौना मँगवाओ। डाक के द्वारा खत भेजो।
४. संप्रदान कारक	को/के लिए	किसके लिए, किसको	दादा जी ने बच्चों को मिठाई दी। दादा जी ने बच्चों के लिए टोपियाँ खरीदीं।
५. अपादान कारक	से (अलग होने का संकेत)	कहाँ से	पेड़ से अमरूद गिरा। हिमालय से गंगा निकलती है।

कारक	चिह्न	पहचान का तरीका	वाक्य
६. संबंध कारक	का/की/के रा/री/रे ना/नी/ने	किसका, किसके	अनवर का भाई आया है। यह हमारा विद्यालय है। अपना सामान ठीक से रखो।
७. अधिकरण कारक	में/पर	किसमें, किस पर, कहाँ	उपवन में फूल खिले हैं। छत पर चिड़िया बैठी है।
८. संबोधन कारक	हे!/अरे!/ओ!/ ओह!	-	हे राम! मुसीबत से बचाओ। अरे बच्चो! मिठाई खाए या नहीं। ओ राधा! रुक जाओ।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. रंगीन शब्दों के कारकों के नाम लिखिए–

(क) बहन ने भाई को राखी बाँधी। ....

(ख) पुजारी से पूजा करवाओ। ....

(ग) मेहमान बच्चों के लिए उपहार लाए हैं। ....

(घ) पापा की जेब से नोट गिरा। ....

(ङ) हैंगर से कमीज़ नीचे गिरी। ....

(च) मोहन का भाई सोहन आया है। ....

(छ) ओह! यह क्या हो गया। ....

(ज) मेज़ पर पुस्तक है। ....

(झ) माँ घर में है। ....

(ञ) हे ईश्वर! रक्षा करो। ....

(ट) अरे बच्चो! शरारत मत करो। ....

(ठ) अरे दोस्त! मैं प्रथम श्रेणी में पास हो गया। ....

प्रश्न २. कारकों के अनुसार वाक्यों का मिलान कीजिए–

(क) मछुआरे ने जाल बिछाया।	(i) अधिकरण कारक
(ख) मेरे चाचा आ गए।	(ii) अपादान कारक
(ग) पापा अपने बेटे के लिए साइकिल खरीद रहे हैं।	(iii) करण कारक
(घ) श्याम स्कूटर से बाज़ार गया।	(iv) संप्रदान कारक
(ङ) एक यात्री बस से नीचे गिरा।	(v) संबंध कारक
(च) कपड़े अलमारी में रखे हैं।	(vi) कर्ता कारक

प्रश्न ३. सही कारक चिह्न लगाकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

(क) नीरजा .... बच्चों .... जन्मदिन का केक दिया। (पर, को, ने)

(ख) पापा ने पेंटर .... घर .... पेंटिंग करवाई। (में, से, को)

(ग) गंगा हिमालय .... निकलती है। (को, से, द्वारा)

(घ) पेड़ .... पत्ते गिर रहे हैं। (के, में, से)

(ङ) छत .... बंदर उत्पात मचा रहा है। (में, पर, से)

प्रश्न ४. कर्म कारक, संप्रदान कारक और संबोधन कारक के उदाहरण लिखिए।

(क) ....

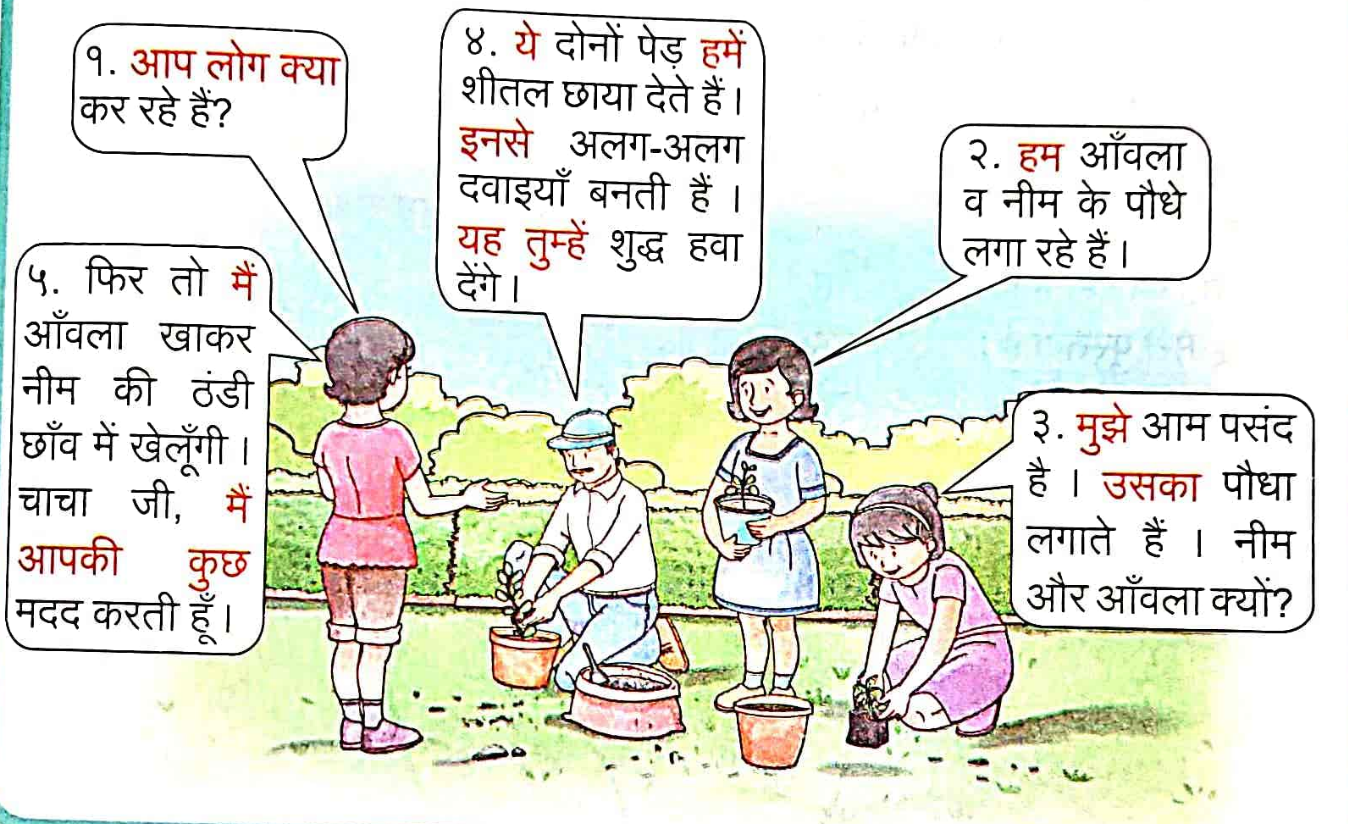
(ख) ....

(ग) ....

१३ सर्वनाम



नीचे दी गई बातचीत को पढ़िए और समझिए–



आपने उपर्युक्त बातचीत को पढ़ा। इसमें छपे रंगीन शब्द अलग-अलग नामों के लिए प्रयोग में लाए गए हैं।

जैसे–

चित्र में दिख रहे सभी लोगों के लिए	आप लोग, हम, मुझे, हमें, तुम्हें, मैं, आपकी
आम, नीम और आँवला के लिए	उसका, ये, इनसे, यह
किसी काम के लिए	कुछ
प्रश्न पूछने के लिए	क्या

ये सभी शब्द संज्ञा की जगह पर प्रयोग किए गए हैं। ऐसे ही शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं।

संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

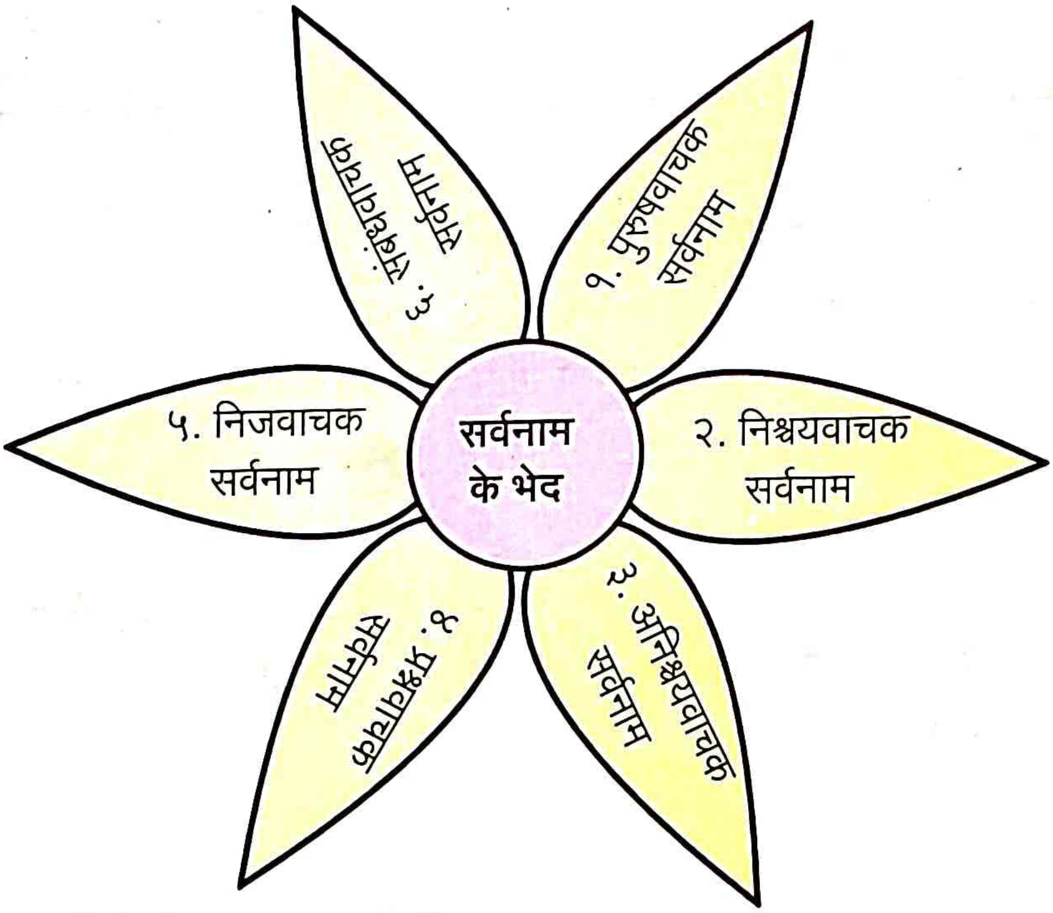
ये भी जानें

- सर्वनामों में लिंग के आधार पर परिवर्तन नहीं होते हैं। जैसे–

  पुल्लिंग– वह जा रहा है। स्त्रीलिंग– वह जा रही है।

- वचन के आधार पर सर्वनाम परिवर्तित हो जाते हैं। जैसे–

वाक्य	एकवचन	बहुवचन	वाक्य
मैं जा रहा हूँ।	मैं	हम	हम जा रहे हैं।
तुम कहाँ जा रहे हो?	तुम	तुम सब/लोग	तुम सब/लोग कहाँ जा रहे हो?
वह जा रहा है।	वह	वे	वे जा रहे हैं।
यह मेरी पुस्तक है।	यह	ये	ये मेरी पुस्तकें हैं।
इसे जाने दो।	इसे	इन्हें	इन्हें जाने दो।
उसे घर जाना है।	उसे	उन्हें	उन्हें घर जाना है।



१. पुरुषवाचक सर्वनाम–

पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं।

उत्तम पुरुष	बोलने वाला उत्तम पुरुष होता है।	मैं, मेरा, हमें, मुझे, हम, हमारा आदि।
मध्यम पुरुष	सुनने वाला मध्यम पुरुष होता है।	तू, तुम, तेरा, तुम्हारा, आप, आपका आदि।
अन्य पुरुष	सुनने वाला और बोलने वाला जिस तीसरे व्यक्ति के बारे में बातें कर रहे हैं, वह अन्य पुरुष होता है।	उसका, उनका, उसकी, उनके, उनसे, वे आदि।

२. निश्चयवाचक सर्वनाम–

इन्हें 'संकेतवाचक सर्वनाम' भी कहते हैं, क्योंकि यह किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत करके ही बोले जाते हैं।

	एकवचन	वाक्य	बहुवचन	वाक्य
दूर के लिए	वह	वह बहुत विद्वान हैं।	वे	वे बहुत विद्वान हैं।
पास के लिए	यह	यह अच्छा खिलाड़ी है।	ये	ये अच्छे खिलाड़ी हैं।

३. अनिश्चयवाचक सर्वनाम–

- जब पता नहीं होता कि बात किसके बारे में हो रही है, तब कोई का प्रयोग करते हैं।
- जब पता नहीं होता कि वस्तु क्या है, तब कुछ का प्रयोग करते हैं।
- जब किसी अनजान व्यक्ति, वस्तु आदि की बात करते हैं, तब वहाँ 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' का प्रयोग होता है। जैसे– दरवाज़े पर कोई खड़ा है।

४. प्रश्नवाचक सर्वनाम–

- ये सर्वनाम प्रश्न पूछने के काम आते हैं।

  जैसे– कौन आया है? तुम क्या पढ़ रहे हो? लड़का कहाँ जा रहा है?

५. निजवाचक सर्वनाम–

- इनका प्रयोग कर्ता के लिए होता है।
- इसमें कर्ता के अपनेपन का बोध होता है।
- इसमें स्वयं, खुद, अपने आप, शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

  जैसे– भरत अपना काम स्वयं करता है।

  शुभम की माँ खुद खाना बनाती है।

सिमी अनय को बताती है कि ये उपहार सना आंटी ने खुद हमारे लिए पसंद किए हैं। अत: वहाँ 'निजवाचक सर्वनाम' है।

६. संबंधवाचक सर्वनाम

- वे सर्वनाम शब्द जिनसे एक बात का दूसरी बात से संबंध ज्ञात हो, उन्हें 'संबंधवाचक सर्वनाम' कहते हैं। ये सर्वनाम शब्द दो उपवाक्यों को जोड़ते हैं।
- इसमें जो... जिनसे, जो... सो, वही... जो आदि शब्द आते हैं।

  जैसे– जो पढ़ता है, वह उत्तीर्ण होता है।

  जो जागत है, सो पावत है।

चिक्की सौरभ को बताती है कि वही जो उदयपुर में रहती हैं, जिनसे तुम सरदियों में मिले थे। इन वाक्यों में वही जो, जिनसे शब्द 'संबंधवाचक सर्वनाम' हैं।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. निम्नलिखित सर्वनामों के वचन बदलकर लिखिए–

मैं – .... तुम – ....

वह – .... उसे – ....

प्रश्न २. उत्तम पुरुष का प्रयोग किसके लिए होता है?

....

प्रश्न ३. निश्चयवाचक सर्वनाम की पहचान बताइए।

....

प्रश्न ४. सर्वनाम शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) हम – ....

(ख) वह – ....

(ग) मैं – ....

(घ) उनके – ....

(ङ) वे – ....

(च) उन्होंने – ....

(छ) इसे – ....

प्रश्न ५. अनिश्चयवाचक सर्वनाम के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

....

प्रश्न ६. प्रश्न पूछने के लिए कौन-कौन से सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है?

....

प्रश्न ७. वाक्यों में कौन-से सर्वनाम शब्द आए हैं? लिखिए–

(क) दिव्या कहाँ पढ़ रही है? ....

(ख) तुम यहाँ क्यों आए? ....

(ग) कोई नहीं जानता, इसमें कौन रहता है? ....

प्रश्न ८. वाक्यों में सही सर्वनाम शब्द भरिए–

(क) .... विद्यालय नहीं गए?

(ख) निशा अपना काम .... करती है।

(ग) दिव्यम की बहन ने .... लिए एक कमीज़ खरीदी है।

(घ) मेरी सहेली जो मेरे घर आई थी .... मुझे अपनी किताब देकर गई है।

(ङ) भव्या ने कल .... माँ की काम में सहायता की थी।

प्रश्न ९. दूर व पास के लिए एकवचन और बहुवचन सर्वनाम शब्द लिखकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

			एकवचन		**बहुवचन**
(क)	दूर के लिए	....	लड़की	....	लड़कियाँ
(ख)	पास के लिए	....	साइकिल	....	साइकिलें
(ग)	दूर के लिए	....	पुस्तक	....	पुस्तकें
(घ)	पास के लिए	....	घोड़ा	....	घोड़े



१४ विशेषण

चित्र देखिए और उत्तर लिखिए–

(क) कितनी चीज़ें हैं? दो

(ख) चीज़ों का आकार कैसा है? ....



(ग) नींबू का रंग कैसा है? ....

(घ) तरबूज़ का रंग कैसा है? ....

(ङ) नींबू का स्वाद कैसा होता है? ....



(च) तरबूज़ का स्वाद कैसा होता है? ....

(छ) तरबूज़ कैसा है? बड़ा

(ज) नींबू कैसा है? ....

आपके उत्तरों में दो, गोल, पीला, हरा, खट्टा, मीठा, बड़ा और छोटा जैसे शब्द आए हैं। ये सभी शब्द नींबू और तरबूज़ के बारे में कुछ-न-कुछ विशेष बातें बता रहे हैं। ऐसे ही किसी की खासियत बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।

ये भी जानें

➤ जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों को 'विशेष्य' कहते हैं।

शब्द	विशेषण	विशेष्य
छोटा नींबू	छोटा	नींबू
कठोर नारियल	कठोर	नारियल
ऊँचा पेड़	ऊँचा	पेड़
कोमल पंखुड़ियाँ	कोमल	पंखुड़ियाँ

शब्द	विशेषण	विशेष्य
बड़ा तरबूज़	बड़ा	तरबूज़
मीठा आम	मीठा	आम
स्वादिष्ट खाना	स्वादिष्ट	खाना
सुंदर बगीचा	सुंदर	बगीचा

विशेषण के चार भेद

१. गुणवाचक विशेषण | २. संख्यावाचक विशेषण | ३. परिमाणवाचक विशेषण | ४. सार्वनामिक विशेषण

१. गुणवाचक विशेषण–

समीता ने सुंदर फूल बनाया।

बरखा सिलाई-कढ़ाई में निपुण है।

यहाँ सुंदर और निपुण शब्द किसी के गुणों के बारे में बता रहे हैं। इसलिए ये 'गुणवाचक विशेषण' शब्द हैं।

अन्य गुणवाचक विशेषण शब्द– ऊँचा, कठोर, कोमल, मलाईदार, स्वादिष्ट, माहिर, चंचल, गीला, स्वस्थ, गोल, पीला, बूढ़ा आदि।

२. संख्यावाचक विशेषण–

नौ पेड़ हैं। सब पेड़ ऊँचे हैं। कई लड़के पेड़ के नीचे हैं।

यहाँ नौ निश्चित संख्या के बारे में बता रहा है। इसलिए वह 'निश्चित संख्यावाचक' विशेषण है।

'सब' और 'कई' से निश्चित संख्या का पता नहीं चल रहा। अत: यह 'अनिश्चित संख्यावाचक' विशेषण है।

अन्य संख्यावाचक विशेषण शब्द–

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण शब्द– पहला, बीस, छठा, आठ आदि।

(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण शब्द– कुछ कपड़े, कई पुरुष आदि।

३. परिमाणवाचक विशेषण–

किसान को एक किलोमीटर दूर जाकर खेती के लिए थोड़ा-सा पानी मिला।

यहाँ एक किलोमीटर, थोड़ा-सा शब्द आए हैं। इसमें एक किलोमीटर निश्चित माप को बता रहा है। अत: यह 'निश्चित परिमाणवाचक विशेषण' है।

थोड़ा-सा अनिश्चित मात्रा को बता रहा है। अत: यह 'अनिश्चित परिमाणवाचक' विशेषण है।

अन्य परिमाणवाचक विशेषण शब्द–

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण शब्द– तीन मीटर कपड़ा, चार लीटर तेल आदि।

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण शब्द– थोड़ी दाल, कम अनाज, ज्यादा चीनी आदि।

४. सार्वनामिक विशेषण–

यह फल मीठा है।

इस फूलदान को खरीद लो।

कोई मनुष्य यहाँ आया है।

यहाँ यह, इस तथा कोई सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले प्रयोग किए गए हैं, जो फल, फूलदान और मनुष्य शब्द की विशेषता बता रहे हैं। इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण हैं।

अन्य सार्वनामिक विशेषण शब्द– इस फूल में, उन फूलों पर, ये लड़के, यह आदमी, वह लड़का, इन लोगों को, उस दिन आदि।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. दिए गए शब्दों के विशेषण और विशेष्य अलग-अलग लिखिए–

शब्द	विशेषण	विशेष्य
माहिर व्यक्ति	....	....
मीठा पानी	....	....

प्रश्न २. इन शब्दों के गुणवाचक विशेषण लिखिए–

(क) आम – ....

(ख) इमली – ....

(ग) बादाम – ....

(घ) पपीता – ....

(ङ) किशमिश – ....

प्रश्न ३. संख्यावाचक विशेषण के चार उदाहरण लिखिए–

....

प्रश्न ४. निश्चित और अनिश्चित संख्यावाचक शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

निश्चित संख्यावाचक शब्द	अनिश्चित संख्यावाचक शब्द
....	....
....	....

तीसरा, छठा, दस, कुछ, कई, बीस

प्रश्न ५. शब्दों के विपरीत अर्थ वाले विशेषण शब्द लिखिए–

(क) ऊँचा – .... (ख) छोटा – ....

(ग) कोमल– .... (घ) थोड़ा – ....

(ङ) मीठा – .... (च) एक – ....

प्रश्न ६. इन विशेषण शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) इन – .... उस – .... एक – .... वह – ....

(ख) अच्छा – .... ये – .... बड़ा – .... कठोर – ....

प्रश्न ७. आप अपने मित्र राहुल के साथ बाज़ार गए। वहाँ से उसने कुछ सामान खरीदा। अब आप निश्चित व अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण शब्दों का प्रयोग करते हुए राहुल की खरीददारी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

....

....

....

....

....

प्रश्न ८. दिए गए चित्र से संबंधित विशेषण शब्दों को लिखिए–



....

....

....

प्रश्न ९. इस चित्र को देखकर विशेषणों का प्रयोग करते हुए अपनी पसंद की एक कहानी लिखिए–



....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

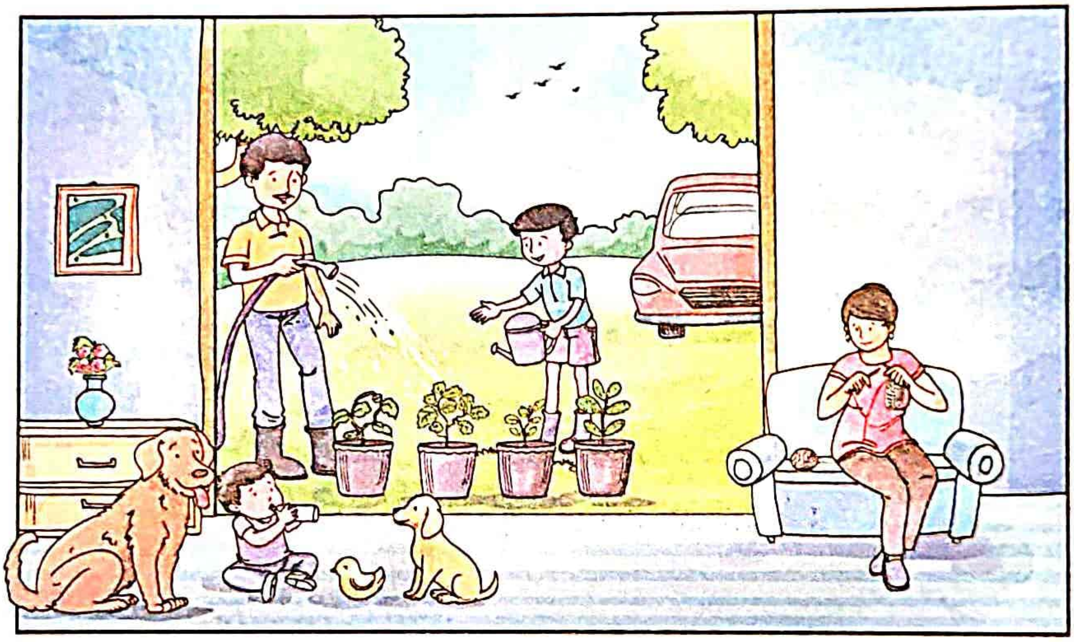
....

१५

क्रिया



चित्र में हो रही क्रियाओं के आधार पर वाक्य बनाइए–



आसमान में पक्षी उड़ रहे हैं।

....

....

....

....

....

उपर्युक्त चित्र में हो रही क्रियाओं से संबंधित वाक्य आपने लिखे हैं। उन वाक्यों में आने वाले क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए–

क्रिया शब्द– उड़ रहे हैं, ...

आपने अभी जितने भी शब्द लिखे हैं, उनसे हमें किसी-न-किसी काम के होने के बारे में पता चल रहा है। ऐसे ही किसी काम के होने के बारे में बताने वाले शब्द ही 'क्रिया' कहलाते हैं।

वे शब्द जिनसे किसी कार्य के होने या करने का बोध हो, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।

➤ लिंग, वचन और काल के बदलने पर क्रिया के रूप में बदलाव आ सकता है।

जैसे–

लिंग बदलने पर क्रिया के रूप में बदलाव	हंस तालाब में तैर रहा है।	हंसनी तालाब में तैर रही है।
	लड़का खेलता है।	लड़की खेलती है।
वचन बदलने पर क्रिया के रूप में बदलाव	चिड़िया उड़ रही है।	चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
	बच्चा खा रहा है।	बच्चे खा रहे हैं।
काल बदलने पर क्रिया के रूप में बदलाव	माली पौधों को सींचता है।	माली ने पौधे को सींचा।
	गाय घास खा रही है।	गाय घास खाएगी।

ये भी जानें

➤ शब्द या शब्दांश के अंत में 'ना' जोड़ने पर क्रिया बनती है।

जैसे– आ + ना = आना, जा + ना = जाना, चल + ना = चलना, दौड़ + ना = दौड़ना, उठ + ना = उठना, बैठ + ना = बैठना, लिख + ना = लिखना, पढ़ + ना = पढ़ना आदि।

➤ वाक्य में प्रयोग करते समय 'ना' हटा दिया जाता है। फिर उसमें लिंग, वचन और काल के प्रत्यय जोड़े जाते हैं।

जैसे– आता है, आती है, आई, आया आदि।

क्रिया के दो प्रकार

अकर्मक क्रिया

जो क्रिया बिना कर्म के होती है, उसे 'अकर्मक क्रिया' कहते हैं।

जैसे– सानिया खेलती है।
(कर्ता) (क्रिया)

सकर्मक क्रिया

जो क्रिया कर्म के साथ होती है, उसे 'सकर्मक क्रिया' कहते हैं।

जैसे– सानिया बैडमिंटन खेलती है।
(कर्ता) (कर्म) (क्रिया)

सकर्मक क्रिया की पहचान

यदि आपको यह जानना है कि कोई क्रिया सकर्मक है या नहीं, तब आप क्रिया के साथ 'क्या' या 'किसको' (किसे) लगाकर प्रश्न पूछिए। यदि उत्तर मिलता है, तो समझिए क्रिया 'सकर्मक' है।

जैसे– सचिन क्रिकेट खेलता है।

प्रश्न– सचिन क्या खेलता है?

उत्तर– क्रिकेट

अत: यह सकर्मक क्रिया है।

अन्य उदाहरण :

(१) लता गाना गाती है।

प्रश्न– लता क्या गाती है?

उत्तर– गाना।

अत: यह सकर्मक क्रिया है।

(२) दुकानदार बच्चों को खिलौने दे रहा है।

प्रश्न– दुकानदार क्या दे रहा है?

उत्तर– खिलौने।

प्रश्न– किसको (किसे) दे रहा है?

उत्तर– बच्चों को।

द्विकर्मक क्रिया में 'क्या' और 'किसको (किसे)' दोनों के उत्तर एक ही वाक्य में मिलते हैं। अत: यह 'द्विकर्मक क्रिया' है।

अकर्मक क्रिया की पहचान

यदि वाक्यों में क्रिया के साथ 'क्या' या 'किसको' (किसे) लगाकर प्रश्न पूछने पर उत्तर नहीं मिलता, तो समझिए वह 'अकर्मक क्रिया' है।

जैसे– माँ पका रही है।

प्रश्न– क्या पका रही है?

उत्तर– पता नहीं।

हमें उत्तर नहीं मिला। अत: यह अकर्मक क्रिया है।

अन्य उदाहरण :

शिक्षिका पढ़ा रही हैं।

प्रश्न– किसे पढ़ा रही हैं?

उत्तर– पता नहीं।

यहाँ भी हमें प्रश्न का उत्तर नहीं मिला। अत: यह अकर्मक क्रिया है।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. वाक्यों को वचन, लिंग और काल के आधार पर बदलिए–

(क) लड़का पतंग उड़ा रहा है। (वचन)

....

(ख) शेर आ रहा है। (लिंग)

....

(ग) हलवाई मिठाई तौलेगा। (काल)

....

(घ) लड़का पढ़ रहा है। (वचन)

....

(ङ) लड़की पढ़ रही है। (लिंग)

....

(च) बच्चे दौड़े। (काल)

....

प्रश्न २. क्रिया शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) गाना – ....

(ख) खाना – ....

(ग) नाचना – ....

(घ) देखना – ....

(ङ) सुनना – ....

(च) हँसना – ....

(छ) बोलना – ....

प्रश्न ३. वाक्यों को सकर्मक क्रिया में बदलिए–

(क) राधा गाती है। ....

(ख) मोहन लिखता है। ....

(ग) मोहसिन खाता है। ....

(घ) हिना खेलती है। ....

(ङ) माँ पकाती है। ....

(च) नानी सिलती है। ....

(छ) दादा जी पढ़ते हैं। ....

(ज) हरप्रीत देखता है। ....

प्रश्न ४. वाक्य सकर्मक हैं या अकर्मक, पहचानकर लिखिए–

(क) बच्चा फुटबॉल खेल रहा है। ....

(ख) माली सींचता है। ....

(ग) बच्ची खाना खा रही है। ....

(घ) सिया गाना गा रही है। ....

(ङ) ड्राइवर जा रहा है। ....

(च) पक्षी उड़ रहे हैं। ....

प्रश्न ५. दी गई क्रियाओं में से अकर्मक क्रियाओं पर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) बल्लेबाज़ दौड़ रहा है। ☐

(ख) जॉन पतंग उड़ा रहा है ☐

(ग) वैशाली गज़ल गा रही है। ☐

(घ) चिड़िया खा रही है। ☐

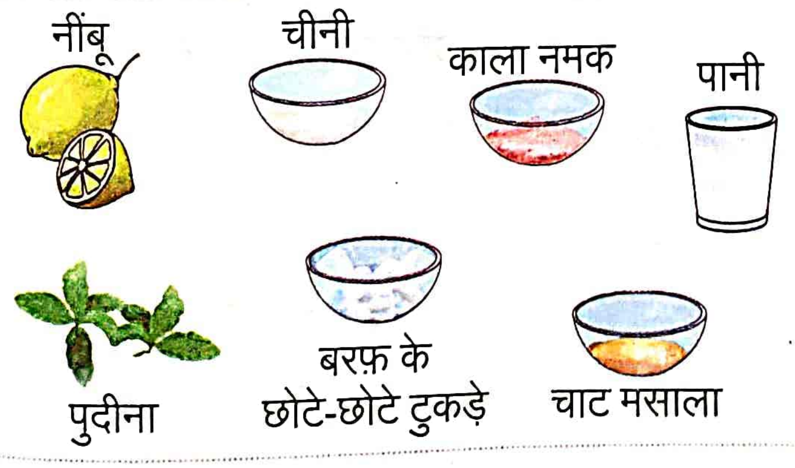
(ङ) घोड़ा घास खा रहा है। ☐

(च) गेंदबाज़ फेंक रहा है। ☐

(छ) पिता जी जा रहे हैं। ☐

प्रश्न ६. आइए, नींबू पानी बनाना सीखें। नींबू पानी बनाने का तरीका नीचे बताया गया है। उचित क्रिया शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए। हो जाएगा नींबू पानी तैयार!

निचोड़िए, धो लीजिए, है, डालिए, देखिए,
लीजिए, मिलाइए, भरिए, सजाइए, काटिए



एक गिलास .... । उसमें पानी .... । नींबू तथा पुदीना के पत्ते को .... । नींबू को बड़ों की मदद से दो भागों में .... ।

	नींबू निचोड़ने वाले यंत्र (स्क्विज़र) की सहायता से नींबू .... । नींबू के रस को पानी के गिलास में .... ।
काला नमक, चीनी 	उसमें स्वादानुसार काला नमक, थोड़ी-सी चीनी तथा चाट मसाला .... । चम्मच की सहायता से मिश्रण को अच्छे से .... ।
	उसमें आवश्यकतानुसार कुछ बरफ़ के छोटे-छोटे टुकड़े .... । पुदीना के पत्ते से नींबू पानी को .... । .... आपका ठंडा-ठंडा नींबू पानी तैयार .... ।



१६ काल

दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

बच्चे स्कूल गए थे।

बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

बच्चे स्कूल जाएँगे।



पहले वाक्य में क्रिया कब हुई? ....

दूसरे वाक्य में क्रिया कब हो रही है? ....

तीसरे वाक्य में क्रिया कब होगी? ....

उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर देने पर आपको क्रिया के अलग-अलग रूपों से उनके होने के समय का बोध हुआ, यानी आपको क्रिया के काल का ज्ञान हुआ। काल का अर्थ होता है– समय।

गए थे (बीता हुआ समय), जा रहे हैं (वर्तमान समय यानी अभी चल रहा समय) तथा जाएँगे (आने वाला समय) हो रही घटना के समय को बता रहे हैं। ऐसे ही समय बताने वाली घटना या शब्दों को 'काल' कहा जाता है।

> क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का बोध हो, उसे 'काल' कहते हैं।

काल के तीन भेद

१. भूतकाल	घोड़ा दौड़ा।	जय पानी भर रहा था।
२. वर्तमान काल	घोड़ा दौड़ता है।	जय पानी भर रहा है।
३. भविष्यत् काल	घोड़ा दौड़ेगा।	जय पानी भरेगा।



नींबू निचोड़ने वाले यंत्र (स्क्वि़ज़र) की सहायता से नींबू ....। नींबू के रस को पानी के गिलास में ....।

काला नमक,
चीनी



उसमें स्वादानुसार काला नमक, थोड़ी-सी चीनी तथा चाट मसाला ....। चम्मच की सहायता से मिश्रण को अच्छे से ....।



उसमें आवश्यकतानुसार कुछ बरफ़ के छोटे-छोटे टुकड़े ....। पुदीना के पत्ते से नींबू पानी को ....। .... आपका ठंडा-ठंडा नींबू पानी तैयार ....।

१६ काल



दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

बच्चे स्कूल गए थे।

बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

बच्चे स्कूल जाएँगे।



पहले वाक्य में क्रिया कब हुई? ....

दूसरे वाक्य में क्रिया कब हो रही है? ....

तीसरे वाक्य में क्रिया कब होगी? ....

उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर देने पर आपको क्रिया के अलग-अलग रूपों से उनके होने के समय का बोध हुआ, यानी आपको क्रिया के काल का ज्ञान हुआ। काल का अर्थ होता है– समय।

गए थे (बीता हुआ समय), जा रहे हैं (वर्तमान समय यानी अभी चल रहा समय) तथा जाएँगे (आने वाला समय) हो रही घटना के समय को बता रहे हैं। ऐसे ही समय बताने वाली घटना या शब्दों को 'काल' कहा जाता है।

क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का बोध हो, उसे 'काल' कहते हैं।

काल के तीन भेद

१. भूतकाल	घोड़ा दौड़ा।	जय पानी भर रहा था।
२. वर्तमान काल	घोड़ा दौड़ता है।	जय पानी भर रहा है।
३. भविष्यत् काल	घोड़ा दौड़ेगा।	जय पानी भरेगा।

भूतकाल

क्रिया का वह रूप जिससे यह पता चले कि काम बीते समय में हो चुका है, उसे 'भूतकाल' कहते हैं। जैसे–

- राधा नाची।
- मोहन दौड़ा।
- मैं कल बाज़ार गई थी।

वर्तमान काल

क्रिया का वह रूप जिससे यह पता चले कि काम हो रहा है, उसे 'वर्तमान काल' कहते हैं। जैसे–

- आयशा लिख रही है।
- अभय पढ़ रहा है।
- दादी गीता को खिला रही है।

भविष्यत् काल

क्रिया का वह रूप जिससे यह पता चले कि काम आने वाले समय (भविष्य) में होगा, उसे 'भविष्यत् काल' कहते हैं। जैसे–

- राम लिखेगा।
- श्याम पढ़ेगा।
- प्रियोम अपना जन्मदिन मनाएगा।

अन्य उदाहरण–

१. भूतकाल	२. वर्तमान काल	३. भविष्यत् काल
• अमोल ने पत्र लिखा।	• अमोल पत्र लिख रहा है।	• अमोल पत्र लिखेगा।
• अनामिका ने गाना गाया।	• अनामिका गाना गा रही है।	• अनामिका गाना गाएगी।
• चूहा भागा।	• चूहा भागता है।	• चूहा भागेगा।
• कछुआ धीरे-धीरे चलता था।	• कछुआ धीरे-धीरे चलता है।	• कछुआ धीरे-धीरे चलेगा।

काल बदलने पर क्रिया का रूप भी बदलता है। जैसे–

- राम ने पत्र लिखा। (भूतकाल)
- राम पत्र लिखता है/लिख रहा है। (वर्तमान काल)
- राम पत्र लिखेगा। (भविष्यत् काल)



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. 'बिल्ली दूध पीती है', 'बिल्ली ने दूध पीया' और 'बिल्ली दूध पिएगी' इन वाक्यों में क्या अंतर है?

....

प्रश्न २. सही जोड़े मिलाइए–

(क) ऋचा गाना	(i) घूमने जाएगा।
(ख) रहीम पत्र	(ii) चल पड़ी।
(ग) परमजीत राजस्थान	(iii) लिख रहा है।
(घ) गाड़ी समय पर	(iv) खाई।
(ङ) घोड़े ने घास	(v) गाएगी।

प्रश्न ३. वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए काल के अनुसार बदलकर लिखिए–

(क) चूहा कागज़ कुतरता है। (भविष्यत् काल) ....

(ख) प्रतिमा पढ़ती है। (भूतकाल) ....

(ग) शाम से वर्षा हो रही है। (भूतकाल) ....

(घ) बच्चे खेलेंगे। (वर्तमान काल) ....

(ङ) मैंने दूध पी लिया। (भविष्यत् काल) ....

(च) पापा आएँगे। (भूतकाल) ....

(छ) अनवर आया। (भविष्यत् काल) ....

(ज) शबनम पुस्तक पढ़ेगी। (वर्तमान काल) ....

(झ) भालू नाचा। (वर्तमान काल) ....

प्रश्न ४. दी गई क्रियाओं से तीनों कालों पर आधारित एक-एक वाक्य बनाइए–

(क) लिखना– भूतकाल – ____________

वर्तमान काल – ____________

भविष्यत् काल – ____________

(ख) गाना– भूतकाल – ____________

वर्तमान काल – ____________

भविष्यत् काल – ____________

(ग) दौड़ना– भूतकाल – ____________

वर्तमान काल – ____________

भविष्यत् काल – ____________

(घ) खेलना– भूतकाल – ____________

वर्तमान काल – ____________

भविष्यत् काल – ____________

(ङ) पढ़ना– भूतकाल – ____________

वर्तमान काल – ____________

भविष्यत् काल – ____________

(च) डरना– भूतकाल – ____________

वर्तमान काल – ____________

भविष्यत् काल – ____________

प्रश्न ५. शब्दों को काल के अनुसार उचित स्थान पर लिखिए–

लिखेगा, सोया, जाता है, खाता है, पढ़ता है, रोता है, रोया, बोलेगा, जाती है, खोलेगा, पढ़ा, चढ़ा, बोएगा, गाया, देखेगा

भूतकाल	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

प्रश्न ६. गरमी की छुट्टियों में आप कहीं घूमने गए होंगे। उसके बारे में छह पंक्तियाँ लिखिए। प्रयास कीजिए कि उसमें तीनों कालों का प्रयोग हो।

....

....

....

....

....

....

....

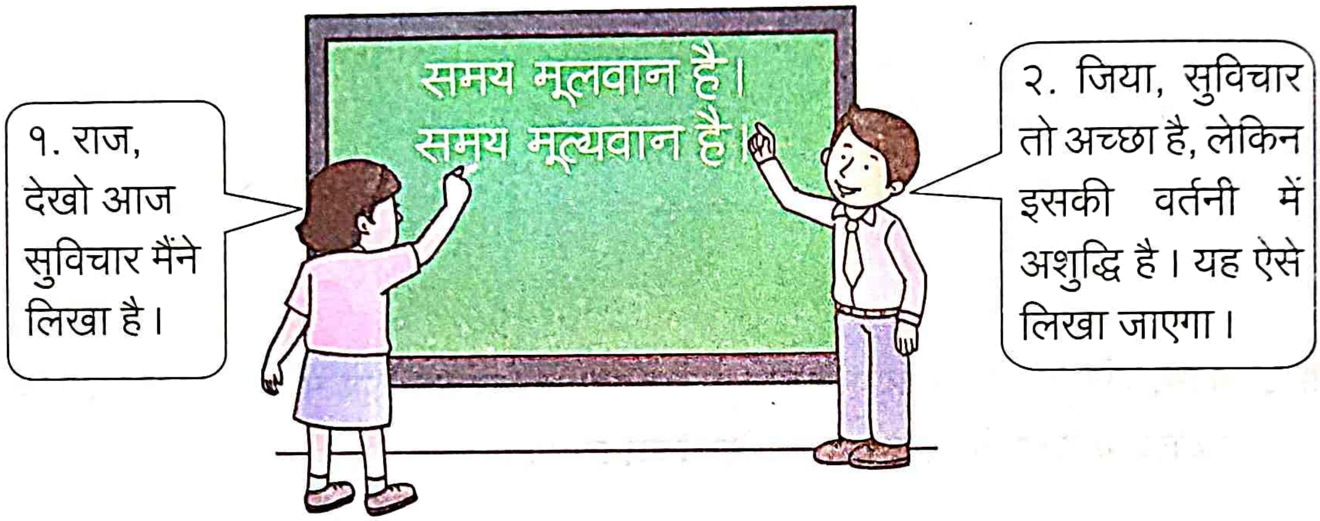
....

....

१७ अशुद्धि-शोधन



दी गई बातचीत को ध्यान से पढ़िए और समझिए–



उपर्युक्त बातचीत में बोर्ड पर लिखे गए वाक्य में 'मूलवान' और 'मूल्यवान' शब्द आए हैं। यहाँ 'मूलवान' शब्द की वर्तनी में अशुद्धि है, इसलिए अर्थ का ठीक से पता नहीं चल पा रहा है। 'मूल्यवान' शब्द की वर्तनी सही है, इसलिए अर्थ समझ में आ रहा है। ऐसे ही गलत वर्तनी वाले शब्दों या वाक्यों का पता करके उसमें सुधार लाना 'अशुद्धि-शोधन' कहलाता है।

ये भी जानें

- कई बार शब्दों के गलत उच्चारण करने या व्याकरण के नियमों की सही जानकारी न होने से हम वर्तनी संबंधी अनेक गलतियाँ कर देते हैं। जैसे– त्यौहार शब्द की वर्तनी अशुद्ध है और त्योहार शब्द की वर्तनी शुद्ध है।
- हिंदी भाषा के लिए प्रयुक्त देवनागरी लिपि की यह विशेषता है कि इसमें हम किसी शब्द अथवा वाक्य विशेष को जैसा बोलते हैं, वैसा ही लिखते हैं। इसलिए यदि हम बोलने में गलती करेंगे, तो उसे लिखने में भी गलती हो सकती है। अत: ज़्यादातर गलतियों का मुख्य कारण उनका

गलत उच्चारण ही होता है। जैसे– दिवार शब्द की सही वर्तनी दीवार है। सही रूप में हम इसे तभी लिख पाएँगे, जब हम बोलने में दीवार शब्द का प्रयोग करेंगे।

➤ **शब्दों की अशुद्धियाँ–**

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
सेनिक	सैनिक	गुरू	गुरु	हंसना	हँसना
ग्रामीन	ग्रामीण	रितु	ऋतु	रिण	ऋण
कुँआ	कुआँ	अहार	आहार	चाहीए	चाहिए
प्रान	प्राण	जमुना	यमुना	प्रथ्वी	पृथ्वी
अगामी	आगामी	सूई	सुई	सत्रुता	शत्रुता
बेतहासा	बेतहाशा	स्वादिस्ट	स्वादिष्ट	घनिष्ट	घनिष्ठ

➤ हिंदी भाषा में यदि हम किसी वाक्य में संज्ञा और विशेषण का प्रयोग कर रहे हों, तो उनमें लिंग-वचन का ताल-मेल होना ज़रूरी है। जैसे– मेरी सहेली, बड़ी बहन आदि शुद्ध रूप हैं, इनकी जगह यदि हम मेरा सहेली, बड़ा बहन आदि बोलें तो वह अशुद्ध रूप कहलाएगा।

➤ हिंदी भाषा में वाक्य बनाते समय हमें कर्ता, कर्म, क्रिया, लिंग, वचन, काल व कारक आदि का ध्यान रखना होता है। यदि हम इनका ध्यान न रखें तो कई बार लिंग, वचन और कारक संबंधी गलतियाँ हो जाती हैं।

➤ **वाक्यों की अशुद्धियाँ–**

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
दुकान सोमवार के दिन खुलती है।	दुकान सोमवार को खुलती है।
तुम खाना खाया?	तुमने खाना खाया?
उसने घर गया।	वह घर गया।
राधा पानी भर रहा है।	राधा पानी भर रही है।
तुम तुम्हारा काम करो।	तुम अपना काम करो।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मुझे छिलके वाला केला खरीदना है।	मुझे केला खरीदना है।
वह चिल्ला उठी।	वह चिल्ला पड़ी।
खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।	गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ।
रमेश अपने बच्चों के कारण दुखी था।	रमेश अपने बच्चों से दुखी था।
मेरी उम्र सोलह की है।	मैं सोलह वर्ष की हूँ।
मेरी माता मृदुभाषी स्त्री हैं।	मेरी माता मृदुभाषी हैं।
कौशल गुनगुने गरम पानी से स्नान करता है।	कौशल गुनगुने पानी से स्नान करता है।
मेरे को अपनी कलम दे दो।	मुझे अपनी कलम दे दो।
हाथी दहाड़ता है।	हाथी चिंघाड़ता है।
मैं दो भाई हैं।	हम दो भाई हैं।
फटा कपड़े मत पहनो।	फटे कपड़े मत पहनो।
बच्चों ने मैदान में खेला।	बच्चे मैदान में खेले।
छत में चारपाई है।	छत पर चारपाई है।
नाना नानी आ रही है।	नाना-नानी आ रहे हैं।
वह आँख से अंधा है।	वह अंधा है।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

(क) रिण – .... (ख) खूशी – ....

(ग) वापीस – .... (घ) बरात – ....

(ङ) पड़ौस – .... (च) शाबास – ....

(छ) महंगा – .... (ज) स्वास्थ – ....

प्रश्न २. वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए–

(क) आज सोमवार का दिन है। ....

(ख) यह पत्रिका मैं पढ़ा हूँ। ....

(ग) तुम तुम्हारा काम करो। ....

(घ) मुझे छिलके वाला सेब खरीदना है। ....

(ङ) मामा-मामी आ रही है। ....

प्रश्न ३. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) दीपावली का त्योहार दीपक जलाकर .... जाता है। (बनाया/ मनाया/ कराया)

(ख) रवि को बहुत ज़ोर की भूख .... रही थी। (लग/ हो/ में)

(ग) रिया बहुत मीठी आवाज़ में बात .... है। (कहती/ करती/ कराती)

(घ) दादा जी ने .... कि वे कल बाज़ार जाएँगे। (बनाया/ बोली/ बताया)

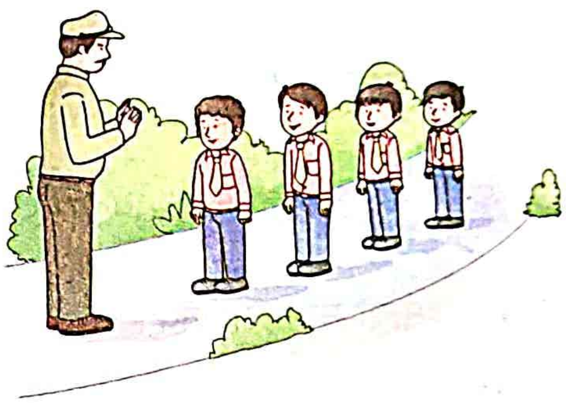
१८

विराम-चिह्न

दिए गए वाक्यों को पढ़िए और समझिए–



१. रुको मत, आगे बढ़ो।



२. रुको, मत आगे बढ़ो।

अभी आपने देखा कि पहले तथा दूसरे वाक्य में सभी शब्द समान हैं, किंतु एक चिह्न (,) को अलग-अलग जगह लगाया गया है। इस वजह से दोनों वाक्यों का अर्थ भी बदल गया है। जैसे– पहले वाक्य में आगे बढ़ने के लिए कहा गया है, जबकि दूसरे वाक्य में आगे बढ़ने से मना किया गया है।

चित्र से संबंधित वाक्यों में लगा हुआ चिह्न (,) विराम-चिह्न का एक प्रकार है। वाक्य में जिन स्थानों पर रुकना होता है, वहाँ विराम चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जिससे वाक्य का अर्थ स्पष्ट रूप से समझ में आ जाता है।

विराम का अर्थ होता है– रुकना। विराम-चिह्न अर्थात् भाषा या वाक्य में रुकने के लिए प्रयुक्त चिह्न, जो वाक्य का सही अर्थ स्पष्ट करता है।

लिखते समय बात को स्पष्ट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग विराम (रुकने) के लिए किया जाता है, उन्हें '**विराम-चिह्न**' कहते हैं।

ये भी जानें

- विराम-चिह्नों के प्रयोग से वाक्यों में स्पष्टता आती है।
- विराम-चिह्नों का प्रयोग नहीं होने से वाक्यों के अर्थ स्पष्ट नहीं हो पाते हैं।

  जैसे– लिखो मत पढ़ो। इस वाक्य में 'मत' शब्द 'लिखो' के साथ भी हो सकता है और 'पढ़ो' के साथ भी। 'लिखो, मत पढ़ो।', 'लिखो मत, पढ़ो।' इन दोनों वाक्यों के अर्थ भिन्न-भिन्न हैं।

हिंदी के कुछ विराम-चिह्न इस प्रकार हैं–

१. **पूर्ण विराम (।) –** पूर्ण विराम का अर्थ होता है– पूरी तरह से रुकना। यह चिह्न वाक्य पूरा होने के बाद उसके अंत में लगाया जाता है। जैसे–

- यह हमारा विद्यालय है।
- बच्चे पढ़ रहे हैं।

२. **अल्प विराम (,) –** अल्प विराम का अर्थ होता है– थोड़ा रुकना। वाक्य लिखते या बोलते समय जब हम थोड़ी देर के लिए रुकते हैं, तब अल्प विराम का चिह्न (,) लगाया जाता है। जैसे–

(क) **एक ही प्रकार के कई शब्दों को अलग-अलग करने के लिए–**

- माँ बाज़ार से सेब, पपीता, नारियल और तरबूज़ खरीदकर लाई हैं।
- क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और शतरंज मेरे प्रिय खेल हैं।

(ख) **वाक्यांशों को जोड़ने के लिए–**

- वैशाली ने स्कूल से आकर यूनीफॉर्म बदली, स्नान किया, खाना खाया और गृहकार्य पूरा किया।
- माँ दाल बीन रही हैं, गीत गुनगुना रही हैं और मुसकरा भी रही हैं।

(ग) **किसी दूसरे व्यक्ति के कथन को स्पष्ट करने के लिए–**

- पी. टी. टीचर ने कहा, "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मानसिकता का विकास होता है।"
- माँ ने पूछा, "बेटी, तुम क्या खाओगी?"

(घ) **हाँ, नहीं और संबोधन के बाद–**

- दोस्तो, आज मैं आपको एक कविता सुनाता हूँ।
- हाँ, मैंने गृहकार्य पूरा कर लिया।
- नहीं, पिता जी कल आएँगे।

३. **अर्धविराम (;) –** एक से अधिक छोटे वाक्यों को एक बड़े वाक्य में जोड़ने के लिए अर्धविराम (;) का चिह्न लगाया जाता है। जैसे–

- गेहूँ को पीसकर आटा तैयार किया जाता है; आटे से रोटी पकाई जाती है।
- सचिन तेंडुलकर एक अच्छे खिलाड़ी ही नहीं हैं; एक अच्छे इनसान भी हैं।

४. **प्रश्नवाचक चिह्न (?) –** जिन वाक्यों से प्रश्न पूछा जाता है, उन वाक्यों में प्रश्नवाचक-चिह्न (?) लगाया जाता है। जैसे–

- आप कौन हैं?
- आपका घर कहाँ है?
- आपकी घड़ी में कितने बजे हैं?

५. **योजक चिह्न (-) –** शब्द-युग्मों और तुलना करने वाले शब्दों के साथ योजक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे–

- थोड़ा-सा, मोटा-सा, पतला-सा, दूध-जैसा आदि।
- माता-पिता, लड़का-लड़की, रात-दिन, आते-जाते, उठते-बैठते, खाते-पीते आदि।

६. **विस्मयादिबोधक चिह्न (!) –** हर्ष, शोक, आश्चर्य, भय, घृणा आदि मन के भावों को दर्शाने के लिए विस्म्यादिबोधक-चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है। जैसे–

- वाह! तुमने बहुत अच्छा खेला।
- हाय! अब मैं क्या करूँ?
- अरे! अच्छा हुआ तुम आ गए।
- छि:! कितनी गंदगी फैली है।

७. **उद्धरण चिह्न (‘ ’) (“ ”) –** उद्धरण-चिह्न दो प्रकार के होते हैं–

(क) **इकहरा उद्धरण चिह्न (‘ ’) –** इस चिह्न का प्रयोग किसी अक्षर, शब्द, पुस्तक, वस्तु, व्यक्ति या दूसरी भाषा के शब्द को लिखने के लिए किया जाता है। जैसे–

- सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ महान कवि थे।
- शिक्षिका ने विद्यार्थियों को ‘क्ष’ से लिखे जाने वाले शब्दों के बारे में बताया।

(ख) **दोहरा उद्धरण चिह्न (“ ”) –** इस चिह्न का प्रयोग किसी व्यक्ति द्वारा कही गई बात (कथन) को दर्शाने के लिए किया जाता है। जैसे–

- माँ ने बेटे से कहा, "तुम सदैव बड़ों का आदर करना।"
- शिक्षक ने छात्रों से कहा, "अब मैं आपको हिंदी व्याकरण पढ़ाऊँगा।"

८. **निर्देशक चिह्न (–) –** किसी बात का निर्देश देने या किसी उदाहरण, कथन को स्पष्ट करने के लिए निर्देशक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

- दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने कहा– "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

९. **लाघव चिह्न (॰) –** इस चिह्न का प्रयोग शब्दों को संक्षिप्त रूप में दर्शाने के लिए होता है। जैसे–

- प्रश्न– प्र॰
- उत्तर– उ॰
- उत्तर प्रदेश– उ॰ प्र॰
- डॉक्टर– डॉ॰
- टेलीविजन– टी॰ वी॰
- पंडित– पं॰



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. इकहरे उद्धरण-चिह्न और दोहरे उद्धरण-चिह्न में क्या अंतर है?

....

....

प्रश्न २. अल्प विराम और अर्धविराम का प्रयोग कहाँ-कहाँ होता है?

....

....

प्रश्न ३. योजक चिह्न और निर्देशक चिह्न में अंतर स्पष्ट कीजिए–

योजक चिह्न	निर्देशक चिह्न

प्रश्न ४. प्रश्नवाचक चिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न में अंतर स्पष्ट कीजिए–

प्रश्नवाचक चिह्न	विस्मयादिबोधक चिह्न

प्रश्न ५. सही जोड़े मिलाइए–

(क) प्रश्नवाचक चिह्न	(i) (,)
(ख) अर्धविराम	(ii) (-)
(ग) लाघव चिह्न	(iii) (!)
(घ) विस्मयादिबोधक चिह्न	(iv) (॰)
(ङ) योजक चिह्न	(v) (;)
(च) अल्प विराम	(vi) (?)

प्रश्न ६. वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए–

(क) कितने बजे हैं

(ख) मनुज ललित दीप और राघव के साथ दिल्ली जा रहा है

(ग) मेरे माता पिता रोज़ सुबह शाम उपवन में सैर के लिए जाते हैं

(घ) आप क्या खाएँगे

(ङ) धान से चावल निकलता है चावल से भात पकाया जाता है

(च) छि: कितनी गंदगी फैली है

(छ) डॉ ने दवाई दी

(ज) आह मेरे पैर में चोट लगी है

१९ मुहावरे और लोकोक्तियाँ



चित्र पहचानकर उनसे संबंधित मुहावरे तथा उनके अर्थ चुनकर लिखिए–

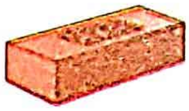
ईंट का जवाब पत्थर से देना, घी के दीये जलाना, अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना, ईंट-से-ईंट बजाना, नौ-दो-ग्यारह होना

भाग जाना, करारा जवाब देना, अपना नुकसान स्वयं करना, खुशियाँ मनाना, सब कुछ नष्ट कर देना

 पर  

मुहावरा– अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना

अर्थ– अपना नुकसान स्वयं करना

 से  

मुहावरा– ____________________

अर्थ– ____________________

 के  

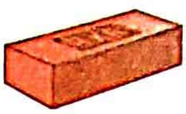
मुहावरा– ____________________

अर्थ– ____________________

 +  

मुहावरा– ____________________

अर्थ– ____________________

 का  

मुहावरा– ____________________

अर्थ– ____________________

उपर्युक्त चित्रों से संबंधित मुहावरे आपने चुनकर लिखे। जिनका विशेष और वास्तविक अर्थ शाब्दिक अर्थ से अलग है। जैसे– 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' का अर्थ है, 'अपना नुकसान स्वयं करना'। ऐसे ही वाक्यांश 'मुहावरा' कहलाते हैं।

विशेष अर्थ बताने वाले वाक्यांश को 'मुहावरा' कहते हैं।

➤ **कुछ अन्य मुहावरे–**

१. मुँह में पानी आना– लालच करना

वाक्य : गरम-गरम जलेबी देखकर मेरे मुँह में पानी आ गया।

२. दुम दबाकर भागना– डर के मारे भागना

वाक्य : पुलिस को आता देख चोर दुम दबाकर भाग गया।

३. दौड़-धूप करना– बहुत मेहनत करना

वाक्य : आज-कल तनवीर अपनी दुकान चलाने के लिए बहुत दौड़-धूप कर रहा है।

४. दंग रह जाना– बहुत हैरान होना

वाक्य : रोहन का परीक्षा परिणाम देखकर मैं दंग रह गई।

५. एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना– बहुत अधिक मेहनत करना

वाक्य : मैंने परीक्षा में सफल होने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया।

६. सिर नीचा होना– लज्जित होना

वाक्य : गलती का अहसास होने पर राजन का सिर नीचा हो गया।

७. दाँतों तले उँगली दबाना– आश्चर्य करना

वाक्य : पाँचवीं कक्षा के एक छात्र ने इतनी सुंदर पेंटिंग बनाई कि देखने वालों ने दाँतों तले उँगली दबा ली थी।

८. कानों पर विश्वास न होना– आश्चर्य चकित होना

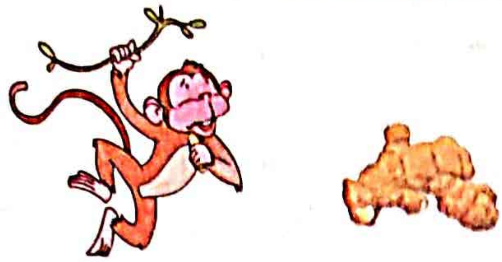
वाक्य : जब पिता जी ने कहा, "मैंने तुम्हारे स्विट्जरलैंड जाने के लिए हवाई जहाज़ का टिकट बुक कर दिया है।" तब मुझे अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ।

९. दिल टूटना– निराश होना

वाक्य : जब हमारी कक्षा की पिकनिक रद्द हुई, तब मेरा दिल टूट गया।

१०. छाती पर साँप लोटना– ईर्ष्या से जलना

वाक्य : पड़ोसी की सफलता देखकर अमीत की छाती पर साँप लोटने लगा।



बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद



न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी

ऊपर्युक्त चित्रों के नीचे लिखी गई बातें क्रमश: '**अज्ञानी व्यक्ति गुणकारी वस्तु की कदर नहीं जानता**' तथा '**झगड़े या मुसीबत के मूल कारण को नष्ट कर देना**' का अर्थ बता रहे हैं। इन्हें ही 'लोकोक्ति' कहते हैं।

लोगों के अनुभव पर आधारित लोक कथन या उक्तियाँ '**लोकोक्ति**' कहलाती हैं।

ये भी जानें

- लोकोक्ति अर्थात् लोक (लोग) + उक्ति (प्रचलित बात)।
- लोकोक्ति को ही 'कहावत' भी कहते हैं।
- कहावतें लोगों के अनुभव से बनती हैं, जिसका प्रयोग आम बोलचाल में होता है।
- लोकोक्ति अपने आप में पूर्ण वाक्य की तरह होती है।
- इसका प्रयोग भाषा को सुंदर, सरस व प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है।

लोकोक्ति के आधार पर कहानी

खोदा पहाड़ निकली चुहिया

एक बार की बात है। धेनुनगरी में राजा चंद्रधर सुखपूर्वक राज्य करते थे। राजा-प्रजा दोनों एक-दूसरे से संतुष्ट थे। हर तरफ़ खुशहाली छाई थी, क्योंकि राज्य धन-धान्य से संपन्न था। एक दिन राजा के दरबार में कहीं से एक कबूतर चिट्ठी ले आया, जिसमें राजा को युद्ध के लिए चुनौती दी गई थी। चिट्ठी किसी प्रदेश की महारानी की थी, लेकिन उसने अपना नाम नहीं बताया था। चिट्ठी में लिखा था कि राजा या तो युद्ध में उसे पराजित करें या उसकी अधीनता स्वीकार करें। यद्यपि रानी के नाम का पता न था, फिर भी राजा ने उससे युद्ध की चुनौती स्वीकार कर ली और उन्होंने उत्तर कबूतर के द्वारा भेज दिया। उसमें यह लिखा था कि 'हम आपसे युद्ध करने के लिए तैयार हैं।'

इधर ज़ोर-शोर से राजधानी में युद्ध की तैयारियाँ शुरू हो गईं। उधर महारानी भी युद्ध की तैयारियाँ करने लगी। उसने एक चूहे को पहाड़ के नीचे बैठा दिया। वह चूहा हर आने-जाने वाले से पूछता, "अरे भाई, तुम्हारे राजा तुम्हें मज़दूरी के कितने रुपये देते हैं?" यदि उत्तर मिलता, "एक रुपया" तो वह कहता, "मेरी महारानी की नौकरी करोगे, तो वे तीन रुपये देंगी।" भला तिगुने वेतन पर कौन नौकरी न करता! महारानी के यहाँ नौकरों की संख्या बढ़कर हज़ारों के आस-पास पहुँच गई। जब भी कोई महारानी के बारे में पूछता तो चूहा कह देता कि महारानी इसी पहाड़ पर हैं। उचित समय आने पर ही बाहर निकलेंगी।

राजा के पास युद्ध की खबर पहुँची। उसने ज्यों ही अपनी फ़ौज इकट्ठी करनी चाही, पता चला कि सारे सिपाही पहाड़वाली रानी के नौकर हो गए। जब उन्होंने अपना कोष देखा तो उनके पैरों तले ज़मीन ही खिसक गई। बाहर से ताला लगा हुआ था, लेकिन अंदर से सुरंग द्वारा सारा खज़ाना गायब हो चुका था।

विवश होकर राजा ने पहाड़वाली रानी की अधीनता स्वीकार कर ली। बाद में राजा ने जब लोगों से रानी के बारे में पूछा तो पता चला कि वे यहीं पास के पहाड़ पर बने किसी महल में रहती हैं और राज्य के लोगों को किसी चूहे ने नौकर रखा है।

पहाड़वाली रानी के संबंध में जब राजा को कुछ समझ में नहीं आया तो उन्हें एक उपाय सूझा। उसने ऐलान किया कि जो कोई पहाड़वाली रानी को जीत लेगा, वे उसका विवाह अपनी पुत्री से कर देंगे।

दूर-दूर से कई राजकुमार आए, लेकिन रानी का पता लगाने में असमर्थ रहे। अंत में एक राजकुमार अपनी बड़ी फ़ौज के साथ आया। उसने सारा पहाड़ छान मारा, लेकिन न रानी मिली न उसका महल। हाँ! एक चूहा ज़रूर मिला लेकिन कुछ बताने के पहले ही वह एक सिपाही के घोड़े के पैरों तले दबकर स्वर्ग सिधार गया।

परेशान होकर राजकुमार ने सिपाहियों को पूरा पहाड़ ही खोद डालने का आदेश दिया। पूरा पहाड़ खुद गया, लेकिन कुछ हाथ न लगा। अंत में जब एक टीले की खुदाई हो रही थी तो उसमें एक बड़ा-सा बिल मिला। बिल में एक सुंदर-से सिंहासन पर सज-धजकर बैठी एक चुहिया दिखी, जो शोरगुल सुनकर भाग गई। सभी अचंभित रह गए।

चुहिया रानी को देखकर सारे सिपाही हँस पड़े और बोले, "खोदा पहाड़, निकली चुहिया।" तभी से हर बड़े काम का छोटा परिणाम निकलने पर लोग कहने लगे, "खोदा पहाड़, निकली चुहिया।"

–हरिकृष्ण देवसरे

➤ **कुछ अन्य लोकोक्तियाँ–**

१. जैसी करनी वैसी भरनी– काम के अनुसार फल मिलना

वाक्य : रोमी ने सारा साल खेल-कूद में बिता दिया, इसलिए परीक्षा में उसके अच्छे अंक नहीं आए। इसे कहते हैं– जैसी करनी वैसी भरनी।

२. आम के आम गुठलियों के दाम– दुहरा लाभ होना

वाक्य : आशीष ने जैसे ही पढ़ाई पूरी की, अपनी सारी पुरानी पुस्तकें अच्छे दामों में बेच दीं। इसे कहते हैं– आम के आम गुठलियों के दाम।

३. नाच न जाने आँगन टेढ़ा– काम न आने पर दूसरों को दोषी बनाना

वाक्य : मैच हारने के बाद जब खिलाड़ियों ने मौसम को इसका कारण बताया तो कोच बोले– नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

४. अधजल गगरी छलकत जाए– कम ज्ञानी व्यक्ति का अधिक दिखावा करना

वाक्य : तुम थोड़ी-सी संस्कृत पढ़कर स्वयं को विद्वान समझने लगे हो। सच है– अधजल गगरी छलकत जाए।

५. एक अनार सौ बीमार– वस्तु की कमी और माँग की अधिकता होना

वाक्य : कक्षा में एक ही बच्चे को मॉनीटर बनाया जाना था। सभी बच्चे मॉनीटर बनना चाहते थे। यह तो वही बात हुई– एक अनार सौ बीमार।

६. खोदा पहाड़, निकली चुहिया– ज़्यादा मेहनत, कम फ़ायदा

वाक्य : पड़ोस में अचानक बहुत तेज़ झगड़ा होने के जैसी आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग दौड़े। वहाँ जाकर देखा कि बच्चे वीडियो गेम खेल रहे थे। यह तो वही बात हुई– खोदा पहाड़, निकली चुहिया।

७. दूध का दूध, पानी का पानी– सही न्याय करना

वाक्य : भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्दोष को फाँसी से बचाकर दूध का दूध, पानी का पानी कर दिया।

८. चोर की दाढ़ी में तिनका– दोषी व्यक्ति का स्वयं डर जाना

वाक्य : मीरा ने काँच का गिलास तोड़ दिया, तो उसकी घबराहट देखकर माँ समझ गई कि चोर की दाढ़ी में तिनका।

९. आ बैल मुझे मार– खुद मुसीबत को बुलाना

वाक्य : ब्राजील के खिलाड़ी ने अपने ही पोस्ट में गोल करके 'आ बैल मुझे मार' की कहावत को सच कर दिया।

➤ **मुहावरे और कहावतों के कुछ अन्य उदाहरण–**

१. कोल्हू का बैल– लगातार मेहनत करना

वाक्य : कुछ लोग घर के नौकर को कोल्हू का बैल बना देते हैं।

२. नाक में दम करना– परेशान करना

वाक्य : आजकल आवारा कुत्तों ने सड़क चलते लोगों की नाक में दम कर दिया है।

३. आँखें दिखाना– डराना

वाक्य : खिलौना पाने का हठ करने पर पापा ने बच्चे को आँखें दिखाईं।

४. पीठ थपथपाना– शाबाशी देना

वाक्य : साजिद जब परीक्षा में विशेष योग्यता के साथ पास हुआ, तब प्राचार्य ने उसकी पीठ थपथपाई।

५. मान न मान, मैं तेरा मेहमान– जबरदस्ती गले पड़ना

वाक्य : नीलिमा साधना से दूर भागती है, फिर भी साधना उसका पीछा नहीं छोड़ती। इसे कहते हैं– मान न मान, मैं तेरा मेहमान।

६. हाथ बँटाना– मदद करना

वाक्य : अच्छे बच्चे घर के कामों में माता-पिता का हाथ बँटाते हैं।

७. लातों के भूत बातों से नहीं मानते– दुष्ट व्यक्ति प्यार से नहीं मानते

वाक्य : अध्यापिका ने छात्र को प्यार से समझाया कि अपनी गलती मान ले, परंतु वह नहीं माना। डाँट खाने पर उसने अपनी गलती मानी। इसे कहते हैं– लातों के भूत बातों से नहीं मानते।

८. साँच को आँच नहीं– सच्चे व्यक्ति को कोई डर नहीं होता

वाक्य : तुमने कोई गलती नहीं की है। फिर भी घबरा रहे हो। विद्वानों की कही बात याद करो– साँच को आँच नहीं।

९. अँगूठा दिखाना– चिढ़ाना, मना करना

वाक्य : कुछ स्वार्थी लोग आपसे मदद लेने के बाद आपको अँगूठा दिखा देते हैं।

१०. चिराग तले अँधेरा– बढ़ा-चढ़ाकर बोलना

वाक्य : रमेश के पिता दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं, खुद उनका बेटा क्या करता है, उन्हें मालूम नहीं है। इसे कहते हैं– चिराग तले अँधेरा।

११. आँखों का तारा– बहुत प्यारा

वाक्य : समीर सारी परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी पाता है, इसीलिए वह सभी शिक्षकों की आँखों का तारा है।

१२. अपना उल्लू सीधा करना– अपना स्वार्थ पूरा करना

वाक्य : रमेश ने महेश से अपना उल्लू सीधा करने के लिए दोस्ती की है।

१३. भीगी बिल्ली बनना– डर जाना

वाक्य : जब बच्चों को शैतानी के लिए डाँटा जाता है, तब वे भीगी बिल्ली बन जाते हैं।

१४. मक्खी मारना– व्यर्थ में समय गँवाना

वाक्य : हेमंत नौकरी से इस्तीफ़ा देने के बाद आज-कल मक्खी मार रहा है।

१५. एक करेला दूजे नीम चढ़ा– एक दोष होने पर दूसरा दोष भी मिल जाना

वाक्य : दीनू अक्खड़ तो थे ही, अब बात-बात पर झगड़ने भी लगे हैं। इसे कहते हैं– एक करेला दूजे नीम चढ़ा।

१६. अंधों में काना राजा– मूर्खों में कम पढ़ा-लिखा भी सम्मान पाता है

वाक्य : निरक्षरों के गाँव में आठवीं पास कालू की सभी लोग तारीफ़ करते हैं। सच है– अंधों में काना राजा।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. आप बोलते समय किस मुहावरे का प्रयोग करते हैं? अर्थ के साथ लिखिए–

....

....

....

प्रश्न २. लोकोक्तियों का उनके अर्थ के साथ मिलान कीजिए–

लोकोक्ति
(क) जैसी करनी वैसी भरनी
(ख) आम के आम गुठलियों के दाम
(ग) खोदा पहाड़ निकली चुहिया
(घ) आ बैल मुझे मार
(ङ) दूध का दूध, पानी का पानी

अर्थ
(i) सही न्याय करना
(ii) मुसीबत को खुद बुलाना
(iii) दोहरा फ़ायदा मिलना
(iv) अधिक मेहनत, कम लाभ
(v) काम के अनुसार फल मिलता है

प्रश्न ३. शरीर के अंगों से संबंधित मुहावरे लिखिए–

(क) दिल – दिल पसीजना दया आना।

(ख) आँख – आँख का तारा - बहुत प्यारा

(ग) दाँत – दाँतों तले उँगली दबाना चकित होना।

(घ) एड़ी-चोटी – एड़ी चोटी का जोर लगाना — पूरा जोर लगाना

(ङ) कान – कान खोलना सावधान करना।

(च) हाथ – हाथ के मलते जाना - पछताना।

(छ) सिर – सिर पीटना - शोर करना।

(ज) पेट – पेट मे चूहे दौड़ना - बहुत भूख लगना।

(झ) अँगूठा – अँगूठा दिखाना साफ मना करना

प्रश्न ४. पशु-पक्षियों से संबंधित मुहावरे और लोकोक्तियाँ लिखिए–

(क) चुहिया – ....

(ख) बिल्ली – ....

(ग) बैल – ....

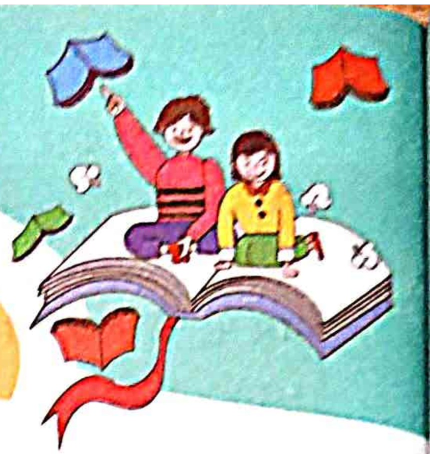
(घ) उल्लू – ....

(ङ) बंदर – ....

(च) मक्खी – ....

प्रश्न ५. 'जैसी करनी वैसी भरनी' लोकोक्ति के आधार पर कहानी लिखिए–

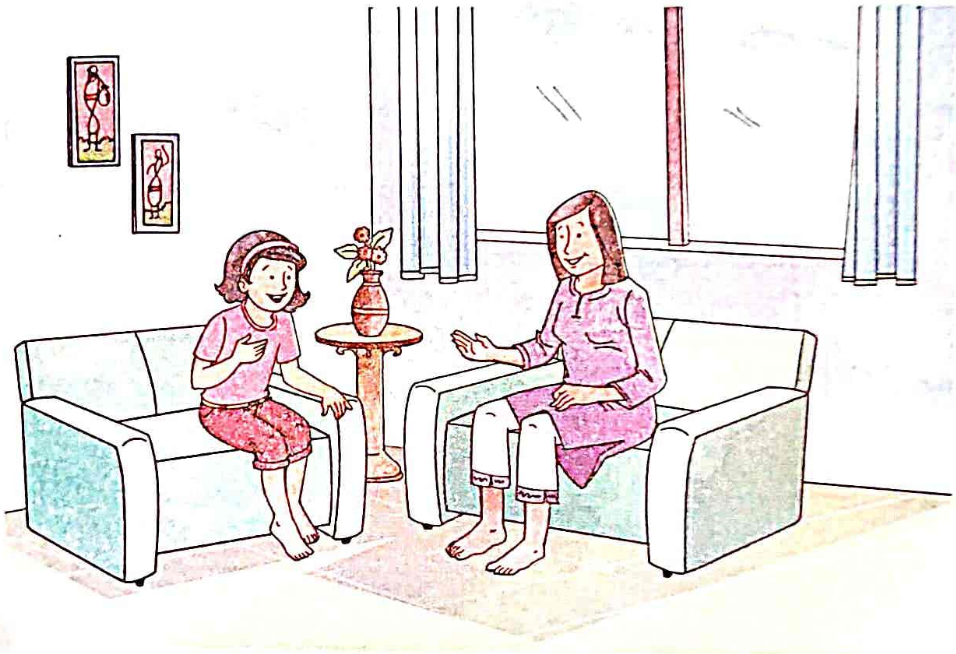
२० अपठित गद्यांश



दिए गए वाक्यों को पढ़िए और समझिए–

माँ– कृति, स्कूल में आज का दिन कैसा रहा? क्या-क्या सीखा?

कृति– माँ, आज बहुत मज़ा आया। हिंदी विषय की शिक्षिका ने हमें एक अनुच्छेद पढ़ने के लिए दिया। फिर बारी-बारी उस पर आधारित प्रश्न हम सभी से पूछें। हमने उन प्रश्नों के उत्तर दिए। हमें बहुत मज़ा आया।



माँ– बहुत अच्छे। क्या वह अनुच्छेद तुम्हारी हिंदी की किताब में से ही लिया गया था?

कृति– नहीं माँ, हमने तो पहले उस अनुच्छेद को देखा भी नहीं था।

माँ– इसका मतलब है, वह अनुच्छेद नहीं बल्कि गद्य का एक अंश यानी 'गद्यांश' था। वह गद्यांश पहले तुम लोगों ने कभी पढ़ा नहीं था, इसलिए वह 'अपठित गद्यांश' कहलाएगा।

कृति– अपठित गद्यांश?

माँ– हाँ..., अपठित गद्यांश में हम कभी न पढ़े गए गद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर हल करते हैं।

किसी गद्य का वह अंश जिसे कभी पढ़ा न गया हो, उसे '**अपठित गद्यांश**' कहते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें–

- अपठित गद्यांश को पहले दो-तीन बार ध्यान से पढ़ें।

- फिर प्रश्नों को पढ़ें और गद्यांश में से ही उनके उत्तर खोजें।
- प्रश्नों के उत्तर लिखते समय शब्दावली व भाषा का ध्यान रखें।
- जितना पूछा जाए, उतना ही उत्तर दें।

उदाहरण

मैं भारत का रहने वाला हूँ। विश्व में मेरे देश का गौरवपूर्ण स्थान है। मेरे देश की महिमा निराली है। इसके उत्तर में बरफ़ से ढकी हिमालय की चोटियाँ हैं और दक्षिण में विशाल हिंद महासागर। भारत में अनेक नदियाँ बहती हैं। इनमें गंगा, यमुना, नर्मदा, कृष्णा, कावेरी व ब्रह्मपुत्र अपना विशेष स्थान रखती हैं। भारत में कहीं रेतीले प्रदेश हैं, तो कहीं पहाड़ी और कहीं समतल धरती। राम, कृष्ण, महावीर, गौतम बुद्ध, गुरुनानक देव, मदर टेरेसा आदि महान लोगों का स्थल भी भारत ही है। छह ऋतुओं– हेमंत, वर्षा, वसंत, शिशिर, शरद, पतझड़ का आगमन भी यहीं होता है। हमें अपने देश पर सदा गर्व करना चाहिए।

प्रश्नोत्तर–

१. विश्व में भारत का कैसा स्थान है?

(क) भावपूर्ण ☐ (ख) सम्मानपूर्ण ☐

(ग) गौरवपूर्ण ☑ (घ) आनंदपूर्ण ☐

२. भारत के दक्षिण दिशा में क्या स्थित है?

(क) अटलांटिक महासागर ☐ (ख) प्रशांत महासागर ☐

(ग) अंटार्कटिका महासागर ☐ (घ) हिंद महासागर ☑

३. भारत में बहने वाली प्रमुख नदियों के नाम लिखिए।

उत्तर– भारत में बहने वाली प्रमुख नदियों के नाम– गंगा, यमुना, नर्मदा, कृष्णा, कावेरी व ब्रह्मपुत्र हैं।

४. भारत के महापुरुषों के नाम लिखिए।

उत्तर– भारत के महापुरुषों के नाम हैं– राम, कृष्ण, महावीर, गौतम बुद्ध, गुरुनानक देव, मदर टेरेसा आदि।

५. छह ऋतुओं के नाम लिखिए।

उत्तर– छह ऋतुओं के नाम हैं– हेमंत, वर्षा, वसंत, शिशिर, शरद, पतझड़।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए–

युगों पहले पृथ्वी पर एक प्रभावशाली राजा राज्य करता था। उसका नाम सागर था। उसके साठ हज़ार बेटे थे। एक बार राजा सागर ने अश्वमेध-यज्ञ किया। उसने एक सुंदर घोड़ा चुनकर यज्ञ में छोड़ दिया। स्वर्ग के राजा इंद्र ने सोचा कि यदि राजा सागर का यज्ञ पूरा हो गया तो उनका सम्मान मुझसे अधिक हो जाएगा और उनकी शक्तियाँ भी बढ़ेगी। इंद्र ने ऐसी स्थिति से बचने के लिए यज्ञ के घोड़े को पाताल में ऋषि कपिल के आश्रम में छिपा दिया। ऋषि कपिल उस समय समाधि में लीन थे। राजा सागर ने अपने साठ हज़ार पुत्रों को घोड़े की खोज में भेजा। उन्होंने घोड़े को कपिल मुनि के आश्रम में ढूँढ़ लिया। राजा के पुत्रों ने सोचा कि घोड़ा मुनि ने चुराया है, तो उन्होंने मुनि को अपशब्द कहे। कपिल मुनि ने अपने क्रोध से राजा सागर के साठ हज़ार पुत्रों को वहीं भस्म कर दिया। काफ़ी समय बीतने पर जब राजा के पुत्र नहीं पहुँचे तो उसने अपने पोते अंशुमान को उनकी खोज में भेजा। अंशुमान को पूरी परिस्थिति समझ में आ गई। जब वह कपिल मुनि के आश्रम में पहुँचा तो उसने अपने पुरखों की राख के ढेर को वहाँ देखा। उन्हें मुक्त करने के लिए उसने मुनि की सेवा की। सेवा से प्रसन्न होकर कपिल मुनि ने अंशुमान को बताया– "यदि गंगा पृथ्वी पर उतर कर इस राख को स्पर्श करे तो सारे राजकुमार जी उठेंगे।"

प्रश्न–

१. राजा सागर के कितने पुत्र थे?

(क) साठ हज़ार ☐ (ख) साठ सौ ☐

(ग) सत्तर हज़ार ☐ (घ) सत्तर सौ ☐

२. एक सुंदर घोड़ा चुनकर किसके लिए छोड़ा गया?

(क) खेती के लिए ☐ (ख) यातायात के लिए ☐

(ग) यज्ञ के लिए ☐ (घ) घुड़सवारी के लिए ☐

३. राजा सागर के पुत्रों को घोड़ा कहाँ मिला?

उत्तर– ....

४. अंशुमान ने कपिल मुनि के आश्रम में क्या देखा?

उत्तर– ....

५. राजकुमार कब जी उठेंगे?

उत्तर– ....

प्रश्न २. नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए–

मातृभाषा क्या होती है? ऐसी भाषा जिसे कोई बच्चा सबसे पहले बोलना सीखता है। 'हिंदी' भारत के अधिकांश लोगों की मातृभाषा है। हिंदी की जननी 'संस्कृत' है। संस्कृत भाषा सभी को समझ में नहीं आती थी, इसलिए उसका थोड़ा सरल रूप खड़ी बोली ने ग्रहण कर लिया और धीरे-धीरे खड़ी बोली का स्वरूप सँवरता चला गया, उसी को आज 'हिंदी' कहा जाता है। हिंदी बोलचाल और साहित्य की भाषा बन गई। १४ सितंबर १९४९ को इसे 'राजभाषा' घोषित किया गया। आज सभी सरकारी विभागों में हिंदी में किए गए कार्यों को सहृदयता से स्वीकार किया जाता है।

प्रश्न–

१. बच्चा सबसे पहले कौन-सी भाषा बोलना सीखता है?

(क) राष्ट्रभाषा ☐ (ख) मातृभाषा ☐

(ग) विदेशी भाषा ☐ (घ) राजभाषा ☐

२. हिंदी भाषा को राजभाषा कब घोषित किया गया?

(क) १४ दिसंबर १९४९ ☐ (ख) १४ दिसंबर १९४८ ☐

(ग) १४ सितंबर १९४८ ☐ (घ) १४ सितंबर १९४९ ☐

३. खड़ी बोली ने संस्कृत भाषा का सरल रूप क्यों ग्रहण कर लिया?

उत्तर– ....

४. हिंदी किसकी भाषा बन गई?

उत्तर– ....

५. 'अस्वीकार' का विलोम शब्द गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर– ....

२१ कहानी-लेखन

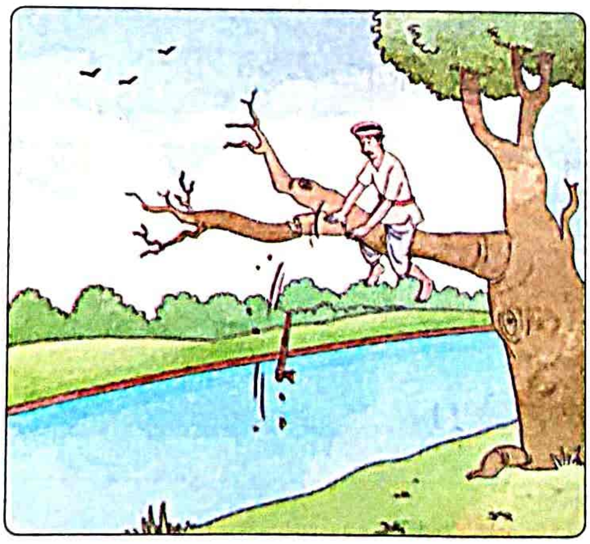
कहानी सुनने-सुनाने में सभी की रुचि होती है। लगभग सभी बच्चे अपने बड़ों से, दादी-नानी से कहानी सुनाने के लिए हठ तक करते हैं। कहानियाँ रोचक और मनोरंजक होती हैं। साथ ही ये जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ-न-कुछ उपदेश भी देती हैं। हम अकसर कहानी सुनते हैं। तो चलिए, हम आज सीखते हैं कि कहानी कैसे लिखी जाए।

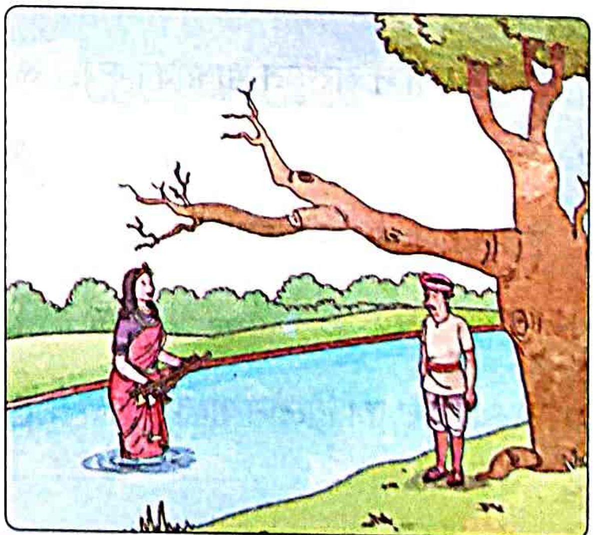
ध्यान रखने योग्य बातें–

- कहानी सरल व रोचक होनी चाहिए।
- कहानी के वाक्य छोटे-छोटे होने चाहिए।
- चित्र या संकेतों से कहानी समझ में आ जानी चाहिए।
- कहानी सोच-विचार कर लिखनी चाहिए।
- कहानी का शीर्षक छोटा होना चाहिए।
- कहानी का अंत अच्छा व स्वाभाविक होना चाहिए।
- कहानी का संदेश प्रेरणादायी होना चाहिए।

चित्र व संकेतों की सहायता से कहानी लिखना

ईमानदार लकड़हारा





मुद्दे–

- एक लकड़हारे का नदी किनारे के एक पेड़ से सूखी लकड़ियाँ काटना
- लोहे की कुल्हाड़ी के नदी में गिर जाने से लकड़हारे का रोना
- जलपरी का आकर बारी-बारी से सोने तथा चाँदी की कुल्हाड़ी लकड़हारे को देना लेकिन लकड़हारे का मना करना
- जलपरी द्वारा लोहे की कुल्हाड़ी दिखाते ही लकड़हारे का उससे अपनी कुल्हाड़ी देने की विनती करना
- लकड़हारे की ईमानदारी से खुश होकर जलपरी का उसे तीनों कुल्हाड़ी देते हुए आशीर्वाद देना

कहानी–

एक लकड़हारा था। एक दिन वह नदी के किनारे एक पेड़ से सूखी लकड़ियाँ काट रहा था। अचानक उसके हाथ से कुल्हाड़ी छूटकर नदी में जा गिरी। अपनी कुल्हाड़ी के पानी में डूब जाने के कारण वह उदास होकर रोने लगा।

उसका रोना सुनकर जलपरी प्रकट हुई। उसने लकड़हारे से उसके रोने का कारण पूछा। लकड़हारे ने पानी में गिरी अपनी कुल्हाड़ी के बारे में बताया। उसकी तकलीफ़ जलपरी से नहीं देखी गई। उसने पानी में डुबकी लगाई और एक कुल्हाड़ी लेकर बाहर आई, जो सोने की थी। उसने लकड़हारे से पूछा– "क्या यही तुम्हारी कुल्हाड़ी है?" लकड़हारा बोला, "नहीं, यह सोने की कुल्हाड़ी मेरी नहीं है।" दूसरी बार जलपरी डुबकी लगाकर चाँदी की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आई। लकड़हारे ने उसे भी लेने से इनकार कर दिया। तीसरी बार जलपरी पानी से लोहे की कुल्हाड़ी लेकर आई। उसे देखते ही लकड़हारा प्रसन्नता से उछल पड़ा और बोला, देवी! यही मेरी कुल्हाड़ी है। कृपया मुझे दे दीजिए।" जलपरी उसकी ईमानदारी से बहुत प्रसन्न हुई। उसने उसे तीनों कुल्हाड़ियाँ दे दी और आशीर्वाद देकर अदृश्य हो गई।

संकेतों की सहायता से कहानी लिखना

संकेत-बिंदु–

चुन्नू का नानी से चंद्रमा की कहानी सुनना .... अंतरिक्ष में मैच .... एक खिलाड़ी 'मोनो रोबोट' का बेहोश होना .... मैच दुबारा शुरू होना .... अपनी टीम को रोमांचक जीत मिलना .... माँ के पूछने पर कुछ नहीं बताना .... ।

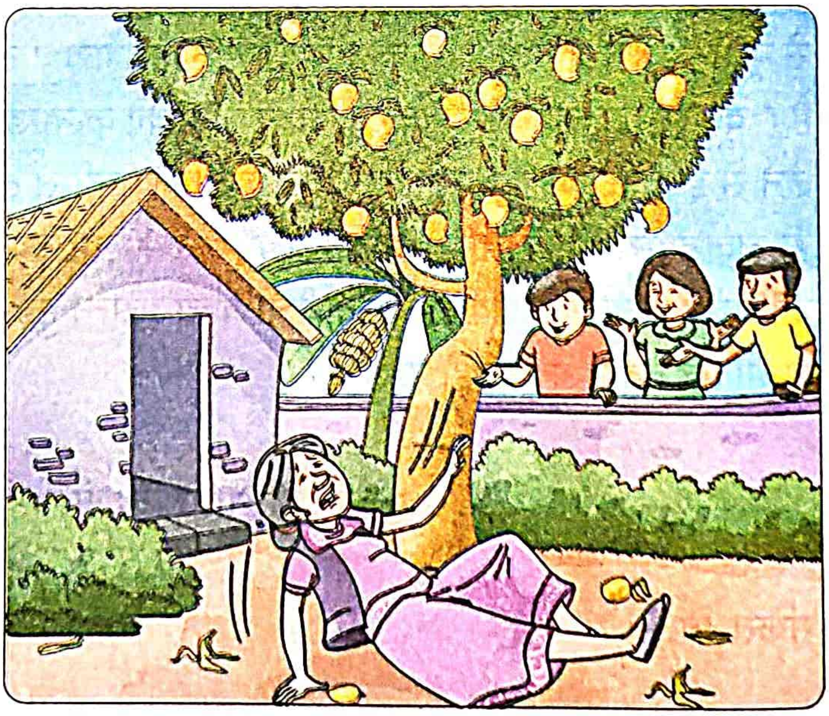
कहानी–

चुन्नू रात में अपनी नानी से चंद्रमा की कहानी सुनते-सुनते सो गया। सपने में उसने देखा कि वह कुछ अंतरिक्ष यात्रियों के साथ चंद्रमा की सतह पर उतर गया है। वहाँ पहुँचकर उसने इधर-उधर नज़र दौड़ाई तो उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। अरे! यह क्या, यहाँ तो 'रोबोट प्रीमियम लीग' का फाइनल मैच खेला जा रहा है। 'मित्र मंडली टीम' का बल्लेबाज़ 'चोनो रोबोट' शतक लगा चुका था और उसकी टीम जीतने ही वाली थी, तभी अचानक एक खिलाड़ी 'मोनो रोबोट' बेहोश हो गया। उसे मैदान से बाहर ले जाया गया। मैच दुबारा शुरू हुआ। अब बारी थी गेंदबाज़ 'चंदा चाचू रोबोट' की। उसने अपनी पहली ही गेंद पर 'चोनो रोबोट' को आउट करके अपनी टीम को रोमांचक जीत दिला दी। चुन्नू नींद में चिल्ला उठा– "चंदा चाचू ज़िंदाबाद।" उसकी माँ ने पूछा– "क्या हुआ बेटा?" वह बोला, "कुछ नहीं माँ, बस मैच खत्म हो गया।" माँ हँस पड़ीं।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. संकेतों के आधार पर नीचे दी गई कहानी पूरी लिखिए–

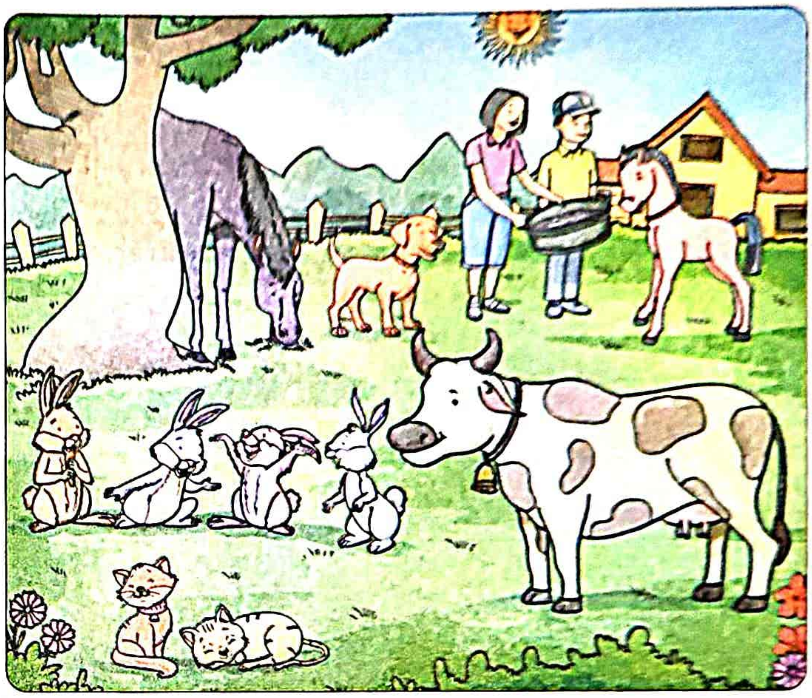


तीन दोस्तों का हमेशा साथ में रहना .... पढ़ाई में होशियार परंतु शरारत करने में भी माहिर .... अकेले जा रही एक बूढ़ी दादी से शरारत करने की सूझना .... केला खाकर छिलका रास्ते पर फेंक देना .... बूढ़ी दादी का पैर फिसलने के कारण उठ न पाना .... उन्हें रोते देख तीनों दोस्तों को बुरा लगना .... उनकी मदद के लिए आगे आना .... बूढ़ी दादी द्वारा ढेर सारा आशीर्वाद देना .... तीनों दोस्तों का पछताना और उसी दिन से शरारत न करने का प्रण लेना।

प्रश्न २. चित्र तथा संकेतों का प्रयोग करके एक भावपूर्ण रोचक कहानी लिखिए–

मुद्दे–

- रोहन और गार्गी का जानवरों से बहुत लगाव होना
- जख्मी घोड़े के बच्चे को अपने फार्महाउस पर लाकर इलाज कराना
- उनके फार्महाउस पर सभी जानवरों (घोड़ा, कुत्ता, बिल्लियाँ, गाय तथा खरगोश) के नाम रखना
- घोड़े के बच्चे को ठीक होते देख रोहन और गार्गी का खुश होना
- सभी जानवरों के साथ रोहन और गार्गी का खेलना



कहानी–

....

....

....

....

....

....

....

....

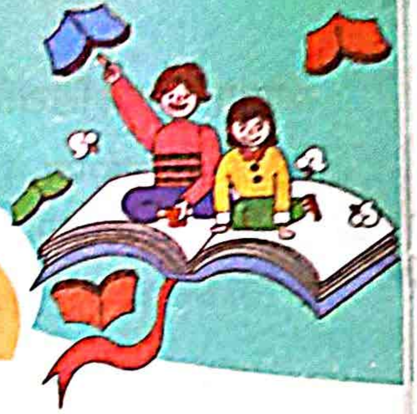
प्रश्न ३. निम्नलिखित मुद्दों की सहायता से कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए–

- नदी किनारे एक पेड़ पर चिड़िया का अंडे देना
- हर बार साँप का उसके अंडे को खा जाना
- चिड़िया का नदी पर नहाने आई रानी के हार को साँप के बिल में लटका देना
- हार का पता लगने पर सिपाहियों का सपेरे को बुलाना
- सपेरे द्वारा साँप को नचाता देख चिड़िया का खुश होना तथा साँप को अपनी गलती का अहसास होना

प्रश्न ४. **निम्नलिखित मुद्दों की सहायता से कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए–**

- आम के पेड़ के नीचे दो आलसियों भीकू और चीकू का लेटना
- पास ही ऊपर से पके हुए आम का गिरना
- दोनों का एक-दूसरे से आम उठाकर लाने के लिए कहते हुए लड़ना
- दोनों का पास ही गुज़रते हुए लड़के से आम उठाकर देने के लिए कहना
- लड़के का आम उठाकर जाते हुए देख दोनों का पछताना

२२ पत्र-लेखन



हम दूसरों तक अपना संदेश किन माध्यमों से पहुँचा सकते हैं? लिखिए–

१. फैक्स

२. ....



३. ....

४. ....

५. ....

आपने जिन माध्यमों के नाम लिखे, उन सभी की सहायता से हम अपनी बात को दूसरों तक पहुँचा सकते हैं।

पुराने ज़माने में केवल हम पत्र के माध्यम से अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते थे, परंतु आज बहुत सारे माध्यम हैं। जैसे– फैक्स, वॉट्सऐप आदि। आधुनिक साधनों के बावज़ूद हम डाक के माध्यम से ज़रूरी कागज़ात, राखी, पत्र या अन्य चीज़ें एक-दूसरे तक पहुँचाते आ रहे हैं।

अनौपचारिक पत्र ← **पत्र के प्रकार** → औपचारिक पत्र

अनौपचारिक पत्र

जो पत्र परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, परिचितों या मित्रों आदि को लिखे जाते हैं, उन्हें 'अनौपचारिक पत्र' कहते हैं।

जैसे– माता-पिता, चाचा-चाची, मामा-मामी, मौसा-मौसी, बुआ-फूफा, दीदी-जीजा, दादा-दादी, नानी-नाना, पड़ोसी, दोस्त और जान-पहचान वालों को लिखे जाने वाले पत्र इसी श्रेणी में आते हैं।

औपचारिक पत्र

जो पत्र कार्यालयों, सरकारी विभागों या व्यापारिक प्रतिष्ठानों आदि को लिखे जाते हैं, उन्हें 'औपचारिक पत्र' कहते हैं।

जैसे– विद्यालय के प्रधानाचार्य, कॉलेज के प्राचार्य, विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर, बैंक के मैनेजर, कार्यालय के अधिकारी या सरकारी विभाग के मंत्री आदि को लिखे जाने वाले पत्र इसी श्रेणी में आते हैं।

औपचारिक पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें–

- औपचारिक पत्र में नाम नहीं बल्कि पदनाम लिखा जाता है। जैसे– आदरणीय प्रधानाचार्य, महोदय/महोदया
- पदनाम के बाद विभाग का पूरा पता पिन कोड/पिन नंबर के साथ लिखना चाहिए।
- उचित एवं विनम्र संबोधन के बाद अगली पंक्ति से अपना प्रमुख संदेश या सूचना लिखनी चाहिए।
- अंत में आपका आज्ञाकारी शिष्य या आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या लिखकर कक्षा और वर्ग का नाम लिखना चाहिए।
- औपचारिक पत्र को सरल, स्पष्ट भाषा और कम-से-कम शब्दों में लिखना चाहिए।

अनौपचारिक पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें–

- पत्र की भाषा सरल और स्पष्ट होनी चाहिए।
- उचित संबोधन के लिए 'संबंध' का ध्यान रखना चाहिए।
- व्याकरण की गलती से बचने के लिए वाक्य छोटे-छोटे होने चाहिए।
- सूचना या संदेश कम-से-कम शब्दों में स्पष्ट हो जाना चाहिए।
- भाषा विनम्र और लिखावट सुंदर होनी चाहिए।

औपचारिक पत्र का प्रारूप

परीक्षा भवन ⟶ (भेजने वाले का पता, छात्रों से घर का पता भी लिखवाया जा सकता है।)

मुंबई

३० अप्रैल, २०.......... ⟶ (पत्र लिखने की तिथि)

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी
संजय इंटरनेशनल स्कूल
सांताक्रुज (पश्चिम)
मुंबई– ४०००५५

(पत्र पाने वाले का पद व पता)

विषय– दो दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र ⟶ (विषय)

महोदय/महोदया, ⟶ (संबोधन)

.... (अपना परिचय)

.... (विषय-विस्तार)

धन्यवाद! ⟶ (समापन)

आपका/आपकी ....

क. ख. ग.

➤ **दो दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र–**

सेवा में,

प्रधानाचार्या,
सूर्योदय इंटरनेशनल स्कूल,
सांताक्रुज (पश्चिम),
मुंबई– ४०००५५

दिनांक– ०५/०७/२० ...

विषय– दो दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र।

आदरणीय महोदया,

विनम्र निवेदन है कि मुझे पिछले दो दिनों से तेज़ बुखार है। कल मैं पिता जी के साथ डॉक्टर के पास गया था। डॉक्टर ने जाँच के बाद मुझे दो दिन आराम करने की सलाह दी है।

अत: आपसे सविनय निवेदन है कि मुझे आज दिनांक ०५/०७/२०....... और दि. ०६/०७/२०....... को अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

महोदया, मैं इन दो दिनों का गृहकार्य घर में पूरा कर लूँगा।

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

अमन,

कक्षा– पाँच 'अ'

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

परीक्षा भवन ⟶ (भेजने वाले का पता)

मुंबई

३० अप्रैल, २०.......... ⟶ (पत्र लिखने की तिथि)

प्रिय/आदरणीय ⟶ (संबोधन)

सस्नेह/सादर प्रणाम ⟶ (अभिवादन)

.... पहला अनुच्छेद (कुशल-मंगल)

.... दूसरा अनुच्छेद (विषय-विस्तार)

बड़ों को नमस्ते और छोटों को प्यार ⟶ (समापन)

आपका/आपकी .... ⟶ (संबंध)

क. ख. ग. ⟶ (आपका नाम)

➤ 'जंगल बुक' फ़िल्म के बारे में बताते हुए मित्र को पत्र–

१०२, सेक्टर नं.– ०७,
शांति नगर (मुंबई)
२० जनवरी २०...

प्रिय सुशांत

सप्रेम नमस्कार।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है कि तुम भी कुशलपूर्वक होंगे।

कल तुम्हारा पत्र मिला, बहुत अच्छा लगा कि तुम नई कक्षा में खुश हो। मैं आज अपनी कक्षा के साथ फ़िल्म 'जंगल बुक' देखने गया था। इस फ़िल्म में मोगली की कहानी बहुत ही मज़ेदार और शिक्षाप्रद है। हम लोग तो कंप्यूटर और ऑनलाइन गेम आदि में इतने व्यस्त रहते हैं कि इस तरह की बातों के बारे में सोच भी नहीं पाते। मैं तो कहता हूँ कि तुम भी इस फ़िल्म को देख आओ। पुरानी कहानी और आधुनिक तकनीक का इतना अच्छा मिश्रण देखकर तुम दाँतों तले उँगली दबा लोगे।
चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम तथा गोलू को प्यार।
तुम्हारा मित्र,
नितिन

➤ चचेरे भाई सार्थक को ग्रीष्मावकाश में अपने घर आने का निमंत्रण देते हुए पत्र–

१०३, बिल्डिंग नं.– १४,
पूनम गार्डन (मुंबई)
२० जनवरी २०...

प्रिय सार्थक

सप्रेम नमस्कार।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है कि तुम भी सपरिवार कुशलपूर्वक होंगे। तुम्हारा पत्र आज ही मिला है। हम लोग मुंबई से दिल्ली जाकर बसने वाले हैं। अगले सप्ताह हम दिल्ली में होंगे। तुमने भी दिल्ली शहर नहीं देखा है। यदि तुम गरमी की छुट्टियों में वहाँ आने का कार्यक्रम बना लो, तो हम दोनों मिलकर दिल्ली की सैर करेंगे। यदि चाचा जी के पास समय हो, तो उन्हें भी अपने साथ अवश्य लाना।

चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम तथा सोनी को प्यार। पत्र का उत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा भाई,

मयंक



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. अनौपचारिक पत्र किन लोगों को लिखे जाते हैं?

....

....

प्रश्न २. क्या आपने अब तक किसी को कोई पत्र लिखा है? अगर हाँ तो किसे?

....

....

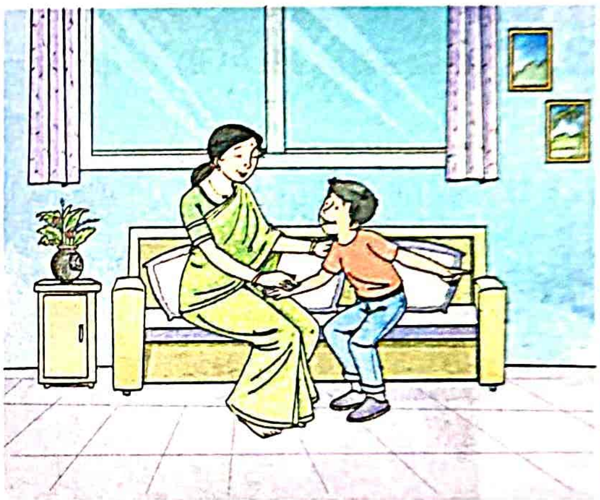
प्रश्न ३. अपनी छोटी बहन को मोबाइल फ़ोन के कम उपयोग की सीख देते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न ४. अपने छोटे भाई को सुबह जल्दी जागने व समय पर सोने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न ५. दादा जी के स्वास्थ्य के बारे में पता करने के लिए उन्हें पत्र लिखिए।

२३ संवाद-लेखन

बेटे का बगीचे में घूमने जाने के लिए माँ को मनाते हुए संवाद को पूर्ण कीजिए–



रेहान– माँ, आपसे एक ज़रूरी बात करनी है।

माँ– बोलो बेटे, मैं सुन रही हूँ।

रेहान– शनिवार को हम पास के बगीचे में ....

....

माँ– वहाँ जाकर क्या करोगे?

रेहान– ....

....

माँ– ....

रेहान– ....

अभी आपने माँ और बेटे के बीच की बातचीत को पूरा किया। इसी बातचीत को 'संवाद' कहते हैं। इन्हीं संवादों को जब हम लिखते हैं, तो वे 'संवाद-लेखन' कहलाते हैं। संवाद दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच हो सकता है।

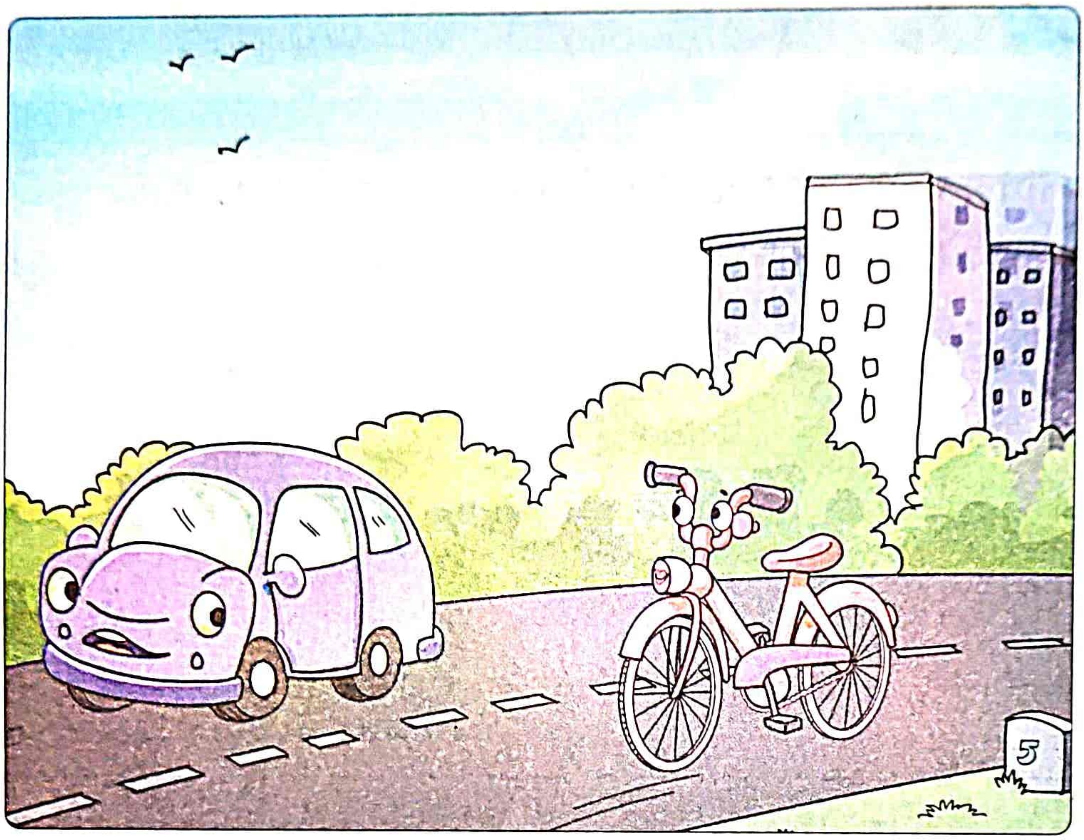
ये भी जानें

➤ कई रूपों में बातचीत कर सकते हैं– हम आमने-सामने बैठकर, टेलीफ़ोन पर एक-दूसरे की बात सुनकर, इंटरनेट का इस्तेमाल करते हुए फेसबुक, व्हाट्सएप आदि के द्वारा भी बातचीत कर सकते हैं।

➤ संवाद छोटे, स्वाभाविक, सरल और पात्रानुकूल होने चाहिए।

उदाहरण

१. कार-साइकिल के बीच संवाद–



कार : ज़रा बचकर चलो, दिखता नहीं, मैं आ रही हूँ।

साइकिल: अरे! मैं तो रास्ते के बाईं ओर ही चल रही हूँ।

कार : उससे क्या? अभी टक्कर लगेगी तो उछल जाओगी।

साइकिल: लगता है, आपको घमंड हो गया है।

कार : क्यों न हो, तुमसे तेज़ भाग सकती हूँ, और तो और तुमसे बड़ी भी हूँ।

साइकिल: मानती हूँ, लेकिन ज़रा पीछे मुड़कर देखो, आपके धुएँ से कितना प्रदूषण फैल रहा है। लोग साँस भी नहीं ले पा रहे हैं।

कार : ओह! यह तो बहुत दुख की बात है। मुझे माफ़ कर दो।

साइकिल: कोई बात नहीं। असल में तो यह आपको चलाने वाले पर निर्भर है कि वह आपको किस तरह उपयोग में लाता है? समय-समय पर आपको देखभाल/मरम्मत की भी ज़रूरत पड़ती होगी।

कार : तुम कितनी अच्छी हो। काश! मैं भी एक साइकिल होती। लोग मुझे चलाते और प्रदूषण भी नहीं फैलता।

२. पिकनिक पर जाने के लिए पापा को मनाते हुए संवाद–

साहिल : पापा, आपसे एक ज़रूरी बात करनी है।

पापा : बोलो बेटा, मैं सुन रहा हूँ।

साहिल : अगले शनिवार को मेरी कक्षा के सभी बच्चे पिकनिक पर जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहता हूँ।

पापा : अच्छा, कहाँ-कहाँ जाने वाले हो?

साहिल : यह देखिए, यहाँ लिखा हुआ है– 'सायन्स म्यूज़ियम', 'नेशनल म्यूज़ियम' और 'रेलवे म्यूज़ियम।'

पापा : अरे वाह! यह तो बहुत अच्छी बात है। मनोरंजन और पढ़ाई साथ-साथ।

साहिल : आपको विद्यालय में आकर पाँच सौ रुपये जमा करने होंगे।

पापा : कल मुझे ज़रूरी काम है, मैं तुम्हें लिफ़ाफ़े में पैसे डालकर दे रहा हूँ। तुम अपनी कक्षा अध्यापिका को दे देना।

साहिल : धन्यवाद पापा! आप बहुत प्यारे हो, दुनिया के सबसे अच्छे पापा हो।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. डॉक्टर और मरीज के बीच होने वाले संवाद को पूरा कीजिए–

डॉक्टर– कहिए, श्रीमान कुमार, आपको क्या हुआ है?

श्रीमान कुमार– ....

डॉक्टर– ऐसा कब से हो रहा है?

श्रीमान कुमार– ....

डॉक्टर– आपकी आँखें पीली लग रही हैं। मैं कुछ दवाइयाँ दे रहा हूँ। साथ ही आपको खून की जाँच भी करवानी होगी।

श्रीमान कुमार– ....

डॉक्टर– दवाइयाँ समय पर खाते रहिए। तीन दिन बाद आप फिर से आइए। साथ में खून जाँच की रिपोर्ट भी लेते आइए।

श्रीमान कुमार– ....

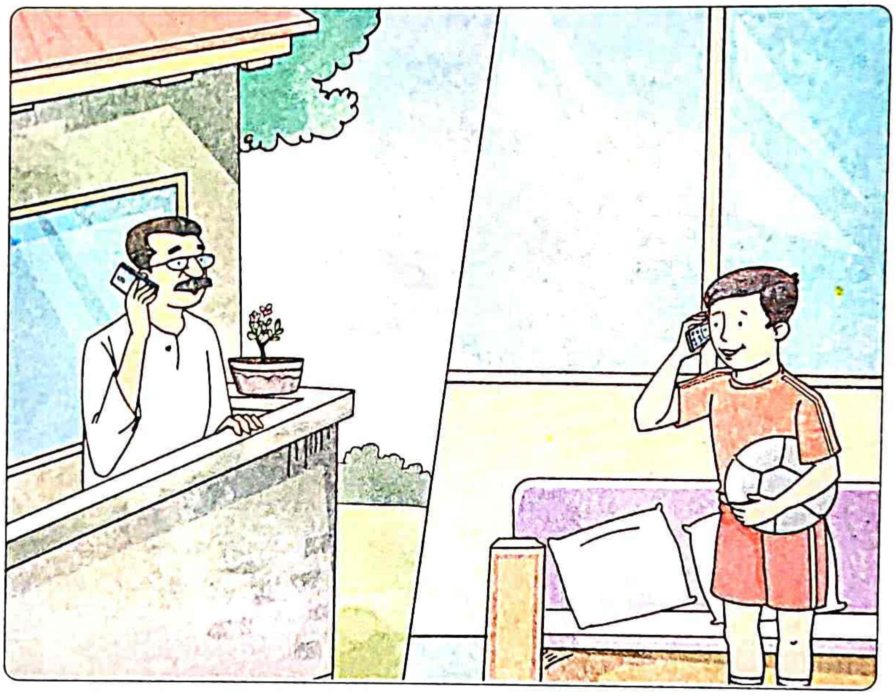
डॉक्टर– घबराने की ज़रूरत नहीं है। मैं कुछ दवाइयाँ लिख रहा हूँ, जिसे ७ दिनों तक लगातार लेना है।

श्रीमान कुमार– ....

डॉक्टर– अपनी सेहत का ध्यान रखिए।

श्रीमान कुमार– ....

प्रश्न २. **फुटबॉल मैच के लिए आपका चुनाव किया गया है। इस विषय पर आप अपने दादा जी को फ़ोन पर कैसे बताओगे? अपनी और दादा जी की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए–**



प्रश्न ३. **ए.सी. और पंखे के बीच संवाद लिखिए।**

प्रश्न ४. **प्रियोम द्वारा अपने जन्मदिन पर विक्टर को बुलाने के लिए फ़ोन पर हुए संवाद को लिखिए।**

२४ अनुच्छेद-लेखन



'छुट्टी का दिन' विषय पर दिए गए चित्र व संकेतों के माध्यम से अनुच्छेद पूर्ण कीजिए–

- बच्चों के लिए छुट्टी का दिन सबसे अच्छा होना
- विद्यालय न जाने के कारण देर तक सोना व मस्ती करना
- माँ का अच्छे-अच्छे पकवान बनाकर खिलाना
- परिवार के साथ शाम को सैर के लिए जाना
- छुट्टी का आनंद लेना



छुट्टी का दिन

हम बच्चों के लिए छुट्टी का दिन सबसे अच्छा होता है। ....

....

....

....

....

अभी आपने मुद्दों तथा चित्र की सहायता से 'छुट्टी का दिन' विषय पर अनुच्छेद को पूरा किया। इसमें सारे वाक्य सरल व स्पष्ट रूप से लिखे गए हैं। यही 'अनुच्छेद-लेखन' है। इससे हमारी कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता तथा लेखन क्षमता का विकास होता है। इसमें सिर्फ़ एक ही अनुच्छेद में अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप में लिखा जाता है।

किसी विषय पर अपने विचार सीमित शब्दों में एक ही अनुबंध में लिखना 'अनुच्छेद-लेखन' कहलाता है।

ध्यान रखने योग्य बातें–

- अनुच्छेद लिखते समय भाव या विचार क्रम से लिखने चाहिए।
- वाक्यों का आपस में सही तालमेल होना चाहिए।
- अनुच्छेद में आठ से दस वाक्य होने चाहिए।

पिकनिक

मुद्दे–

- पिछले सप्ताह विद्यालय की तरफ़ से पिकनिक पर जाने की वजह से सभी बच्चे खुश
- सभी की अलग-अलग पकवान तथा खेल सामग्री लाने की योजना
- चिड़ियाघर पहुँचकर अलग-अलग जानवरों को देखना
- दोपहर का भोजन कर अंताक्षरी आदि का खेल खेलना
- सभी का शाम को आनंदपूर्वक बस से घर आना

पिछले सप्ताह हमारे विद्यालय से हमारी कक्षा को पिकनिक पर ले जाया गया। पिकनिक पर जाने की सूचना सुनकर सभी छात्र खुशी से झूम उठे। सभी की अपने-अपने साथियों के साथ योजनाएँ बनने लगीं। मैंने भी अपने साथियों के साथ योजनाएँ बनाई। किसी ने खेल का सामान लाने की राय दी तो किसी ने खाने के लिए पकवान बनवाकर लाने की बात कही। आखिरकार हमारी सारी योजनाएँ अमल में आने लगीं। मैंने घर आकर माँ को बताया तो माँ ने पिकनिक के लिए अच्छे-अच्छे पकवान बनाकर दिए। हम चिड़ियाघर पहुँचे। पहले वहाँ अलग-अलग प्रकार के पशु-पक्षियों को देखा। जिन जानवरों के चित्र अब तक हमने सिर्फ़ किताबों में ही देखे थे, उन्हें वहाँ सामने देखकर हम रोमांचित हो उठे। फिर पास के ही एक पार्क में खूब खेले और दोपहर का भोजन किया। सभी ने मिलकर अंताक्षरी खेली। बाद में कुछ और खेल भी खेले। इतने में शाम हो गई और घर लौटने का समय हो चला। वहाँ से वापस आने का मन तो नहीं हो रहा था, लेकिन समय से घर पहुँचना था। इस तरह हम पिकनिक मनाने के बाद खूब आनंद के साथ वहाँ से अपनी बस से घर आए।

समय का सदुपयोग

कहते हैं कि एक बार समय चला जाए, तो वापस नहीं आता। धन खो जाए तो उसे वापस लाया जा सकता है, परंतु बीता समय वापस नहीं आता। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को समय का उचित उपयोग करना चाहिए। उसे व्यर्थ गँवाना नहीं चाहिए। संसार में प्रत्येक व्यक्ति जो समय का आदर करता है, वही सफलता के शिखर पर पहुँचता है। व्यक्ति अपने आलस के कारण ही समय को व्यर्थ जाने देता है। जो अपने जीवन की अमूल्य संपत्ति को खो देता है, वह बाद में बहुत पछताता है। इसी विषय में कबीरदास जी ने कहा है–

"काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।"

अर्थात् सोचते रहने से काम नहीं होता, बल्कि हमें समय-समय पर अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करते ही रहना चाहिए। इसी से जीवन में सफलता प्राप्त होती है। जिस प्रकार एक विद्यार्थी अगर पढ़ाई के बारे में सोचता रहेगा तो वह समय उसके हाथ से निकल जाएगा। परीक्षा का समय किसी के लिए नहीं ठहरता। सफलता तो उसी को मिलेगी, जिसने परिश्रम किया होगा। हमें समय का सदुपयोग सीखना ही होगा।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. चित्र तथा मुद्दों की सहायता से एक अनुच्छेद लिखिए–

(क) वृक्षारोपण–



मुद्दे–

- वृक्ष का हमारे जीवन में बहुत उपयोगी होना
- वृक्ष से मनुष्य को फल, औषधि, लकड़ी आदि का मिलना
- अब बेधड़क वृक्षों की कटाई होने से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ना
- प्रत्येक नागरिक का वृक्ष लगाकर पर्यावरण शुद्ध रखने का प्रयास करना
- दूसरों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करना

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्रश्न २. संकेतों की सहायता से अनुच्छेद-लेखन कीजिए–

(क) मोबाइल–

- आज के युग में मोबाइल एक आवश्यक गैजेट
- मोबाइल का विभिन्न तरीकों से उपयोग
- इंटरनेट के माध्यम से मोबाइल पर कहीं भी ज्ञान प्राप्त करना आसान
- मोबाइल के दुरुपयोग
- मोबाइल का सही इस्तेमाल करने की सूझ-बूझ

(ख) स्वच्छता–

- आस-पास स्वच्छ वातावरण बनाने के प्रति जागरूकता
- सभी का मिलकर अपने आस-पास के परिसर का साफ़ करना
- कचरा फैलने से होने वाली बीमारियों से अवगत होना
- स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूक होना
- कूड़ेदान के इस्तेमाल पर ज़ोर देना

प्रश्न ३. अपने प्रिय त्योहार का चित्र चिपकाकर अनुच्छेद लिखिए।

२५ चित्र-वर्णन



चित्र पर आधारित बातचीत को पढ़िए तथा समझिए–





स्क्विटल– अनय, क्या बात है? तुम इस चित्र को देख-देखकर क्या लिख रहे हो?

अनय– स्क्विटल, मैं इस चित्र में दिख रहे सभी चीज़ों को बारी-बारी से अपनी नोटबुक में लिख रहा हूँ।



स्क्विटल– अच्छा! ज़रा दिखाओ तो, क्या-क्या लिखा है इस चित्र के बारे में?

अनय– ठीक है। इस चित्र को पहले ध्यान से देखो, फिर पढ़ो।

स्क्विटल– ठीक है अनय। (पढ़ते हुए) सोनाली का जन्मदिन मनाया जा रहा है। उसके पाँच दोस्त भी आए हुए हैं। सोनाली के माता-पिता भी उसके साथ खड़े हैं। उसकी माँ उसे केक खिला रही है। टेबल पर एक सुंदर व बड़ा-सा केक रखा हुआ है। उस पर कुछ मोमबत्तियाँ भी लगी हुई हैं। घर को पताकों व गुब्बारों से सजाया गया है। दीवाल पर हैप्पी बर्थडे लिखा हुआ है। सभी बहुत खुश नज़र आ रहे हैं।

अनय– स्क्विटल, चित्र के बारे में कैसा लिखा है मैंने? तुम्हें ठीक लगा?

स्क्विटल– शाबाश! अनय, तुमने तो बहुत अच्छा चित्र का वर्णन किया है। एक क्रम में, सरल व शुद्ध भाषा में बिलकुल सही वर्णन किया है।

अभी हमने एक चित्र के वर्णन से संबंधित बातचीत को पढ़ा। इसमें चित्र में दिख रही सभी चीज़ों का अपने शब्दों में वर्णन किया गया है। यही 'चित्र-वर्णन' है। चित्र-वर्णन एक कला है। इसके द्वारा भाषा का विकास होता है। इसकी सहायता से व्यक्ति में चीज़ों को परखने की क्षमता, कल्पना शक्ति, रचनात्मकता और अपने विचारों को एकसूत्र में पिरोकर लिखने की कला का विकास होता है।

किसी भी चित्र या दृश्य को देखकर हम उसका वर्णन अपने शब्दों में करते हैं, इसे ही 'चित्र-वर्णन' कहते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें–

- वाक्य की रचना हमेशा वर्तमान काल में होनी चाहिए।
- चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर उससे मिलने वाली जानकारी अपने शब्दों में लिखनी चाहिए।
- सरल भाषा के साथ-साथ वाक्य छोटे तथा स्पष्ट होने चाहिए।
- वाक्यों को क्रमबद्ध तरीके से लिखना चाहिए।

चित्र-वर्णन

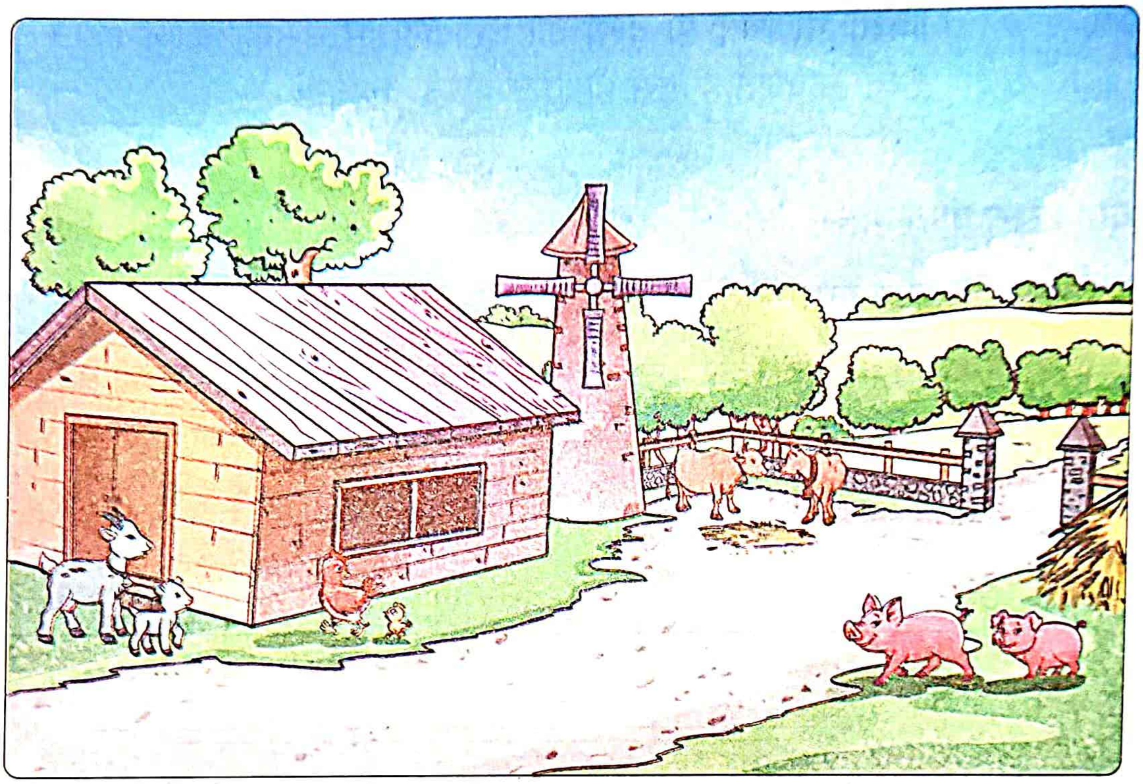


चित्र में एक छोटी लड़की और दो औरतें हैं। छोटी लड़की अपनी माँ के साथ शॉपिंग मॉल में आई हुई है। मॉल में चारों तरफ़ सामान भरा हुआ है। छोटी ने अपनी मनपसंद खाने की चीज़ें ट्रॉली में रखी हैं। छोटी को देखकर आंटी खुश हो जाती है। वह छोटी को आशीर्वाद दे रही है। पास ही एक औरत अपनी छोटी-सी बेटी के साथ एक सामान ले रही है। एक लड़का अपनी माँ के साथ फल ले रहा है।

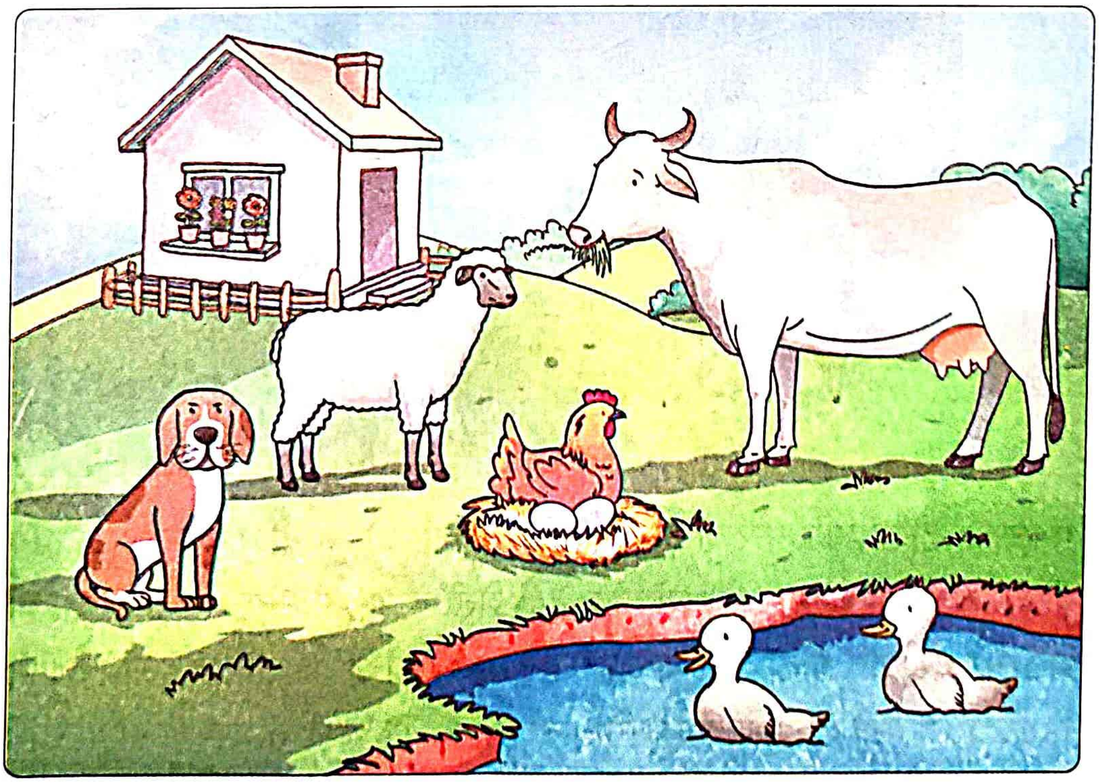
अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. चित्रों को देखकर छह से आठ वाक्यों में उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए–

(क)



(ख)



२६ निबंध-लेखन



अनय– स्क्विटल, तुमने कल स्कूल में किस प्रतियोगिता में भाग लिया?

स्क्विटल– अनय, कल मैंने स्कूल में लिखने की एक प्रतियोगिता में भाग लिया।





अनय– स्क्विटल, इस प्रकार की प्रतियोगिता को क्या कहते हैं?

स्क्विटल– अनय, इस प्रकार की प्रतियोगिता को निबंध-लेखन प्रतियोगिता कहते हैं।

अनय– स्क्विटल, इसे कैसे लिखा जाता है?

स्क्विटल– अनय, इसमें दो बातें मुख्य होती हैं। पहला– किसी विषय को अच्छे वाक्यों में बाँधना 'निबंध' कहलाता है। दूसरा– अच्छा निबंध लिखने के लिए अच्छी भाषा-शैली की आवश्यकता होती है।

यहाँ स्क्विटल और अनय की बातों में किसी विषय को अच्छे शब्दों में बाँधने और अच्छी भाषा-शैली का ज़िक्र हुआ है। लिखने की प्रतियोगिता के माध्यम से निबंध प्रतियोगिता के बारे में कहा गया गया है। विषय को अच्छी भाषा-शैली में लिखना आवश्यक होता है।

किसी विषय को अच्छे वाक्यों में बाँधकर लिखना 'निबंध लेखन' कहलाता है।

निबंध को तीन भागों में बाँटा जा सकता है।

१) भूमिका

भूमिका में निबंध के शीर्षक का शाब्दिक अर्थ देते हुए विषय का संक्षिप्त परिचय देना चाहिए।

२) मध्य भाग

मध्य भाग में विषय का विस्तार से वर्णन-विश्लेषण करते हुए उसके सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष पर प्रकाश डालना चाहिए।

३) समापन/निष्कर्ष

निष्कर्ष के अंतर्गत अपने सुझाव देकर विषय को समाप्त करना चाहिए।

निबंध के प्रकार–

१.	चित्रों पर आधारित निबंध	६.	धार्मिक निबंध
२.	वर्णनात्मक निबंध	७.	राष्ट्रीय विषयों पर आधारित निबंध
३.	पारिवारिक निबंध	८.	प्रकृति/ऋतु वर्णन पर आधारित निबंध
४.	सामाजिक निबंध	९.	विज्ञान विषयक निबंध
५.	सांस्कृतिक निबंध	१०.	खेल-कूद से संबंधित निबंध

ध्यान रखने योग्य बातें–

- शीर्षक का शाब्दिक अर्थ दें।
- परिचय या भूमिका में कविता की पंक्ति, सूक्ति अथवा मुहावरों का प्रयोग करें।
- मध्य भाग में विषय का विवेचन-विश्लेषण, लाभ-हानि व सकारात्मक-नकारात्मक पक्ष की चर्चा करें।
- निष्कर्ष में सकारात्मक और व्यवहारिक सुझाव दें।
- भाषा सरल और विषय के अनुकूल होनी चाहिए।
- शब्दों, वाक्यों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।
- कठिन और लंबे शब्द एवं वाक्यों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- विराम-चिह्नों की गलती नहीं होनी चाहिए।
- विषयांतर नहीं होना चाहिए।

मेरा प्यारा देश

जहाँ हिमालय जैसा पर्वत, जहाँ गंगा की धारा है।
सारी दुनिया में अद्भुत, वह प्यारा देश हमारा है॥

विश्व के प्राचीनतम देशों में भारतीय सभ्यता व संस्कृति का अपना एक विशेष महत्व है। मेरा देश भारत सचमुच धरती का ताज है। इसकी सुंदरता और इसके धन-वैभव से आकर्षित होकर समय-समय पर संसार की अनेकानेक जातियाँ निरंतर यहाँ आती रही हैं और इसकी सुंदरता पर मोहित होकर सदा-सदा के लिए यहीं बसती रही हैं।

मेरे देश में सैकड़ों पर्वत, वन-जंगल, नदी-निर्झर, उपवन और खेत-खलिहान, लाखों नगर-ग्राम और करोड़ों लोगों का निवास है। आज चीन के बाद हमारा देश ही दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है।

यहाँ हिमालय जैसा गिरिराज है और गंगा जैसी पवित्र नदी है, जिसका जल अमृत के समान है। इसके तीनों ओर समुद्र फैला हुआ है, जो लहरा-लहराकर रात-दिन हमारे सुंदर देश के चरण धोता है। गंगा, यमुना, सतलुज, रावी, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी और कृष्णा-कावेरी जैसी महान नदियाँ इस

देश को सींचती हुई, इसे धन-धान्य से परिपूर्ण कर देती हैं।

संसार के सभी देशों में हमारा ही देश ऐसा है जहाँ छह ऋतुएँ बारी-बारी से आती हैं और इस देश की जनता पर अपने वरदान लुटाती हैं।

मेरा देश महान है। राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरुनानक देव, कबीर, तुलसी, विवेकानंद और दयानंद जैसे ज्ञानी और तपस्वी महापुरुषों ने इसी धरती पर जन्म लिया। चंद्रगुप्त, समुद्रगुप्त, अशोक और अकबर जैसे महान सम्राटों ने इस भूमि का गौरव बढ़ाया तो आधुनिक काल में तिलक, मालवीय जी, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आज़ाद, सुभाषचंद्र बोस और राजेंद्र प्रसाद जैसे देशभक्तों ने अपनी अनुपम त्याग-तपस्या से इस देश को न केवल स्वाधीनता दिलाई बल्कि विविध रूपों में इसका विकास-निर्माण भी किया। इस देश में वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, सूर और तुलसी जैसे श्रेष्ठ सरस्वती-पुत्रों ने भी जन्म लिया।

आज हमारा देश विविध दिशाओं में उन्नति कर रहा है और आशा है कि यह सदैव बुलंदियों को छूता रहेगा।

विद्यालय का वार्षिकोत्सव

मुद्दे–

- वार्षिकोत्सव का अर्थ व महत्व
- आपके विद्यालय के वार्षिकोत्सव का समय व तैयारी
- वार्षिकोत्सव में होने वाले अलग-अलग कार्यक्रम तथा पुरस्कार वितरण
- वार्षिकोत्सव में आमंत्रित मुख्य अतिथि तथा विद्यार्थियों के माता-पिता
- वार्षिकोत्सव का समापन

वर्ष में एक ही बार कोई चीज़ या घटना होती हो, तो उसे 'वार्षिक' कहते हैं। अब आती है बारी उत्सव की। उत्सव का अर्थ है– त्योहार। त्योहार का अर्थ है, खुशी का दिन। उत्सव चाहे किसी भी प्रकार का हो, हमारे जीवन में नयापन तथा जोश लेकर आता है। उत्सव में सभी उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हैं और उसे मनाते हैं।

हर विद्यालय में एक बार बड़ा त्योहार ज़रूर मनाया जाता है। वह त्योहार है– विद्यालय का वार्षिकोत्सव। हमारे विद्यालय में इसे दिसंबर के महीने में हर वर्ष मनाया जाता है। इस दिन की तैयारी लगभग महीने भर पहले से ही शुरू हो जाती है। इसके बारे में छात्रों को शिक्षिकाओं द्वारा विस्तार से जानकारी दी जाती है। कुछ छात्र नाटक, गीत, नृत्य, भाषण आदि के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद छात्र तथा छात्राएँ कभी-कभी शिक्षिका के साथ देर तक रुक कर भी अभ्यास करते हैं। सभी लगन से वार्षिकोत्सव की तैयारी करते हैं। नृत्य में अधिकतर शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया जाता है। हम बच्चों में से जिन्होंने पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद या दूसरी

किसी चीज़ में औरों से बहुत बेहतर प्रदर्शन किया होता है, उन्हें इस दिन पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाता है। जिसे देखकर सभी प्रोत्साहित भी होते हैं। वार्षिकोत्सव के अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लेने से हम लोगों में मंच से संबंधित डर खत्म हो जाता है। हम लोग आत्मविश्वास से भर जाते हैं।

वार्षिकोत्सव पर किसी-न-किसी मुख्य अतिथि को भी बुलाया जाता है। मुख्य अतिथि छात्रों/छात्राओं को पुरस्कार देते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हैं। सामने बैठे दर्शक-श्रोतागण उन्हें ध्यान से सुनते हैं। इनमें हमारे माता-पिता भी होते हैं। आने वाले सभी दर्शक या अतिथि हम सभी को प्रोत्साहित करते हैं। सबके मन में बड़ा उत्साह होता है। सभी कार्यों में हम सारे छात्र-छात्राएँ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। हम सभी बच्चे अपने काम के बारे में उत्साह से दूसरों को बताते हैं। कार्यक्रम के अंत में हमें अच्छा नाश्ता दिया जाता है।

ऐसे मनाया जाता है, हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव।



अभ्यास-कार्य

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए–

(क) मेरा प्रिय खेल

(ख) आँखों देखी मैच का वर्णन

प्रश्न २. निम्नलिखित विषयों पर मुद्दों की सहायता से निबंध लिखिए–

(क) मैं और अलादीन का चिराग

मुद्दे–

- कुछ अधूरी इच्छाएँ
- अलादीन से संबंधित फिल्म या सीरियल (सिनेमा या धारावाहिक) देखना
- जादुई चिराग का अपने पास होने की ख्वाहिश होना
- जादुई चिराग का उपयोग
- जादुई चिराग का उपयोग कर मैं बन जाऊँगा/जाऊँगी

(ख) मेरा बगीचा

मुद्दे–

- घर के आगे की जगह में बगीचा बनाने की तैयारियाँ
- तरह-तरह के फूल और फलों के पेड़-पौधे, हरी-हरी घास, बैठने का स्थान आदि
- पक्षी का चहकना, भँवरे और तितलियों के गुंजन आदि
- झूला झूलना
- बगीचे की देखभाल

२७ गिनती



अंग्रेज़ी अंकों में	हिंदी अंकों में	हिंदी शब्दों में
1	१	एक
2	२	दो
3	३	तीन
4	४	चार
5	५	पाँच
6	६	छह
7	७	सात
8	८	आठ
9	९	नौ
10	१०	दस
11	११	ग्यारह
12	१२	बारह
13	१३	तेरह
14	१४	चौदह
15	१५	पंद्रह
16	१६	सोलह
17	१७	सत्रह
18	१८	अठारह
19	१९	उन्नीस
20	२०	बीस
21	२१	इक्कीस
22	२२	बाईस
23	२३	तेईस
24	२४	चौबीस
25	२५	पच्चीस

अंग्रेज़ी अंकों में	हिंदी अंकों में	हिंदी शब्दों में
26	२६	छब्बीस
27	२७	सत्ताईस
28	२८	अट्ठाईस
29	२९	उनतीस
30	३०	तीस
31	३१	इकतीस
32	३२	बत्तीस
33	३३	तैंतीस
34	३४	चौंतीस
35	३५	पैंतीस
36	३६	छत्तीस
37	३७	सैंतीस
38	३८	अड़तीस
39	३९	उनतालीस
40	४०	चालीस
41	४१	इकतालीस
42	४२	बयालीस
43	४३	तैंतालीस
44	४४	चवालीस
45	४५	पैंतालीस
46	४६	छियालीस
47	४७	सैंतालीस
48	४८	अड़तालीस
49	४९	उनचास
50	५०	पचास

अंग्रेज़ी अंकों में	हिंदी अंकों में	हिंदी शब्दों में
51	५१	इक्यावन
52	५२	बावन
53	५३	तिरपन
54	५४	चौवन
55	५५	पचपन
56	५६	छप्पन
57	५७	सत्तावन
58	५८	अट्ठावन
59	५९	उनसठ
60	६०	साठ
61	६१	इकसठ
62	६२	बासठ
63	६३	तिरसठ
64	६४	चौंसठ
65	६५	पैंसठ
66	६६	छियासठ
67	६७	सड़सठ
68	६८	अड़सठ
69	६९	उनहत्तर
70	७०	सत्तर
71	७१	इकहत्तर
72	७२	बहत्तर
73	७३	तिहत्तर
74	७४	चौहत्तर
75	७५	पचहत्तर

अंग्रेज़ी अंकों में	हिंदी अंकों में	हिंदी शब्दों में
76	७६	छिहत्तर
77	७७	सतहत्तर
78	७८	अठहत्तर
79	७९	उनासी
80	८०	अस्सी
81	८१	इक्यासी
82	८२	बयासी
83	८३	तिरासी
84	८४	चौरासी
85	८५	पचासी
86	८६	छियासी
87	८७	सतासी
88	८८	अठासी
89	८९	नवासी
90	९०	नब्बे
91	९१	इक्यानवे
92	९२	बयानवे/बानबे
93	९३	तिरानवे
94	९४	चौरानवे
95	९५	पचानवे
96	९६	छियानवे
97	९७	सतानवे
98	९८	अठानवे
99	९९	निन्यानवे
100	१००	सौ